@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 21 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 196 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आसमान से बरस रही आग!

उत्तर भारत में गर्मी का प्रचंड टॉर्चर

- अगले 7 दिन सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी
- तापमान 45°C से ऊपर रहेगा,
- बारिश के भी आसार नहीं
- यूपी के बांदा में पारा 48.2°C

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में गर्मी अपने पीक पर है। मौसम एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगले एक हफ्ते तक सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी। एजेंसी के मुताबिक इस दौरान इन राज्यों में अधिकतम तापमान 45°C या उससे ज्यादा रहेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर होने और कोई एक्टिव वेदर सिस्टम नहीं होने की वजह से बारिश की कोई संभावना नहीं है।

अगले दो दिन के मौसम का हाल

21 मई:
राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हीटवेव चलेगी। यहां रात में भी हीटवेव जैसे हालात रहेंगे।
असम, मेघालय, केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में बारिश का अनुमान है।

22 मई:
छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हीटवेव का अलर्ट है। ओडिशा में गर्म और उमस रहेगी। अंडमान-निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम-त्रिपुरा में बारिश का अलर्ट है।
बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम में बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटे की तेज हवाओं के साथ बारिश संभव।

10 राज्यों में अगले 7 दिन हीटवेव अलर्ट

मानसून की दक्षिण अरब सागर में एंट्री

भारत को भिगोने वाले दक्षिणी-पश्चिमी मानसून ने कोमरिन सागर, श्रीलंका, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी भाग के कुछ और हिस्सों को कवर कर लिया। यह दक्षिण अरब सागर में प्रवेश कर गया। 2-3 दिन में लक्षद्वीप समूह के मिनिकॉय द्वीप पहुंचने की संभावना है।

भारत-दक्षिण कोरिया मित्रता का संदेश

•रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीरों को किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को सियोल स्थित राष्ट्रीय समाधि स्थल 'नेशनल सेमेट्री ऑफ कोरिया' पहुंचकर देश के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने पुष्प अर्पित कर उन सैनिकों को नमन किया, जिन्होंने अपने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि इन वीर जवानों का साहस, समर्पण और देशभक्ति की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

भारत, कोरिया गणराज्य के साथ उसके वीर नायकों की विरासत का सम्मान करने और उनके बलिदान को स्मरण करने में पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समाधि स्थल पर दक्षिण कोरिया के सैन्य इतिहास तथा वहां के सैनिकों के योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया। गौरतलब है कि राजनाथ सिंह तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर दक्षिण कोरिया में हैं। वह यहां दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आन ग्यू-बैक के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बैठक में दोनों देश रक्षा साझेदारी की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करेंगे और सैन्य सहयोग, रक्षा उद्योग, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे विषयों पर नई पहलों पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही साझा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान होगा।

यह यात्रा 19 मई से प्रारंभ हुई है और 21 मई तक जारी रहेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी पंचतत्व में विलीन

एजेंसी

हरिद्वार। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूड़ी का बुधवार को हरिद्वार के खड़खड़ी श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान और सैन्य परंपराओं के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनकी अंतिम यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। हर वर्ग के लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। बुधवार को मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूड़ी का पार्थिव शरीर हरिद्वार के खड़खड़ी स्थित गंगा घाट पर पहुंचा। यहां सेना एवं पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर दिवंगत नेता को अंतिम सलामी दी। इसके बाद उनके पुत्र मनीष खंडूड़ी ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म की। पूरे वातावरण में शोक और श्रद्धा का भाव देखने को मिला।

दो हफ्तों में बीएसएफ को सौंपी जाएगी 27 किलोमीटर सीमा जमीन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़बंदी और सुरक्षा ढांचे के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जमीन सौंपने जा रही है और इसकी शुरुआत 27 किलोमीटर के हिस्से से की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां भी जरूरत होगी, सीमा प्रबंधन मजबूत करने के लिए और जमीन दी जाएगी। बीएसएफ को जमीन सौंपने से जुड़ी बैठक को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि यह कदम राज्य में सीमा सुरक्षा को बेहतर बनाने की बड़ी पहल की शुरुआत है। सीमा ढांचे को तेज करने की जरूरत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा का बड़ा हिस्सा अभी भी बिना बाड़ के है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश की कुल 2200 किलोमीटर सीमा में से लगभग 1600 किलोमीटर पर बाड़बंदी हो चुकी है, जबकि करीब 600 किलोमीटर अभी भी बिना बाड़ के है। उन्होंने कहा, जहां भी बाड़ और सीमा सुरक्षा के लिए जमीन की जरूरत होगी, हम बीएसएफ को देंगे। पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए अधिकारी ने आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की नीतियों के कारण उसने सीमा ढांचे में सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, पिछली सरकार ने वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण के कारण बीएसएफ को जमीन नहीं दी। अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि सीमा क्षेत्रों में बीएसएफ, राज्य पुलिस और जिला प्रशासन के बीच तालमेल पिछले कई वर्षों में कमजोर हो गया था। उन्होंने कहा, पिछले कई वर्षों से सीमा क्षेत्रों में बीएसएफ, राज्य पुलिस और प्रशासन के बीच समन्वय बैठकें नहीं हुई थीं। उन्होंने कहा कि अब जिला स्तर पर तालमेल की व्यवस्था को फिर से शुरू किया गया है।

•शरद पवार ने जमकर की पीएम मोदी की तारीफ, बोले-

वे भारत का मान बढ़ाने में जुटे

एजेंसी

मुंबई। एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार ने एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। मंगलवार शाम मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में पवार ने कहा कि राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने भी हमेशा देश के भविष्य और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

प्रधानमंत्री की तारीफ में क्या बोले शरद पवार?

एनसीपी एसपी प्रमुख ने कहा, 'राजनीतिक मतभेद भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा के आड़े नहीं आने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी विदेशों में देश के सम्मान को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। हमारी राजनीतिक सोच अलग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित सबसे ऊपर होना चाहिए।' राज्यसभा सदस्य शरद पवार ने पुणे स्थित लक्ष्मणराव गुट्टे ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा आयोजित पूर्व पदाधिकारियों के सम्मान समारोह के दौरान अपने संबोधन में ये बातें कही।

अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों को याद करते हुए शरद पवार ने बताया कि वर्ष 1958 में 18 साल की उम्र में वे बारामती से पुणे आए थे, क्योंकि उस समय उनके गृह नगर में कॉलेज नहीं था। बाद में वे पुणे शहर यूथ कांग्रेस और फिर महाराष्ट्र यूथ कांग्रेस के प्रमुख बने।

पवार ने एक घटना को साझा करते हुए कहा कि दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से मुलाकात उनके जीवन के यादगार पलों में शामिल है।

शरद पवार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों से जुड़े प्रसंग किए साझा

उन्होंने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछने के लिए किसानों और युवाओं से जुड़े कई सवाल तैयार किए थे, लेकिन नेहरू के प्रभावशाली व्यक्तित्व के सामने वे सब कुछ भूल गए। पवार ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा एक प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने कहा कि सोवियत संघ की यात्रा के दौरान इंदिरा गांधी ने भारतीय प्रधानमंत्री को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलने पर नाराजगी जताई थी। पवार ने कहा कि इंदिरा गांधी ने सोवियत अधिकारियों से कहा था, 'मैं 40 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करती हूं। यदि उनके सम्मान का आदर नहीं होगा तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगी।' कार्यक्रम के अंत में पवार ने विभिन्न दलों के पुराने सहयोगियों के एक मंच पर आने का स्वागत किया और राष्ट्रीय हित में मिलकर काम करने का आह्वान किया।

•राहुल के विवादित बयान पर सियासत

भाजपा ने लगाया 'गद्दारी परंपरा' का आरोप

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक विवादित टिप्पणी की। राहुल के इस बयान पर सियासत तेज हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक, ओडिशा के मंत्री नित्यानंद गोंड और यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राहुल गांधी पर निशाना साधा तो वहीं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने उनका बचाव किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि इसमें राहुल गांधी की कोई गलती नहीं है। जिस परिवेश में आप पैदा हुए और जिस परिवेश में आप बड़े हुए, उसी भाषा में आप बोलेंगे। इसलिए राहुल गांधी का ऐसा बयान देना कोई बड़ी बात नहीं है। उनके परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी जो प्रधानमंत्री पैदा हुए, उन्होंने जो कुछ किया उसे वे गद्दारी नहीं मानते बल्कि अपनी उपलब्धि मानते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री को गद्दार कहने में उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 लगाया। उसके बाद पाकिस्तान को झेलम और चिनाब नदी का 80 प्रतिशत पानी दे दिया। 1962 में चीन के साथ युद्ध के दौरान उन्होंने भारतीय एयरफोर्स को चीन पर हमला करने का आदेश नहीं दिया। तिब्बत को मान्यता नहीं दी बल्कि चीन को मान्यता दे दी। फिर भी वे गद्दार नहीं माने जाते। इंदिरा गांधी ने संसद के रिकॉर्ड में पाकिस्तान को न्यूक्लियर डिटेल्स देने की बात कही। उन्होंने इमरजेंसी लगाई और ऑपरेशन ब्लू स्टार करवाकर सिखों की भावनाओं का अपमान किया।

सतीशन सरकार ने सिल्वर लाइन भूमि अधिग्रहण रद्द किया

प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामले वापस

तिरुवनंतपुरम। मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने पदभार संभालने के कुछ ही दिनों के भीतर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक निर्णय लेते हुए विवादास्पद सिल्वर लाइन सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना को समाप्त करने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार ने पूरे केरल में इस परियोजना के लिए जारी सभी भूमि अधिग्रहण अधिसूचनाओं को रद्द करने की घोषणा की है। तिरुवनंतपुरम में अपने सरकार की दूसरी कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने घोषणा की कि तिरुवनंतपुरम-कासरगोड सिल्वर लाइन सेमी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से जुड़ी सभी भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं को औपचारिक रूप से निरस्त कर दिया गया है। यह पिछली वाम सरकार की प्रमुख परियोजनाओं में से एक पर एक बड़ा और नाटकीय उलटफेर माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने इस परियोजना का शुरुआत से ही विरोध किया था। अब अधिग्रहण के लिए चिन्हित भूमि की अधिसूचना रद्द कर दी गई है। 'साथ ही, सिल्वर लाइन परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों को बड़ी राहत देत।

तमिलनाडु की सत्ता में 59 साल के बाद वापसी करेगी कांग्रेस, सीएम विजय की कैबिनेट में कल होगी शामिल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में करीब छह दशक बाद बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने जा रहे हैं और इस विस्तार में कांग्रेस की सरकार में औपचारिक एंट्री लगभग तय मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के दो विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इस तरह करीब 59 साल बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में सीधे भागीदारी करती नजर आएगी। सूत्रों के मुताबिक, टीवीके और कांग्रेस के बीच सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर सहमति बन चुकी है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी संकेत दिए हैं कि पार्टी सरकार में शामिल होने जा रही है। लंबे समय तक द्रविड़ राजनीति के प्रभाव वाले तमिलनाडु में कांग्रेस ज्यादातर समय डीएमके या एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में रही, लेकिन उसे कभी सरकार में जगह नहीं मिली। अब विजय सरकार में कांग्रेस की एंट्री को दक्षिण भारतीय राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि यह कदम 2026 के चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। एक तरफ विजय अपनी सरकार को और मजबूत करना चाहते हैं, वहीं कांग्रेस दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इस बीच टीवीके ने अपने अन्य सहयोगी दलों को भी सरकार में शामिल होने का न्योता दिया है। मंत्री आधव अर्जुना ने कहा कि मुख्यमंत्री चाहते हैं कि वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन भी मंत्रिमंडल का हिस्सा बनें। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ भी बातचीत जारी है।

अस्पताल के बाहर सलमान का पैपराजी पर फूटा गुस्सा... क्या तुम लोग पागल हो गए हो

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान मुंबई के हिंदुजा अस्पताल के बाहर पैपराजी पर भड़क गए। किसी करीबी से मिलने पहुंचे सलमान की नाराजगी तब सामने आई जब कुछ फोटोग्राफर्स ने अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर हंगामा शुरु किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, सलमान के बाहर आते ही कुछ पैपराजी ने उनकी आने वाली फिल्म 'मातृभूमि' का नाम जोर-जोर से पुकारना शुरू किया। इस पर गुस्साए सलमान ने पूछा, 卐क्या तुम लोग पागल हो गए हो?卐 उन्होंने पैपराजी से सवाल किया कि अगर उनके परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में भर्ती हो, तब क्या उन्हें भी इस तरह कैमरों और शोर-शराबे का सामना अच्छा लगेगा। अभिनेता के गुस्से को देखकर मौके पर मौजूद पैपराजी ने तुरंत माफी मांगी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इसके बाद सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि मीडिया ने हमेशा उनका साथ दिया है, लेकिन अस्पताल जैसी जगह पर किसी के निजी पलों को सनसनी बनाना ठीक नहीं है। उन्होंने संवेदनशीलता की कमी पर जोर देकर कहा, 'मैं 60 साल का हूं, लेकिन लड़ना नहीं भूला।'

आईआरसीटीसी लाया गर्मियों में चारधाम यात्रा का खास मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मियों की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं और इस दौरान पहाड़ों की ओर रुख करने वाले परिवारों के लिए आईआरसीटीसी बेहतरीन मौका लेकर आया है। रेलवे की सहायक कंपनी आईआरसीटीसी ने 2026 के लिए अपने विशेष चारधाम यात्रा पैकेज की घोषणा की है, जिसमें यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। पैकेज के तहत उत्तराखंड के प्रसिद्ध चार धामों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन कराए जाएंगे। यह 11 रात और 12 दिन का पैकेज दिल्ली से शुरू होगा और श्रद्धालुओं को आरामदायक एसी टेंपो ट्रैवलर से यात्रा कराई जाएगी। यात्रियों के लिए ठहरने हेतु अच्छे होटलों की व्यवस्था की जाएगी, साथ ही नाश्ते से लेकर रात के खाने तक की सुविधा और प्रतिदिन 1 लीटर पानी की बोतल भी प्रदान की जाएगी। 2026 में यात्रा की तारीखें जून (1, 12, 24), सितंबर (1, 12, 24) और अक्टूबर (1, 15) हैं। प्रति व्यक्ति खर्च इस प्रकार निर्धारित किया गया है। अकेले रुकने पर 75,000, दो लोगों के साथ 62,000 और तीन लोगों के साथ 57,000। वहीं, 5 से 11 साल के बच्चे के लिए (एक्स्ट्रा बेड सहित) 30,000 और बिना एक्स्ट्रा बेड के 20,000 का खर्च आएगा। यह पैकेज परिवार के साथ देवभूमि का आध्यात्मिक अनुभव लेने का एक शानदार अवसर है।

देहरादून के पैनेसिया अस्पताल में भीषण आग, महिला मरीज की मौत; कई अन्य झुलसे

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के पैनेसिया हॉस्पिटल में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में आईसीयू में भर्ती एक 55 वर्षीय महिला मरीज की मौत हुई, जबकि छह अन्य मरीज और बचाव कार्य में जुटे तीन पुलिसकर्मी भी झुलस गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग एसी में ब्लास्ट होने के कारण लगी, जिसने अस्पताल परिसर में धुएं और भगदड़ का माहौल पैदा हुआ। हादसे के बाद अस्पताल को आनन-फानन में खाली कराया गया और कई मरीजों को एंबुलेंस के जरिए दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। कैलाश अस्पताल में भर्ती कराए गए छह झुलसे मरीजों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर विभाग ने आग लगने के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। यह घटना फिर देहरादून के निजी अस्पतालों में अग्निशमन सुरक्षा मानकों की अनदेखी और कमजोर व्यवस्थाओं को उजागर करती है। राजधानी के अधिकांश अस्पताल सीमित जगह, संकरे रास्तों और अपर्याप्त इमरजेंसी एग्जिट के साथ संचालित हो रहे हैं, जिससे ऐसी आपात स्थितियों में बचाव कार्य बाधित होता है और मरीजों की जान खतरे में पड़ती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद पूरे परिसर में धुआं भर गया था, जिससे मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। फायर ऑडिट और मॉक ड्रिल जैसे महत्वपूर्ण इंतजाम अक्सर केवल कागजों तक ही सीमित रहते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी दुर्घटनाएं सामने आती रहती हैं। प्रशासन आमतौर पर ऐसी घटनाओं के बाद ही सक्रिय होता है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही लापरवाही दोहराई जाती है, जो गंभीर मरीजों की जिंदगी को खतरे में डालती है।

आरएसएस और प्रधानमंत्री संविधान को फाड़ने की कोशिश कर रहे-राहुल गांधी

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और आरएसएस इसे फाड़ने और फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने तो इसे पहले ही फाड़ दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान की किताब सिर्फ कागज का पन्ना नहीं है, बल्कि इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और वीरा पासी जैसे अनगिनत लोगों का खून और पसीना मिला हुआ है, जिन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।

बुधवार को रायबरेली के लोधवारी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि संविधान देश की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने एक बार फिर देश की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि देश में एक बड़ा आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर देश के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

वहीं, गौरीगंज क्षेत्र के तेजी का पुरवा स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की रक्षा संविधान करता है और पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगातार संविधान पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि उनका काम अर्थव्यवस्था की रक्षा करना है, उनका काम देश की रक्षा करना है, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने क्या किया? उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस से जुड़े लोगों को विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर बनाया जा रहा है और देश की संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी इस देश को नहीं बचा सकते। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि टॉफी बांटना बंद करो और किसानों को खाद उपलब्ध कराओ। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी आज भी करोड़ों रुपये का तेल विदेशों में एक्सपोर्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी संविधान पर हमला है और अडानी-अंबानी को देश का धन देना भी संविधान पर आक्रमण है। उन्होंने कहा कि संविधान हिंदुस्तान की आवाज है।

डीपफेक और एआई कंटेंट के खिलाफ अदालत पहुंचे राघव चड्ढा, दिल्ली हाई कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद राघव चड्ढा ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स और निजता अधिकारों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। राघव चड्ढा ने अदालत में याचिका दाखिल कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रहे डीपफेक वीडियो, छेड़छाड़ किए गए विजुअल, कृत्रिम आवाज क्लोनिंग और भ्रामक डिजिटल सामग्री पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद की अदालत में 21 मई को होने वाली है।

याचिका में कहा गया है कि एआई तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते इस्तेमाल के बीच कई बार सार्वजनिक हस्तियों की आवाज, चेहरा और बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। इससे न केवल उनकी छवि प्रभावित होती है, बल्कि लोगों के बीच भ्रम की स्थिति भी पैदा होती है। राघव चड्ढा ने अदालत से मांग की है कि बिना अनुमति उनके नाम, आवाज, तस्वीर और व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर तैयार किए गए किसी भी फर्जी कंटेंट पर तत्काल रोक लगाई जाए। हाल के वर्षों में डीपफेक तकनीक को लेकर देशभर में चिंता लगातार बढ़ी है। राजनीतिक नेताओं, फिल्म कलाकारों और खिलाड़ियों से जुड़े कई फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। इससे पहले अभिनेता अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं और उन्हें राहत भी मिली थी। अब राघव चड्ढा की याचिका को डिजिटल निजता और एआई नियंत्रण से जुड़े बड़े कानूनी मुद्दे के तौर पर देखा जा रहा है।

इकरा हसन के समर्थन में उतरे अखिलेश बोले- गुनाह तो बताइए?

सहारनपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। सांसद इकरा हसन ने पुलिस प्रशासन पर जबरन थाने में बिठाने और हिरासत में लेने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव उनके समर्थन में उतर आए हैं और उन्होंने सरकार व पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब कैराना से सपा सांसद इकरा हसन जसाला गांव की एक बुजुर्ग महिला के साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) से मिलने पहुंची थीं। महिला के बेटे की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और वे इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रही थीं। सांसद का आरोप है कि पीड़ित पक्ष की मांगों को अनसुना कर दिया गया। जब वे कार्यालय के बाहर पार्किंग एरिया में दूसरी अर्जी तैयार कर रही थीं, तभी भारी पुलिस बल ने वहां पहुंचकर उन पर ट्रैफिक व्यवस्था में बाधा डालने का आरोप लगाया। इकरा हसन के अनुसार, उन्हें और उनके साथियों को गाड़ी में बिठाकर महिला पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां करीब 10 मिनट तक हिरासत में रखने के बाद उन्हें रिहा किया गया। सांसद ने ट्रैफिक बाधित करने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनके पास गाड़ी सही जगह पार्क होने के वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं।

इस घटना के बाद मामला तब और बढ़ गया जब शांति भंग करने के आरोप में पूर्व राज्य मंत्री मंगेराम कश्यप सहित पांच सपा नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी जानकारी मिलते ही इकरा हसन तुरंत सदर बाजार पुलिस स्टेशन पहुंचीं और गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गईं। इस दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस भी हुई। सांसद के समर्थन में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता थाने पहुंचे, जिसके चलते इलाके में भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जब किसी को सिर्फ न्याय के लिए आवाज उठाने की वजह से हिरासत में ले लिया जाता है, तो वही पल कलियुग होता है। उन्होंने पूछा कि पार्टी की सांसद का अपराध बस इतना था कि वह उस मां की मदद कर रही थीं जिसने अपना बेटा खो दिया है और जो इस संवेदनहीन शासन में न्याय के लिए भटक रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस तरह की तानाशाही को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। फिलहाल, थाने के बाहर सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन और इस मामले को लेकर सियासी बयानबाजी लगातार जारी है।

निर्मला सीतारमण पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज... कहां थीं मैम?

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तीखा तंज कस दिया है। उन्होंने वित्त मंत्री से सीधे सवाल किया कि जब देश की अर्थव्यवस्था चुनौतियों का सामना कर रही थी, तब वह कहां थीं। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी का बयान सीतारमण के उस ट्वीट के जवाब में आया है, जिसमें वित्त मंत्री ने मोदी सरकार द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया था।

शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, हालेलुया! हमारी वित्त मंत्री वापस आ गई हैं! देश जानना चाहता था कि जब डॉलर मजबूत हो रहा था (ध्यान दें, मैंने यह नहीं कहा कि रुपया कमजोर हो रहा था), जब प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और संस्थागत विदेशी निवेशक (एफआईआई) नदारद थे, जब शेयर बाजार धराशायी हो रहा था और सोना-चांदी खरीदना मना हो गया था, तब मैम कहां थीं?

यह तंज वित्त मंत्री सीतारमण के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 2014 से सरकार अपनी नीतियों से समाज के हर वर्ग किसान, गरीब, महिलाएं, युवा और एमएसएमई की सेवा कर रही है, और वे उनके शासन ढांचे के मूल केंद्र में हैं।

इस दौरान सीतारमण ने कांग्रेस से पूछा था कि क्या 58 करोड़ जनधन खाते, 57 करोड़ मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम इंटर्नशिप योजना, ई-श्रम कार्ड, जी राम जी अधिनियम (जो बिना किसी रिसाव के 125 दिनों का रोजगार देता है), आयुष्मान भारत, 9 करोड़ से अधिक पीएम किसान संवितरण, लखपति दीदी/ड्रोन दीदी योजनाएँ और ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती जैसे कदम अडानी/अंबानी के लिए हैं या गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए।

उन्होंने पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, 1 करोड़ स्वनिधि खाते, उर्वरकों पर अंतरराष्ट्रीय कीमतों का बोझ किसानों पर न डालने, एमएसएमई के लिए ईसीएलजीएस 5.0, कृषि ऋण वृद्धि और एमएसएमई ऋण वृद्धि जैसे कदमों का भी हवाला दिया, यह दर्शाने के लिए कि मोदी सरकार का ध्यान समाज के वंचित और मध्यम वर्गों पर केंद्रित है। यह राजनीतिक बयानबाजी आगामी चुनावों से पहले एक-दूसरे पर निशाना साधने की रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है।

पीएम मोदी की तारीफ कर पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने विपक्ष में डाली फूट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) गुट के प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं का समर्थन कर कहा है कि राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर देश के सम्मान को सर्वोपरि रखना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस, पीएम मोदी की विदेशी यात्राओं की कड़ी आलोचना कर रही हैं, लेकिन पवार के बयान से विपक्ष की एकता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। एक कार्यक्रम में पवार ने स्पष्ट किया कि भले ही उनके राजनीतिक विचार अलग हों, लेकिन जब देश के बाहर भारत की प्रतिष्ठा की बात होती है, तब सभी को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन जब देश के सम्मान की बात आती है, तब राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रीय हित में काम करने के मौके पर दलों को भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने के साझा उद्देश्य के साथ आना चाहिए। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) गुट के प्रमुख पवार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह का उदाहरण दिया, जिन्होंने अपने नेतृत्व में देश के भविष्य और प्रतिष्ठा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी यह टिप्पणी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की चल रही पांच देशों की यात्रा की आलोचना करने के तुरंत बाद आई है। राहुल गांधी ने कहा था कि इस संकट के समय में प्रधानमंत्री मोदी लोगों से विदेश यात्रा न करने की अपील कर रहे हैं, जबकि वे स्वयं दुनिया घूम रहे हैं। एक प्रमुख विपक्षी नेता द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में दिए गए बयान ने निश्चित रूप से समूचे विपक्ष की एकजुटता और साझा रणनीति पर नए सिरे से चर्चा छेड़ दी है, खासकर तब जब आगामी चुनावों के मद्देनजर विपक्षी मोर्चा बनाने की कवायद चल रही है।

डिटेक्शन और डिलीशन का काम हो चुका पूरा अब डिपोर्टेशन का होगा शुरू

-बंगाल में अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने को लेकर सीएम अधिकारी बोले

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से कथित अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने को लेकर सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि वोटर लिस्ट से डिटेक्शन और डिलीशन का काम पहले ही हो चुका है और डिपोर्टेशन जल्द ही शुरू होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनगणना की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार ने देरी की थी। शुभेंधु ने कहा कि पहले हमने वोटर लिस्ट में अवैध निवासियों का पता लगाया, फिर हमने उन्हें लिस्ट से हटा दिया और अब उन्हें देश से निकालने का समय आ गया है। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई समय-सीमा नहीं बताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने कहा कि मैं डरने वाला, झुकने वाला आदमी नहीं हूं, डराने का काम करने का कोई जरुरत नहीं है। बीजेपी ने जो कमिटमेंट दिया है, वो पूरा करने का काम बीजेपी का सीएम करेगा। राष्ट्र प्रथम है, देश को सुरक्षित रखने का काम बीजेपी करेगी। सीएम अधिकारी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि मेरे सीएम बनने से यहां टीएमसी, सीपीएम और कांग्रेस तनाव में हैं और अशांति पैदा कर रहे हैं, लेकिन इन सबसे कहीं ज्यादा तनाव और परेशानी बांग्लादेश के लोगों, विशेषकर वहां के जमात संगठन को हो रही है। उन्होंने विरोधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि मुझे डराने की कोशिश करने की जरूरत नहीं, क्योंकि सरकार के लिए देश पहले है और भाजपा इस देश को पूरी तरह ठीक करने का काम करेगी।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि उन्होंने म्युनिसिपल सेक्रेटरी और कमिश्नर को चार विशिष्ट नाम दिए हैं, जिन्होंने बंगाल को जमकर लूटा है। उन्होंने इन चारों व्यक्तियों की कुल संपत्ति का विवरण मांगते हुए उनके खिलाफ कानूनी जांच शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सीएम अधिकारी ने पार्क सर्कस में पुलिस पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि बिना स्वीकृत बिल्डिंग प्लान के किए गए अवैध निर्माणों जैसी अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगर कोई पुलिस पर पत्थर फेंकने की हिम्मत करेगा, तो बीजेपी उसे उचित सबक सिखाएगी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों पर न्याय का भरोसा दिया। अधिकारी ने ऐलान किया है कि आरजी कर अस्पताल से लेकर कामदुनी, पार्क स्ट्रीट, कस्बा लॉ कॉलेज और बोगतुई तक महिलाओं के खिलाफ किए गए अत्याचार के हर एक मामले की कड़ी कानूनी जांच की जाएगी और दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

ममता बनर्जी का बड़ा दावा : दिल्ली की सत्ता से जल्द हटेगी भाजपा सरकार

-बुलडोजर संस्कृति के खिलाफ आंदोलन चलाने का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी विधायकों की बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि आने वाले दिनों में भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटा दिया जाएगा। राज्य के हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिसके साथ ही राज्य में पिछले 15 सालों से चला आ रहा तृणमूल कांग्रेस का शासन समाप्त हो गया है। इस हार के बाद भी टीएमसी नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के खिलाफ उनकी राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में नई सरकार के आने के बाद से अल्पसंख्यक समुदायों और सड़क किनारे दुकान लगाने वाले हॉकर्स को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तथाकथित तानाशाही और बुलडोजर संस्कृति के कारण जनता में रोष बढ़ेगा, जो अंततः केंद्र की सरकार को सत्ता से बाहर कर देगा। इसके विरोध में टीएमसी ने कोलकाता, बालीगंज, हावड़ा जंक्शन और सियालदह रेलवे स्टेशन के आसपास बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है। उन्हें उम्मीद है कि यह जन-आंदोलन भाजपा के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी माहौल तैयार करेगा।

बैठक में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी वर्तमान मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला। उन्होंने साफ किया कि केंद्रीय एजेंसियों के नोटिस या दंडात्मक कार्रवाइयों के आगे वे झुकने वाले नहीं हैं और भाजपा के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रहेगा।

दूसरी तरफ, चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य के कई हिस्सों से हिंसा, आगजनी और झड़पों की खबरें आई हैं। इस मामले में टीएमसी ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव परिणामों के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं और उनके कार्यालयों को निशाना बनाया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ममता बनर्जी खुद वकील की पोशाक पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अदालत में पेश हुईं। उन्होंने अदालत से मांग की है कि प्रभावित कार्यकर्ताओं को तुरंत सुरक्षा दी जाए और इस पूरी हिंसा की कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराई जाए। उल्लेखनीय है कि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक बहुमत के साथ राज्य में अपनी सरकार बनाई है, जबकि सत्ताधारी टीएमसी केवल 80 सीटों पर सिमट गई है। इस राजनीतिक उलटफेर के बाद राज्य में माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है।

अल-नीनो ने दिखाया असर तो मानसून होगा कमजोर, मंडरा रहा खतरा

-चावल और अन्य खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई, गर्मी और मौसम की मार झेल रहे लोगों के सामने अब एक और बड़ा खतरा मंडराने लगा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल अल-नीनो का असर भारतीय मानसून को कमजोर कर सकता है, जिससे चावल और अन्य खरीफ फसलों के उत्पादन पर असर पड़ सकता है। खासतौर पर यूपी, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में स्थिति चिंताजनक हो सकती हैं, जहां बड़ी आबादी का मुख्य भोजन चावल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में सामने आया है कि अल-नीनो वाले सालों में देश के कई जिलों में खरीफ फसलों की पैदावार में भारी गिरावट आई थी। अध्ययन के मुताबिक पिछले अल-नीनो वर्षों के दौरान 77 जिलों में चावल का उत्पादन 10 फीसदी से ज्यादा घट गया था। वहीं मक्का उत्पादन भी 65 जिलों में गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। इसके अलावा ज्वार और बाजरा जैसी फसलों की पैदावार में भी कई जिलों में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक अल-नीनो की स्थिति तब बनती है जब प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इसका सीधा असर भारतीय मानसून पर पड़ता है और बारिश कम होती है। मानसून कमजोर होने से खरीफ सीजन की खेती प्रभावित होती है, जिससे धान, मक्का और अन्य फसलों का उत्पादन घट जाता है। यह अध्ययन 2023 में प्रकाशित हुआ था, जिसमें 2002, 2004 और 2009 जैसे प्रमुख अल-नीनो वर्षों का विश्लेषण किया गया।

अध्ययन में पाया कि आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा के कई जिलों में धान की पैदावार में उल्लेखनीय कमी आई थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि इस साल भी अल-नीनो का प्रभाव रहा तो खरीफ फसलों के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है। इसी बीच उत्तर भारत में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जबकि आने वाले दिनों में इसके 45 डिग्री तक जाने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे हालात में यदि मानसून कमजोर रहता है तो खेती और जल संसाधनों दोनों पर दबाव बढ़ सकता है। आईसीएआर के कृषि भौतिकी विभाग से जुड़े वैज्ञानिकों का मानना है कि सरकार को अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। सूखा सहन करने वाली फसल किस्मों को बढ़ावा देना, किसानों को मौसम आधारित सलाह उपलब्ध कराना, सिंचाई व्यवस्था मजबूत करना और जिला स्तर पर वैकल्पिक रणनीतियां तैयार करना बेहद जरूरी होगा। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण अल-नीनो जैसी घटनाएं अब ज्यादा देखने को मिल रही हैं, इसलिए पारंपरिक खेती पद्धतियों में बदलाव समय की मांग बन चुका है। किसानों की चिंता इस बात को लेकर भी है कि यदि समय पर पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो धान की बुवाई और उत्पादन दोनों प्रभावित होंगे।

एक महीने में ही टूटे सीवर मैनहोल के ढक्कन, गुणवत्ता पर उठे सवाल

हथीन। शहर के वार्ड नंबर-5 में एक माह पूर्व लगाए गए सीवर लाइन के मैनहोल के ढक्कन टूटने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। फिरनी रोड़ पर जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से हाल ही में लगाए गए ये ढक्कन अब जगह-जगह से टूट चुके हैं, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी के साथ-साथ हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार, एक माह पहले नागरिकों की शिकायतों के बाद जन स्वास्थ्य विभाग की निर्माण विंग ने वार्ड नंबर-5 में सीवर मैनहोलों के ढक्कन लगाए थे। लेकिन बेहद कम समय में ही इन ढक्कनों का टूट जाना कार्य की गुणवत्ता और निर्माण एजेंसी की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटिया सामग्री के उपयोग के कारण यह स्थिति बनी है। भाजपा हथीन मंडल के महामंत्री सुधीर कुमार आर्य ने कहा कि मैनहोलों के ढक्कन बार-बार टूटने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने और तुरंत मजबूत ढक्कन लगाए जाने की मांग की है। स्थानीय निवासियों ने भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया, जिससे एक महीने के भीतर ही यह स्थिति पैदा हो गई। लोगों ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो, इसके लिए निर्माण कार्य की निगरानी सख्त की जाए। मामला मेरे संज्ञान में आया है और जल्द ही संबंधित मैनहोलों पर नए स्लैब डालकर मरम्मत की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

हथीन की 47 सड़कों की जिम्मेदारी जिला परिषद को

हथीन। क्षेत्र में सड़क सुधार कार्यों को लेकर बड़ा निर्णय लिया गया है। अब क्षेत्र की 47 सड़कों की जिम्मेदारी जिला परिषद को सौंपी जाएगी, जबकि इनमें से करीब एक दर्जन सड़कों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इस पर पांच करोड़ रुपये से अधिक का बजट खर्च किया जाएगा। स्थानीय विधायक मोहम्मद इसराइल चौधरी ने बताया कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा ताकि सड़कें लंबे समय तक टिकाऊ रहें। विधायक ने कहा कि हथीन क्षेत्र में ग्रामीण और शहरी विकास कार्यों पर लगभग 75 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जा रहा है।

100 से 300 रुपये प्रति घंटा शुल्क, सुरक्षा जीरो; मासूम की मौत ने उठाए सवाल

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। वजीराबाद के जगतपुर गांव में अवैध रूप से संचालित स्विमिंग पूलों की लापरवाही एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां 100 से 300 रुपये प्रति घंटा शुल्क लेकर कई स्विमिंग पूल चलाए जा रहे हैं। पर, इनमें न प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर हैं, न लाइफगार्ड है, न लाइफ जैकेट और न ही पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम हैं। 10 वर्षीय संस्कार वर्मा की मौत के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संस्कार के पिता नीरज वर्मा का कहना है कि यदि पूल पर सुरक्षा गार्ड या प्रशिक्षित कर्मचारी मौजूद होते तो शायद उनका बेटा आज जीवित होता। उन्होंने सवाल उठाया कि उनका बेटा गहरे पानी में कब पहुंचा, इसकी जानकारी किसी को क्यों नहीं हुई? हादसे की सूचना मिलने के बाद जब संस्कार के परिजन और स्थानीय लोग मिलन विहार स्थित पूल पहुंचे, तो कथित तौर पर वहां मौजूद प्रभावशाली लोगों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। संस्कार के पिता नीरज वर्मा ने बताया कि वह दोस्तों के बच्चों के साथ स्विमिंग के लिए गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना सुरक्षा मानकों के अवैध तरीके से स्विमिंग पूल संचालित किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों की जान खतरे में पड़ रही है। परिवार ने निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय निवासी भी बताते हैं कि पूल संचालकों का क्षेत्र में दबदबा है। उनका भी कहना है कि हादसे के बाद उन्होंने लोगों को पूल के आसपास जाने से भी रोका। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में तीन से चार स्विमिंग पूल अवैध रूप से संचालित किए जा रहे हैं। इन पूलों के लिए बड़े पैमाने पर बोरवेल लगाए गए हैं फिर भी प्रशासन ने आंखें मूंद रखी हैं। लोगों का आरोप है कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण लोगों की जान जोखिम में डाली जा रही है। संस्कार की मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पिता नीरज ने बताया कि शनिवार रात काफी आग्रह के बाद उनके दोस्त महेंद्र बच्चों को स्विमिंग के लिए साथ ले जाने को तैयार हुए थे। पहले बच्चों का जाने का कोई कार्यक्रम नहीं था। दोनों बेटों के लिए 500 रुपये शुल्क भी जमा कराया गया था। अब नीरज उसी फैसले को याद कर खुद को कोस रहे हैं। दिल्ली के वजीराबाद स्थित जगतपुर गांव के मिलन विहार में रविवार सुबह अवैध रूप से चलाए जा रहे स्विमिंग पूल में डूबकर 10 साल के मासूम की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त संस्कार वर्मा (10) के रूप में हुई है। रविवार को सुबह संस्कार छात्रा के एक समूह के साथ निजी स्विमिंग पूल में नहाने के लिए आया था। इस बीच वह गलती से गहरे पूल में गया और डूब गया। कुछ ही देर बाद बड़े लड़के जब पूल में नहाने के लिए उतरे तो उन्होंने पूल के तली में संस्कार को डूबे हुए देखा। शोर मचाने पर फौरन उसे पूल से निकालकर नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे सिविल लाइंस स्थित ट्रामा सेंटर भेजा गया, वहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सस्ते सूट-साड़ी के विज्ञापन दिखाकर ठगी

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने फेसबुक पर फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों से ऑनलाइन ठगी करने वाले गैंग का खुलासा करते हुए एक जालसाज को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन और दो सिम बरामद किए हैं। आरोपी लोगों को ब्रांडेड सूट और साड़ियों के नाम पर भारी डिस्काउंट का लालच देकर पैसे ऐंठता था। पैसे मिलने पर पीड़ित का नंबर ब्लॉक कर देता था। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि 18 अप्रैल एक महिला ने शाहदरा साइबर सेल ने ठगी की शिकायत की थी कि उसने फेसबुक पर विज्ञापन देखकर उसने सूट और साड़ी खरीदने के लिए ऑनलाइन ऑर्डर किया था। आरोपियों ने बुकिंग और डिलीवरी के मद में कई बार पैसे लिए। जालसाजों ने उससे करीब 50 हजार रुपये ट्रांसफर करवाए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। तकनीकी जांच और डिजिटल सर्विलांस से पता चला कि गैंग अलवर राजस्थान के लोहारवाड़ी गांव से ठगी को अंजाम दे रहा है। पुलिस टीम लगातार निगरानी कर मुख्य आरोपी 33 साल के सरूप खान को गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट में लगी हथिनी के रिलीज की याचिका, पुलिस ने एफआर लगाई

साहिबाबाद (गाजियाबाद)। टीलामोड़ के असालतपुर निवासी गयूर अली की 17 वर्ष पहले चोरी हुई हथिनी गोयनी के मामले में टीलामोड़ पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट (एफआर) लगा दी है। वहीं मामले की कोर्ट में पैरवी कर रहे अधिवक्ता दिलशाद चौधरी के अनुसार पुलिस की रिपोर्ट में हथिनी के गुजरात में होने की पुष्टि हुई है। कोर्ट में रिपोर्ट पेश होने के बाद सेशन कोर्ट में हथिनी के रिलीज की अर्जी लगी हुई है। हथिनी गोयनी का मामला दिन-प्रतिदिन नए मोड़ ले रहा है। गयूर अली ने साल 2000 में बिहार के सोनपुर हाथीसार के मेले से 2.50 लाख रुपये में हथिनी खरीदी थी। एक जनवरी 2008 को उनकी हथिनी चोरी हो गई थी। उन्होंने इसके बाद पुलिस से मदद मांगी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब उन्होंने खुद तलाश शुरू की और यूट्यूब वीडियो की मदद से जम्मू-कश्मीर में हथिनी को ढूंढ निकाला। पीड़ित ने 6 अक्तूबर 2022 को कोर्ट में अपील कर न्याय की गुहार लगाई। हालांकि निचली अदालत ने अपील को खारिज कर दिया। तब पीड़ित पक्ष की पैरवी कर रहे अधिवक्ता दिलशाद चौधरी ने सत्र न्यायालय में याचिका लगाई और सुनवाई के बाद न्यायालय के निर्देश पर निचली अदालत ने मामले में मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। 27 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के नरवाल मंडी निवासी लक्ष्मण और लक्की के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। अधिवक्ता दिलशाद चौधरी के अनुसार इस मामले की जांच जब शुरू हुई तब पता चला कि हथिनी गुजरात स्थित एक पशु पार्क में है। जांच में यह भी सामने आया कि हथिनी को सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पार्क की जिम्मेदारी पर सौंपा गया था। जब पुलिस की यह रिपोर्ट कोर्ट में पेश हुई तब पहले उन्होंने निचली अदालत में हथिनी के रिलीज और मामले के रिवीजन की याचिका लगाई लेकिन सुप्रीम कोर्ट का आदेश होने की वजह से याचिका को सेशन कोर्ट में लगाया गया है। वहीं एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मामले में एफआर लगा दी गई है।

बैंक खाता फ्रीज करना जीवन के अधिकार में बाधा, अदालत ने एक याचिका पर सुनवाई में की टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि बैंक खाता व्यक्ति के आर्थिक अस्तित्व का मूल है और बिना किसी आरोप, एफआईआर या न्यायिक आदेश के इसे फ्रीज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की। याचिकाकर्ता का प्राइवेट बैंक में खाता नवंबर 2024 में गुजरात साइबर क्राइम पुलिस की शिकायत पर फ्रीज कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा, बैंक खाता फ्रीज करना व्यक्ति के जीवन के अधिकार में बाधा डालता है। अदालत ने बैंक को याचिकाकर्ता का खाता तुरंत अनफ्रीज करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति कौरव ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता से किसी अपराध से जुड़ाव का कोई सबूत न होने पर खाता फ्रीज करना पूरी तरह से मनमाना और कानून की नजर में अस्थिर है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि बिना किसी ठोस आधार या कानूनी प्रक्रिया के बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि यह व्यक्ति की आजीविका और आर्थिक स्वतंत्रता को प्रभावित करता है। याचिकाकर्ता ने गुजरात साइबर क्राइम पुलिस की शिकायत के आधार पर बिना नोटिस या सुनवाई दिए अपने खाते को फ्रीज किए जाने को चुनौती दी थी। कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं थी और न ही कोई अदालती आदेश था। इस फैसले से उन हजारों लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है जिनके खाते साइबर फ्रॉड या अन्य शिकायतों के आधार पर बिना उचित प्रक्रिया के फ्रीज कर दिए जाते हैं।

NAME CHANGE
I, SUKDEV MANDAL S/O SHRIMANTA MANDAL R/O 1915/18F, Tower-Orchid, SKA Green Arch, Sector -16B, Greater Noida Uttar Pradesh - 201301 have changed the name of my minor son Svanaya Singhal aged 4 years and he shall hereafter be known as SWANAY SHAURYA.

NAME CHANGE
It is for general information that I PRADEEP S/O PRATAP SINGH R/O C-612 GALI NO-5 AGAR NAGAR PREM NAGAR-3 KIRARI SULEMAN NAGAR PO: SULTANPURI C BLOCK DIST: NORTH WEST DELHI DELHI-110086 declare that name of mine has been wrongly written as PARDEEP KUMAR in my minor daughter namely ADITI aged 17 years in 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine is PRADEEP which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Tasawwur Hussain Siddiqui S/O Tahawar Husain Siddiqui R/O Upper Ground Floor, Blue Sky Apartment, 1-153, I Block, Gali No. 11, Garhwali Mohalla, Sector 62 PO: Laxmi Nagar East Delhi, Delhi, 110092, declare that name of my father has been wrongly written as Rhawwur Husain Siddiqui in my passport no P4570533, and name of my father has been wrongly written as Tahawwur Hussain Siddiqui in my Driving license no DL O620110095703 AND name of my father has been wrongly written as Nazmeen Sultana in my Aadhar card no 3241 6021 4065,The actual name of my father is TAHAWAR HUSAIN SIDDIQUI, respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती मंजू सिंघल, श्री नंद किशोर पुत्र श्री रंजीत सिंह से आवासीय संपत्ति अर्थात फ्लैट नं. B-65, ग्राउंड फ्लोर, रियर पोर्शन, बिना छत अधिकार सहित, क्षेत्रफल 770 वर्ग फुट, जो कि प्लॉट नं. B-65, क्षेत्रफल 444 वर्ग गज, रेक्ट नं. 08, किला नं. 10/1 मिन एवं 10/2 मिन, राजस्व संपदा ग्राम पल्ला, कॉलोनी अशोका एन्क्लेव पार्ट-2, तहसील एवं जिला फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है, खरीदने का इरादा रखती हैं। उक्त संपत्ति के स्वामी श्री नंद किशोर हैं, जिन्हें उक्त संपत्ति का अधिकार श्री विजय कुमार पुत्र श्री ए.एस. बालकृष्णन द्वारा दिनांक 08.10.2012 को निष्पादित जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल, वसीयतनामा एवं स्पेशल पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से प्राप्त हुआ है। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ग्रहणाधिकार, चार्ज अथवा किसी भी प्रकार के दावे से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा – नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति अथवा दावा हो, तो वह इस नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपना लिखित आपत्ति-पत्र अधोहस्ताक्षरी को रजिस्टर्ड डाक द्वारा नीचे दिए गए पते पर तथा ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें। निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का दावा निरस्त एवं शून्य माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, LALIT KUMAR MISHRA S/O KEDARNATH MISHRA R/O Flat No 102, FF-202, JS Roop Homes, Swa Bisrakh Greater Noida West Sector-1, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201318 have changed the name of my minor daughter SUNITA KUMARI aged 13 years and she shall hereafter be known as RADHA KUMARI.

NAME CHANGE
I BIMLA W/0 Rameshwar Dayal R/0 flat No -A/1003 Satyam Plot No 5 sector-18A Dwarka Delhi 110078 Changed my name to MAMTA BUDHIRAJA

NAME CHANGE
I SHERISH NOOR W/0 Nawabuddin R/0 814 Chatta Shekh Mangloo Jama Masjid Delhi 110006 Changed my name to SHERISH NAWAB

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR S/o Ram Kishan Malik R/o 308, Street No.6, Jwala Nagar, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name to SUNIL KUMAR MALIK permanently

Public Notice
I, Chetpat Aryama Sundaram, R/o 138, Jor Bagh, New Delhi - 110003, hereby notifies that the entire file containing the original documents of my property bearing Unit No. PSP C-04-009 in The Palm Spring Plaza, Village: Wazirabad, Sector-54, Gurgaon – 122003, Haryana have been completely destroyed in a fire accident occurred at Jorbagh house on 01-Jul-2025. The original documents includes Conveyance Deed, Buyer's Agreement, Allotment Letter, all payment receipts, Unit Handover Letter, Unit Change Letter & other related documents.

NAME CHANGE
I, hitherto known as LAL MOHD S/O MOHD ISRAIL R/O 884/6, WARD NO-6, MEHRAULI, DELHI-110030 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD SOHAIL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, AMITA W/o Nirmal prasad ,R/o 16/127-E Baba Nagar Central Delhi-110005, I have changed my name from AMITA to ANITA permanently.

NAME CHANGE
I, PRIYA GOYAL W/o Ajay Mittal ,R/o A-84,Top Floor,Near Deepali Chowk,Saraswati Vihar,Pitampura Delhi-110034, I have changed my name from PRIYA GOYAL to PRIYA MITTAL permanently.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHEFALI, D/o YOGESH KUMAR SHARMA, R/o H.NO-173,174, GALI.NO-10, NEAR-OK MODEL SCHOOL, LAXMI VIHAR, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, PO-D.K MOHAN GARDEN, DISTT-WEST DELHI, DELHI-110059, declare that name of my father has been wrongly written as YOGESH SHARMA in my 10th and 12th Class Educational Documents, PAN-Card No.UFJPS4090L and Voter Card No-SBJ8942625. The actual name of my father is YOGESH KUMAR SHARMA respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VIKAS CHHIKARA S/O RAJBIR SINGH resident of H NO-361/7 A GALI NO-11 DHARM VIHAR BAHADURGARH JHAJJAR HARYANA-124507 have changed my name to VIKAS KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MANPREET KAUR W/O RAJESH SAINI residing at H NO-152/1A, WEST AZAD NAGAR, GALI NO-12, NEW DELHI-110051 have changed my name to MEENU SAINI for all future purposes.

NAME CHANGE
It is general information that I SHARVAN PASWAN S/O RAJ KUMAR PASWAN R/O W Z - 553 , W.Z - Block , Naraina Village , South West Delhi , Delhi - 110028 declare that the name of mine and my daughter has been wrongly written as SHARWAN KUMAR PASWAN and KAMINI KUMARI in my minor daughter namely KAMNI KUMARI aged 15 years in her school record, and name of mine and my daughter has been wrongly written as SARWAN PASWAN and KAMINI KUMARI in her Aadhar No. 9443 9108 0683 and name of mine has been wrongly written as SHARWAN KUMAR PASWAN in her Birth Certificate MCDOLIR-0111-0046671460 . The actual name of mine and my minor daughter are SHARVAN PASWAN and KAMNI KUMARI respectively , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, PANKAJ UPADHYAY S/o SATYA VEER UPADHYAY , Residing at 1/1850, Banke Bihari Gali, Mansarovar Park, Shahdara , North East Delhi , Delhi - 110032 have changed the name of my minor Son DARSH aged 13 Year and he shall hereafter be known as DARSH UPADHYAY .

NAME CHANGE
It is for general information that I KIRAN W/o Late LALIT KUMAR R/o House No. – 35/1/2 Block – E , Gali No. – 4 , Durga Mandir , Rama Vihar , Mohammad Pur Majri , North West Delhi , Delhi - 110081 declare that the name of my husband has been wrongly written as LALIT in my minor son namely HARSHIT aged 14 years in his School Record. The actual name of my husband is LALIT KUMAR Which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल हमारी ग्राहक श्रीमती प्रेम वती पत्नी स्वर्गीय श्री चंदर भान 75 वर्ग गज (अर्थात 62.7 वर्ग मीटर) क्षेत्र की फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित संपूर्ण निर्मित तीसरी मंजिल (छत के साथ) की पूर्ण मालिक हैं, जो नगरपालिका संख्या 3047/225 (पुराना प्लॉट संख्या 20-बी) गली संख्या 225 पर निर्मित है, जो ग्राम चौकरी मुबारकाबाद कॉलोनी के क्षेत्र में स्थित है जिसे चंदर नगर के नाम से जाना जाता है। (ओंकार नगर), त्रि नगर, दिल्ली-110035। विभाजन विलेख दिनांक 18.09.2021 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 12917, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 10122, पृष्ठ 10-21 पर, दिनांक 18.09.2021 को एसआर-VI ए, दिल्ली/नई दिल्ली में। श्रृंखला में नीचे उल्लिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं यानी (1) विक्रय विलेख दिनांक 22.08.1972 की प्रतिलिपि, दस्तावेज़ संख्या 1376 के रूप में, (2) अनुबंध दिनांक 19.06.1974 की प्रतिलिपि, (3) स्वर्गीय श्री माई धन का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, (4) पंजीकृत वसीयत का प्रोबेट आदेश दिनांक 24.07.1985, (5) स्वर्गीय श्री का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी फकीर चंद, (6) स्वर्गीय श्री चंदर भान का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और बेची गई संपत्ति सुश्री शिल्पा कर पुत्री श्री मलाया कर की है और इसका वित्त पोषण पीरामल फाइनेंस लिमिटेड शाखा- लोनी गाजियाबाद उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, hitherto Known as RINKU S/O KRISHNA KUMAR R/O F5/1303, Ecovillage-1, Supertech Sector-1, Greater Noida West, Bishrakh, Dist-Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201306 have changed my name and shall hereafter be known as RINKU KUMAR SINGH.

NAME CHANGE
I SHRI NIWAS S/0 Ram Singh R/0 J -87 2nd Floor Kirti Nagar Delhi 110015 Changed my name to SHRI NIWAS SHARMA

NAME CHANGE
I,Ritika D/o Subhash Chandra R/o U-166, 3rd floor, near by Sanjay Drycleaner, Upadhyay Block, shakarpur East Delhi, Delhi- 110092 have changed my name to Ritika Saxena.

NAME CHANGE
I DARSH AGARWAL S/O KUSHAGRA AGARWAL R/O M 42 MERRONIER GARDENIA STREET NEAR OMAXE MALL, VATIKA CITY SECTOR-49 SOUTH CITY II GURGAON HARYANA-122018 I HAVE CHANGED MY NAME TO DARSHH K AGARWAL ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I HARI OM AGARWAL S/O KUSHAGRA AGARWAL R/O M 42 MERRONIER GARDENIA STREET NEAR OMAXE MALL, VATIKA CITY SECTOR-49 SOUTH CITY II GURGAON HARYANA-122018 I HAVE CHANGED MY NAME TO HARIOM AGARWAL ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SWEETYSINGH wife of No.-15226590X, Rank-HAV, Name-SATENDER SINGH residing at VILL-BARA SIRSA, POST-RAJPUR KALAN, THANA–ALIGANJ, TEHSIL-AONLA, DIST-BAREILLY, UTTAR PRADESH-243302, have changed my name from SWEETYSINGH to KUMARI SWEETY SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 20/05/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुमन ठुकराल, निर्मित द्वितीय तल के बैक साइड हिस्से (टेरेस अधिकारों के बिना), क्षेत्रफल 81 वर्ग गज, निर्मित संपत्ति संख्या 27-B/1, गली नं. 1, खसरा नं. 599/92 से संबंधित, स्थित गोविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली-110019, को श्री तेजस्वी बब्बर से खरीदना चाहती हैं। श्री तेजस्वी बब्बर उक्त संपत्ति के स्वामी दिनांक 10.12.2019 की Relinquishment Deed एवं दिनांक 11.12.2019 की Gift Deed के माध्यम से बने। उन्होंने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित निम्नलिखित मूल दस्तावेज गुम/खो गए हैं- 1. विक्रय विलेख (Sale Deed) दस्तावेज संख्या 7063, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 11134, पृष्ठ संख्या 30-41, दिनांक 21.05.2011, पंजीकृत कार्यालय SR-V, नई दिल्ली; 2. जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA) दस्तावेज संख्या 5803, बुक संख्या 4, वॉल्यूम संख्या 3855, पृष्ठ संख्या 152-157, दिनांक 08.11.2011, पंजीकृत कार्यालय SR-V, नई दिल्ली; 3. विक्रय विलेख (Sale Deed) दस्तावेज संख्या 11598, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 12375, पृष्ठ संख्या 65-76, दिनांक 18.07.2013, पंजीकृत कार्यालय SR-V, नई दिल्ली; तथा 4. स्वर्गीय श्री विनोद कुमार का Surviving Member Certificate। उपरोक्त दस्तावेजों को खोजने के पर्याप्त प्रयास किए गए, किन्तु वे उपलब्ध नहीं हो सके। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन FIR bearing LR No. LR No: 316358/2026 दिनांक 20.05.2026 दर्ज कराई गई है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा- N-17, द्वितीय तल, विजय बिल्डिंग, बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHARVAN KUMAR MITTAL S/O PAVAN KUMAR R/O Flat No- F1 503, Supertech Eco Village-1, Sector-1, Greater Noida West, Bishrakh, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201306, have changed my name and shall hereafter be known as SHARVAN MIITTAL.

NAME CHANGE
I, NAZMA W/O ISLAM R/O HOUSE NO. 188, GALI NO. 10, NEAR NEW MOON SCHOOL, JAFRABAD, NEW SEELAMPUR, DELHI-110053, HAVE CHANGED MY NAME FROM NAZMA TO NAZMA ISLAM FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, MOHD NASEEM S/O MOHD SHAFI R/O HOUSE NO. C-130 ST. NO. 12, NEAR ZAMA MASJID, OLD MUSTAFABAD, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094, HAVE CHANGED MY WIFE NAME SPELLING FROM AMEERI BEGUM AND AMEERI TO AMEERI SIDDIQUE FOR ALL PURPOSES.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-JC698439K Rank-SUB Name-PABITRA ROY residing at VILL-KATHALBARI, PO-DOMOHANI, TEHSIL & DIST-JALPAIGURI, WEST BENGAL-735302, in my service records my father's (ANIL CHANDRA ROY) date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1950, instead of his correct date of birth as 20/02/1958, vide Affidavit dated 20/05/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-JC698439K Rank-SUB Name-PABITRA ROY residing at VILL-KATHALBARI, PO-DOMOHANI, TEHSIL & DIST-JALPAIGURI, WEST BENGAL-735302, in my service records my mother's (JAMUNA ROY) date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1955 instead of her correct date of birth as 09/04/1962, vide Affidavit dated 20/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NITIN KUMAR S/o SANTOSH KUMAR JAIN R/o H.NO.6, Todarmal Colony, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to NITIN JAIN permanently

NAME CHANGE
I PRADIP KUMAR S/O NATHU SINGH R/O H NO-D-161 STREET NO-51 MAHAVIR ENCLAVE PART-3 UTTAM NAGAR WEST DELHI-110059 HAVE CHANGED MY NAME to PRADEEP KUMAR

NAME CHANGE
I, NEHA W/o Romi Barmi R/o RZ-743, Gali No.4, Main Sagar Pur, Delhi-110046, have changed my name to NEHA BARMI permanently

NAME CHANGE
I, BHARAT TOMAR S/o Jogendra tomar ,R/o 107,Bulandshahar Road Near Bharat Dharmkanta,Shivalik Enclave,Chhapraula,Gautam Buddh Nagar uttar Pradesh-201009, have changed my name to YUVRAAJ CHAUDHARY permanently.

NAME CHANGE
I SIDDHANT S/O MANOJ SHARMA R/O H.NO 344, B-1, JAIN COLONY PIYAU WALI GALI BHAGYA VIHAR MUBARAK PUR DABAS DELHI 110081 have changed my name to SIDDHANT KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I PANKAJ S/O MANOJ SHARMA R/O 344-B/1 PIYAU GALI KALI MATA MANDIR BHAGYA VIHAR KANJHAWALA DELHI 110081 have changed my name to PANKAJ SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
It is for general information that I, Rhea Goyal Biological D/o Vivek Goyal and Parul Goyal R/o B-164, Vivek Vihar, Phase-1, Delhi, East Delhi, Delhi-110095 was adopted at the age 17 years by Amit Raniwala S/o Ashok Kumar Raniwala R/o House no. 43, Shankar Vihar, Near PSK, Vikas Marg, Karkardooma, PO: Shakarpur, Dist: East Delhi, Delhi - 110092 Vide Adoption Order application no. 01/2025 and F.No. 191/DCPU (East) / DWCD/ Step Parent Adoption/2025-26/ 319. Henceforth I may be known as Rhea Raniwala D/o Amit Raniwala for all future purpose.

NAME CHANGE
I MAHERIYA FALGUN PRAVINBHAI S/O PRAVINBHAI HIRABHAI MAHERIYA R/O 13, LANE - 9, FOREST LANE, SAINIK FARMS, NEW DELHI, DELHI. 110068 HAVE CHANGED MY NAME TO FALGUN P MAHERIYA

NAME CHANGE
I PRAVINBHAI HIRABHAI ROHIT S/0 HIRABHAI R/O 13, LANE - 9, FOREST LANE, SAINIK FARMS, NEW DELHI. HAVE CHANGED MY NAME TO PRAVINBHAI HIRABHAI MAHERIYA

NAME CHANGE
I DAKSHABEN PRAVINBHAI ROHIT W/O PRAVINBHAI HIRABHAI MAHERIYA R/O 13, Lane - 9, Forest Lane, Sainik Farms, New Delhi. CHANGED MY NAME TO DAKSHABEN PRAVINBHAI MAHERIYA

NAME CHANGE
I FARIDA KHANAM W/O ABDUL KHALID R/O A-82 GALI NO-4 NEAR JAMA MASJID CHAND BAGH KARAWAL NAGAR DELHI 110094 HAVE CHANED MY NAME TO FARIDA BEGUM

NAME CHANGE
I MANMIT SINGH S/O-ANOOB SINGH R/O-C-344 VIKAS PURI DELHI-110018 HAVE CHANGED MY NAME TO MANMEET SINGH.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Manju in respect of **Built-up Property Bearing no. WZ-401 which is Built on Freehold plot no. B-6 and B-7 land measuring 30 sq. yds., 25.1 sq. mtrs., Out of total land measuring 60 sq. yds., Part of Khasra no. 54/5/2, Situated in the abadi Known as raj Nagar-II, Palam Colony, area of Village Palam Delhi state, New Delhi.** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, VIKRANT S/O KRISHAN SINGH R/OA-504,FF,A-BLOCK,APPLE BLOSSOM SCHOOL,PALAM VIHAR, CHOMA (62), GURGAON, HARYANA-122017,HAVE CHANGED MY NAME TO VIKRANT AHLAWAT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, KARTIK SINGH DHAMI S/O JAMAN SINGH R/O NEAR SAI MANDIR,GALI NO-1,JATAV MOHALLA,VILLAGE BHARTHAL,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110077 HAVE CHANGED MY NAME TO KARTIK FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I, JAHAAN PAHOOJA S/O NEERAJ PAHUJA R/O FLAT-1002, TOWER-22, VIPUL GREENS,SOHNA ROAD, SECTOR-48,GURGAON-122018,HARYANA, I HAVE CHANGED MY NAME TO JAHAAN PAHUJA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SUPRIYA PAHOOJA W/O NEERAJ PAHUJA R/O FLAT-1002, TOWER-22, VIPUL GREENS, SOHNA ROAD, SECTOR-48, GURGAON-122018, HARYANA, I HAVE CHANGED MY NAME TO SUPRIYA PAHUJA FOR ALL FUTURE PURPOSES

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री ब्रह्मदेव साह की पत्नी श्रीमती अन्नामा श्रीमस, खसरा संख्या 40/11/2 में स्थित प्लॉट संख्या 75 और 76 के भाग, जिसका क्षेत्रफल 125 वर्ग गज है, के संबंध में, वो हस्टसल गांव, डिफेंस एन्क्लेव कॉलोनी, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-59 में स्थित है, पंजीकृत जीपीए दिनांक 23.06.2003 के आधार पर, जो एसआरओ-दिल्ली में विधिवत पंजीकृत है, दस्तावेज संख्या 29164, पुस्तक संख्या 4, पृष्ठ संख्या 23-24, दिनांक 23.06.2003, एटीएम और पंजीकृत वसीयत के अनुसार, श्री के.सी. द्वारा निष्पादित की गई है। श्री राम परशाद के पुत्र शर्मा द्वारा उक्त संपत्ति इरफान और उनके भाई रिजवान को बेची जानी है, और इसका वित्तपोषण एमएमएफनी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I, RAJ KUMAR YADAV S/O CHANDAR PRASAD YADAV Residing at - T - 4/60, East Mehram Nagar, New Delhi- 110037, PERMANENT ADDRESS - 6/7 Ps Colony Searsol Raniganj (M) Searsole Rajbari Barddhaman West Bengal-713358 have changed the name of my minor daughter namely PUSPA KUMARI aged 16 Years and she shall hereafter be known as PUSHPAM KUMARI.

Public Notice
It is for general information that I, MANOJ SHARMA S/O JAY PRAKASH R/O House Number 161, Sector 4, Shastri Nagar, Meerut, L.L.R.M. Med. college, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh-250004, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as MANOJ PANDIT and Sadhna in my minor daughter namely ARADHYA PANDIT aged 17 years in her 10th class educational document. The actual name of mine is MANOJ SHARMA and SADHNA SHARMA,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PUSHPA KANDARI alias PUSHPA RAWAT W/O ANAND SINGH D/O B S RAWAT R/O HOUSE NO-C-89 S-3, C-BLOCK, SHALIMAR GARDEN EXTENSION-2, PASONDA, GHAZIZBAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed my name and shall hereafter be known as PUSHPA KANDARI.

NAME CHANGE
I ANIL KUMAR SOOD S/O PREM CHAND SOOD R/O H.NO C-48 LAL QUARTER MINTO ROAD DELHI 110002 have changed my name to ANIL SOOD Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I PRITI GOYAL W/O KAPIL GOEL R/O 33/9, BHAT WALA OLD FARIDABAD HARYANA have changed my name to PRITI GOEL

NAME CHANGE
I Anita shekhar w/o. Ramesh Kumar, house No -510, ward no -31,New court road, Ashok vihar, Sonipat, po Sonipat, dist Sonipat State Haryana , PIN code no 131001,Have changed my name to Anita

NAME CHANGE
I SHIKANA W/O HASIM ANWAR R/o HOUSE NO -228 SECTOR -46 FARIDABAD HARYANA 121001. HAVE CHANGED MY NAME TO SAKINA ANWAR

NAME CHANGE
I RASHIQUA AKHTER W/O MIRZA FAISAL BAIG R/O 810 SHEESH MAHAL AZAD MARKET DELHI G P O NORTH DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO RASHIQUA

NAME CHANGE
I ARIF HUSAIN S/O ALTAF HUSAIN R/O H NO-31, GALI NO-1 OLD MUSTAFABAD DELHI, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO ARIF

NAME CHANGE
I,SNEHAL SHETE D/O PANDHARI NATH SHETE R/O 128,3RD FLOOR, KHASRA NO-140, GALI NO 3 SAKET NEB SARAI SOUTH DELHI 110068, CHANGED MY NAME TO SNEHAL PANDHARI NATH SHETE.

NAME CHANGE
I, REKHA P SHETE W/O PANDHARI NATH SHETE R/O K-28 MALIK FARM KAPASHERA MALIK PUR KOHI ALIAS RANG PURI SOUTH WEST DELHI 110037, CHANGED MY NAME TO REKHA SHETE.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **असलम, पुत्र अशरफ निवासी बृज विहार कॉलोनी, सुनहरी मस्जिद, मुराद नगर, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 154/2012, भा.द.सं. की धारा 380/411/34 के तहत, थाना देश बंधु गुप्ता रोड, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **असलम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **असलम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 154/2012, भा.द.सं. की धारा 380/411/34 के तहत, थाना देश बंधु गुप्ता रोड, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **असलम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.06.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री हर्षिता मिश्रा
एलडी. मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
केंद्रीय जिला, कमरा नं. 38, भूतल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-110054

DP/6578/CD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद दिलसाद पुत्र** जमालुद्दीन, **निवासी** मकान नं0 786, जमालपुरे, लोनी पोस्ट ऑफिस, लोनी जिला, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 65289/2024, U/S 411 IPC, पुलिस स्टेशन मुंडका, बाहरी जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद दिलसाद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद दिलसाद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 65289/2024, U/S 411 IPC, पुलिस स्टेशन मुंडका, बाहरी जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद दिलसाद** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.07.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव सिंगल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–06,
पश्चिम जिला, कमरा नं0–355,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6595/OD/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा विधान सभा के चौकीदार के निधन पर विस अध्यक्ष ने जताया गहरा शोक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा सचिवालय में कार्यरत चौकीदार रविन्द्र कुमार (50) के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। रविन्द्र कुमार का सोमवार शाम पंचकूला के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से किडनी संबंधी बीमारी के कारण उपचाराधीन थे। मूल रूप से यमुनानगर जिले के गांव तेलुपुरा निवासी रविन्द्र कुमार अपने पीछे पत्नी और तीन बेटियां छोड़ गए हैं।

विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि रविन्द्र कुमार विधान सभा परिवार के एक समर्पित एवं कर्मठ सदस्य थे। उनके निधन से सचिवालय को अपूरणीय क्षति पहुंची है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में हरियाणा विधान सभा सचिवालय परिवार पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ा है। विधान सभा अध्यक्ष ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

फार्मेसी की परीक्षा में आठ कॉलेजों के 300 से अधिक विद्यार्थी आए

सोनीपत। पंडित बीडी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक की ओर से संचालित बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी.फार्मेसी) पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो गई। पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ, कामी रोड परिसर में स्थित पूर्ण मूर्ति कॉलेज ऑफ फार्मेसी में बनाए गए परीक्षा केंद्र में सोनीपत के आठ कॉलेजों के 300 से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा संचालन प्रक्रिया में शामिल यूनिवर्सिटी व कॉलेज की टीमों ने नकल रहित परीक्षा संचालन के लिए सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली मूर्ति विद्यापीठ के चेयरमैन डा.विजयपाल नैन ने बताया कि यह विश्वविद्यालय प्रशासन ने कैंपस में मौजूद सुविधाओं को देखते हुए एक बार फिर से परीक्षार्थियों के लिए यहां परीक्षा केंद्र बनाया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन के मार्गदर्शन में हमारी टीम सेमेस्टर परीक्षाओं के सफल आयोजन को लेकर पूरी सावधानी बरत रही है। नकल रहित परीक्षा संचालन को लेकर परीक्षा केंद्र में पुख्ता व्यवस्था किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे से भी कड़ी निगरानी की जा रही है ।

हिसार में सीएम फ्लाइंग का निजी स्कूल पर छापा, मिली खामियां

हिसार। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही चिराग योजना में अनियमितताओं की शिकायत मिलने के बाद सीएम फ्लाइंग टीम जिले के गांव भिवानी रोहिल्ला स्थित एक निजी स्कूल में औचक निरीक्षण कर गहन जांच की। जांच के दौरान रिकॉर्ड में गड़बड़ी, अभिभावकों से शुल्क वसूली तथा बच्चों के साथ भेदभाव जैसे कई मामले सामने आए हैं। टीम ने पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही है। सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में शिक्षा विभाग के प्रिंसिपल अजय कुमार, पीजीटी विनीता, एसआई कृष्ण, एएसआई सुरेंद्र तथा एचसी जितेंद्र भी शामिल रहे। जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग टीम को सूचना मिली थी कि गांव भिवानी रोहिल्ला स्थित कैंब्रिज पब्लिक स्कूल में सरकार की चिराग योजना के तहत दाखिल किए गए बच्चों के मामले में नियमों की अनदेखी की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद टीम शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ स्कूल पहुंची और रिकॉर्ड, फीस रजिस्टर तथा अन्य दस्तावेजों की गहनता से जांच की।

मानेसर निगम क्षेत्र में जनगणना में कोताही पर 11 कर्मचारियों पर एफआईआर

गुरुग्राम। मानेसर नगर निगम क्षेत्र में जनगणना के काम में कोताही बरतने वाले 11 कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज करवाई गई है। नगर निगम मानेसर के आयुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि जनगणना के कार्य को गंभीरता से लें। इस काम में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त ने निगम के संयुक्त आयुक्त और जनगणना के नोडल अधिकारी पुनीत कुमार को निर्देश देते हुए कहा कि सीएससी सेंटर संचालक और स्कूलों के प्रतिनिधि यदि जनगणना के काम में सहयोग नहीं कर रहे तो उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए शिक्षा बोर्ड को लिखते हुए उन पर कार्रवाई करें। इसके अलावा कोताही बतरने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाएं। आयुक्त के आदेशों पर जनगणना के काम में कोताही बरतने वाले 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई। आठ लोगों के खिलाफ मानेसर थाना, तीन लोगों के खिलाफ थाना खेड़की दौला में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। आयुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से जनगणना के कार्य में मिली सभी जिम्मेदारी को अधिकारी व कर्मचारी अपना कर्तव्य समझते हुए समय पर पूरा करें। जनगणना के माध्यम से ही भविष्य की योजना, परियोजनाओं का खाका तैयार किया जाता है।

सीएम विंडो की शिकायतों पर सीएम नायब सैनी सख्त, तय समय सीमा में समाधान के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सुशासन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए हैं । मुख्यमंत्री ने साफ किया है कि सीएम विंडो पोर्टल पर आने वाली जनता की शिकायतों के निवारण में किसी भी स्तर पर देरी या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी । उन्होंने सभी जिलों के प्रशासनिक अमले को जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर और एक तय समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं । यह निर्देश मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के उपायुक्तों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए ।

शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया को तेज करने और जवाबदेही तय करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हर जिला स्तर पर एक विशेष नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं । यह नोडल अधिकारी सीधे तौर पर सीएम विंडो की शिकायतों की मॉनिटरिंग करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित विभाग समय पर अपनी रिपोर्ट और समाधान पेश करें।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा, सीएम विंडो मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या लेती-लतीफी को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों को बिना वजह लंबित रखने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का मुख्य ध्येय आम नागरिक को बिना किसी परेशानी के त्वरित न्याय देना है।

जमीन पर दिख रहा असर: समाधान शिविर

प्रशासनिक सुधारों की इस कड़ी में हरियाणा सरकार द्वारा जिलों में समाधान शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है।

समय और दिन: यह शिविर प्रत्येक कामकाजी दिन (या निर्धारित सोमवार और गुरुवार) को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक जिला व उपमंडल मुख्यालयों में लगाए जाते हैं।

एक छत के नीचे समाधान: इन शिविरों में जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और सभी प्रमुख विभागों के विभागाध्यक्ष एक साथ बैठते हैं, जिससे नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही निपटारा संभव हो पा रहा है। मुख्यमंत्री के इन कड़े कदमों से साफ है कि हरियाणा सरकार डिजिटल गवर्नेंस और जन-शिकायत निवारण प्रणाली को पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त करने के मिशन मोड पर काम कर रही है।

हरियाणा पुलिस में प्रमोशन : ममता सिंह सहित 4 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बने एडीजीपी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के चार वरिष्ठ अधिकारियों को पदोन्नति का तोहफा दिया है। विभाग के चार पुलिस महानिरीक्षक (IG) स्तर के अधिकारियों को प्रमोट कर अब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ADGP) के पद पर नियुक्त किया गया है। इस पदोन्नति सूची में शामिल अधिकारियों के नाम हैं-ममता सिंह (आईजी से पदोन्नत होकर अब ADGP), डॉ. हनीफ़ कुरैशी (आईजी से पदोन्नत होकर अब ADGP), एम. रवि किरण (आईजी से पदोन्नत होकर अब ADGP), कृष्ण कुमार राव (आईजी से पदोन्नत होकर अब ADGP)। इन चारों ही अधिकारियों को उनके शानदार ट्रैक रिकॉर्ड और वरिष्ठता के आधार पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन की ओर से जारी आदेशों के अनुसार, इन सभी

अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से अपने नए पदों का कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इस बड़े प्रमोशन के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था और पुलिसिंग को और अधिक मजबूती मिलेगी।

'म्हारी सड़क एप' पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं, शिकायतों की हर बैठक में होगी समीक्षा नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'म्हारी सड़क एप' पर आने वाली शिकायतों के त्वरित समाधान और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित जनपरिवाद बैठकों और उपायुक्तों की मासिक समीक्षा बैठकों में एप पर दर्ज कम से कम एक बड़ी शिकायत की अनिवार्य रूप से समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री सचिवालय में 'म्हारी सड़क एप' से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में एप के दूसरे संस्करण की प्रगति, शिकायतों के निस्तारण और सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि एप का सेकेंड वर्जन दिसंबर 2025 में शुरू किया गया था और अब तक प्रदेश की 1 लाख 43 हजार से अधिक सड़कों की मैपिंग की जा चुकी है, जिनकी कुल लंबाई करीब 63 हजार किलोमीटर है। बैठक में जानकारी दी गई कि एप के माध्यम से अब तक 31 हजार 939 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने सड़कों की जियो-टैगिंग का कार्य तेजी और सटीकता के साथ पूरा करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री को एंड्रॉयड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर एप डाउनलोड की स्थिति की भी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 'म्हारी सड़क एप' के बारे में आमजन को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए।

हरियाणा में 30 मई को होगी दूसरी हेरिटेज एंड सिटी वॉक, छह ऐतिहासिक स्थलों का होगा भ्रमण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने हरियाणा पर्यटन निगम की प्रबंध निदेशक ममता शर्मा के साथ प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि राज्य सरकार प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा उसे पर्यटन के ज़रिए नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि विरासत स्थलों और पर्यटन स्थलों के संरक्षण, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण पर सरकार 100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च कर रही है, ताकि ऐतिहासिक धरोहरों को न केवल सहेजा जा सके बल्कि आमजन को उनके महत्व से भी अवगत कराया जा सके। डॉ. शर्मा ने जानकारी दी कि विश्व पर्यटन दिवस 2024 के अवसर पर पहली बार आयोजित हेरिटेज वॉक को मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद अब

दूसरी हेरिटेज एंड सिटी वॉक का आयोजन 30 मई 2026, शनिवार को सुबह 6 बजे से 8 बजे तक किया जाएगा। इस बार प्रदेश के छह प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का चयन किया गया है, जहां विशेषज्ञ गाइड पर्यटकों को इन स्थलों के इतिहास और महत्व की विस्तृत जानकारी देंगे। इन स्थानों में पिंजौर का यादविंद्रा गार्डन, गुरुद्वारा मंजी साहिब, भीमा देवी मंदिर स्थल संग्रहालय, धारामंडल पिंजौर और प्राकृतिक बावड़ी शामिल हैं। इसके अलावा मोरनी हिल्स स्थित ऐतिहासिक मोरनी किला, कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर तीर्थ, विराट स्वरूप और महाभारत अनुभव केंद्र, सूरजकुंड क्षेत्र में असोला-भाटी वन्यजीव अभ्यारण्य, रेवाड़ी में सैंडपाइपर टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स तथा बड़ा तालाब, और बल्लभगढ़ में राजा नाहर सिंह महल व रानी की छतरी का भ्रमण कराया जाएगा। मंत्री ने बताया कि हेरिटेज एंड सिटी वॉक में भाग लेने के लिए प्रति व्यक्ति 500 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है, जिसमें प्रतिभागियों को पेयजल, चाय-कॉफी, टोपी और रिफ्रेशमेंट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को अपने आसपास की ऐतिहासिक धरोहरों से जोड़ना है, जिससे न केवल लोगों में अपनी संस्कृति और इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि प्रदेश में पर्यटन को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा।

परिवार पहचान पत्र में आय सत्यापन का कार्य ग्राम सभाओं के माध्यम से करवाकर पात्र परिवारों को लाभ दें : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि नागरिक संसाधन सूचना विभाग (क्रिड) परिवार पहचान पत्रों में नागरिकों की आय सत्यापन का कार्य ग्राम सभाओं के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर पूरा करे, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों की पहचान कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

मुख्यमंत्री हरियाणा सिविल सचिवालय में क्रिड और 'सेवा' विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने परिवार पहचान पत्र प्रणाली, आय सत्यापन में आ रही समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में क्रिड के आयुक्त एवं सचिव जे गणेशन ने जानकारी दी कि कई परिवारों की आय का सत्यापन न होने के कारण उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए इंकम वेरिफिकेशन कमेटी कार्य कर रही है, जिसमें एक सरकारी कर्मचारी

टीम लीडर, एक लोकल ऑपरेटर और एक वॉलंटियर शामिल हैं, लेकिन विभिन्न रिपोर्टों में आय को लेकर अंतर आने से अंतिम निर्णय में कठिनाई हो रही है। इस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि टीम लीडर और लोकल ऑपरेटर से प्राप्त आय के आंकड़ों को संबंधित गांव की ग्राम सभा की बैठक में प्रस्तुत किया जाए और ग्राम सभा द्वारा तय किया गया निर्णय ही अंतिम माना जाए। उन्होंने कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और वास्तविक लाभार्थियों की पहचान आसान होगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि लंबित आय सत्यापन मामलों को अतिरिक्त उपायुक्त के माध्यम से सत्यापित कराया जाए और सभी पेंडेंसी को एक माह के भीतर समाप्त किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि जहां आवश्यक हो, आवेदक की सबसे बड़ी संतान की आयु के आधार पर भी सत्यापन प्रक्रिया में मदद ली जा सकती है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कृषि से होने वाली 5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय के आधार पर किसी परिवार को उन योजनाओं से वंचित न किया जाए, जिनके लिए अधिकतम 1.80 लाख रुपये वार्षिक आय की सीमा निर्धारित है। बैठक में दयालु योजना के तहत आधार लिंक से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी और अतिरिक्त उपायुक्त की संयुक्त कमेटी बनाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही सेवा विभाग और क्रिड को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा गया। क्रिड की कार्यप्रणाली पर चर्चा के दौरान बताया गया कि हरियाणा में परिवार पहचान पत्र प्रणाली के तहत अब तक 77 लाख से अधिक परिवारों और लगभग 2.98 करोड़ नागरिकों का पंजीकरण किया जा चुका है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से 50 से अधिक विभागों को एकीकृत किया गया है और 400 से अधिक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों में तालाबों के प्रबंधन एवं रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि तालाबों के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उनमें गंदा पानी न पहुंचे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अमृत सरोवर योजना के तहत तालाबों की नियमित सफाई करवाई जाए तथा इस कार्य में पूर्ण पारदर्शिता रखते हुए गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में जोहड़ आबादी के बीच आ गए हैं, वहां उनकी सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने तालाबों के किनारों को मजबूत करने, गाद निकालने और किनारों पर उगी घास की सफाई करवाने के निर्देश दिए। साथ ही तालाबों के आसपास लोगों के सैर के लिए पक्की पगडंडी, बैठने के लिए बेंच तथा सोलर लाइट लगाने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि तालाबों के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायतों द्वारा सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने तथा किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसे तत्काल दूर करवाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि गांवों के गंदे पानी को सीधे तालाबों में न डाला जाए। इसके लिए थ्री-पॉन्ड सिस्टम विकसित किया जाए ताकि पानी को साफ करने के बाद ही तालाबों में छोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि गांवों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं तथा तालाबों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जाए ताकि लोग वहां सैर और अन्य गतिविधियों का आनंद ले सकें।

हरियाणा रोडवेज की एचवीएसी बसें अब केवल हरियाणा पर्यटन विभाग के अधिकृत ढाबों पर ही रुकेंगी : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने प्रदेश की जनता को बेहतर, सुरक्षित और अनुशासित परिवहन सेवाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है और अब हरियाणा राज्य परिवहन की सभी एच0वी0ए0सी0 बसों को जलपान हेतु केवल हरियाणा पर्यटन विभाग के अधिकृत ढाबों पर ही रोका जाएगा। परिवहन मंत्री के निर्देशों की अनुपालना में हरियाणा राज्य परिवहन के महानिदेशक द्वारा एक पत्र प्रदेश के सभी महाप्रबंधकों को जारी किया गया हैं। परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण में जलपान की सुविधा मिल सके।

विज ने बताया कि हरियाणा पर्यटन विभाग के ढाबे गुणवत्ता, स्वच्छता और सरकारी मानकों के अनुरूप संचालित होते हैं। ऐसे में राज्य परिवहन की एचवीएसी बसों को केवल अधिकृत पर्यटन ढाबों (हरियाणा क्षेत्र) पर रोकने से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी और परिवहन व्यवस्था में अधिक पारदर्शिता एवं अनुशासन सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए

हैं कि हरियाणा क्षेत्र में किसी भी स्थिति में एचवीएसी बसों को निजी ढाबों पर न रोका जाए। इसके लिए सभी चालक एवं परिचालकों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के आदेश भी दिए गए हैं।

परिवहन मंत्री अनिल विज ने स्पष्ट करते हुए बताया कि यदि किसी स्तर पर इन निर्देशों की अवहेलना पाई जाती है तो संबंधित चालक अथवा परिचालक के विरुद्ध विभागीय नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

विज ने बताया कि हरियाणा सरकार यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं बेहतर परिवहन सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत व प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग में अनुशासन, पारदर्शिता और यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित में आवश्यक निर्णय लिए जाते रहेंगे।

पार्षद प्रवीन कुमार भाजपा में शामिल

एजेंसी

बहादुरगढ़। नगर परिषद बहादुरगढ़ के वार्ड नंबर 22 के पार्षद प्रवीन कुमार ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वयं उन्हें पार्टी का पटका पहनाकर भाजपा में शामिल कराया। इस दौरान बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून भी विशेष रूप से मौजूद रहे। विधायक राजेश जून के मार्गदर्शन में ही प्रवीन कुमार भाजपा में शामिल हुए हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद प्रवीन ने कहा कि वह मुख्यमंत्री नायब सैनी और भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए जनता के हित में लगातार काम कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा के साथ जुड़कर वह अपने वार्ड और शहर के विकास के लिए और अधिक मजबूती से कार्य कर पाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पार्टी में शामिल होने पर प्रवीन कुमार का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा

विकास कार्य कर रही है और इसी कारण लोगों का भाजपा पर विश्वास बढ़ रहा है। वहीं विधायक राजेश जून ने कहा कि प्रवीन कुमार के भाजपा में आने से पार्टी को बहादुरगढ़ में और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने शहर और प्रदेश में विकास की नई दिशा देने का काम किया है, जिसके चलते लोगों का समर्थन लगातार बढ़ रहा है।

डीएलएसए सचिव निशा ने जिला सैनिक बोर्ड में विधिक सहायता क्लिनिक का किया निरीक्षण

● पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को विधिक सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के दिए निर्देश -विधिक जागरुकता कार्यक्रम बढ़ाने पर दिया गया बल

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी-सह-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुरुग्राम निशा द्वारा जिला सैनिक बोर्ड स्थित विधिक सहायता क्लिनिक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निशा ने विधिक सहायता क्लिनिक में उपलब्ध सेवाओं और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने केंद्र पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की। अभिलेखों के रख-रखाव, निशुल्क विधिक सेवाओं की उपलब्धता और पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों एवं उनके परिवारजनों को दी जा रही विधिक जानकारी संबंधी व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विधिक सहायता क्लिनिक सशस्त्र बलों से जुड़े लोगों को आसान और निशुल्क विधिक सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों तक विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के तहत मिलने वाली योजनाओं और सेवाओं

की जानकारी अधिक से अधिक पहुंचाई जाए। इसके अलावा जिला सैनिक बोर्ड के अधिकारियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ समन्वय बनाकर पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए विधिक जागरुकता कार्यक्रम और आउटरीच गतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रेरित किया गया। यह निरीक्षण जरूरतमंद लोगों तक प्रभावी विधिक सेवाएं पहुंचाने और विधिक सहायता व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से किया गया।

भाजपा सरकार देश की परीक्षा व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल : कुमारी सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने भाजपा सरकार पर युवाओं के साथ अन्याय और भेदभाव करने के गंभीर आरोप लगाए हुए कहा कि नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की घटनाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार देश की परीक्षा व्यवस्था को संभालने में पूरी तरह विफल रही है। वे सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। सांसद ने भाजपा सरकार पर युवाओं के साथ अन्याय और भेदभाव करने के गंभीर आरोप लगाए। कुमारी सैलजा ने कहा कि नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की घटनाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार देश की परीक्षा व्यवस्था को संभालने में पूरी तरह विफल रही है। सांसद ने कहा कि राहुल गांधी लगातार जिस खतरे की ओर देश का ध्यान दिलाते रहे हैं, आज वही स्थिति पूरे देश में दिखाई दे रही है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदारी कौन लेगा। हर बार छोटे स्तर पर कार्रवाई दिखाकर सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती। जब लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा हो, तब जवाबदेही शीर्ष स्तर पर तय होनी चाहिए। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश का युवा मेहनत कर रहा है, लेकिन भाजपा सरकार व्यवस्था सुधारने के बजाय अपनी विफलताओं को छुपाने में लगी है। सांसद ने सरकार से मांग की कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए। इस अवसर पर कालांवाली के विधायक शीशपाल कहरवाला, जिला अध्यक्ष संतोष बैनीवाल, महिला जिला कांग्रेस की अध्यक्ष कृष्णा फोगाट, वीरभान मेहता, राजेश चांडीवाल, संदीप नेहरा, राजकुमार शर्मा, नवीन केडिया आदि मौजूद थे।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 117, निफ्टी 41 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। आज एशियाई बाजारों में गिरावट के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों से बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा पर रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और बजाज ऑटो के तेजी से भी बाजार को बल मिला। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 117.54 अंक बढ़कर 75,318.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41 अंक उछलकर 23,659 अंक पर बंद हुआ।

आज रिलायंस के अलावा बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, इंडिगो, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर बीईएल, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारती एयरटेल और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट आई। निफ्टी के शेयरों में हिंडाल्को में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं ब्रॉडर बाजार में निफ्ट मिडकैप में 0.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी ऑटो में तेजी रही जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में गिरावट आई। वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सुबह सेंसेक्स 500 के करीब टूटकर 74,681 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 150 अंकों से ज्यादा गिरकर 23,464 के स्तर पर पहुंच गया। आज दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल से एशियाई बाजारों पर दबाव पड़ा। अमेरिकी और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण भी अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी रही। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान का निकेई 225 करीब 1.29 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.93 फीसदी नीचे आया। डाओ जोंस करीब करीब 0.65 फीसदी गिरा। वहीं एसएंडपी 500 भी 0.67 फीसदी नीचे आया। नेसडेक कंपोजिट भी 0.84 फीसदी टूटा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ये पहली बार 96 के स्तर से आगे निकल गया। ये शुरुआती कारोबार में 96.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरा। वहीं गत दिवस रुपया 96.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बुधवार को इसकी शुरुआत 96.86 के स्तर पर हुई। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में रुपया करीब 1 रुपये तक कमजोर हो चुका है। रुपये पर सबसे अधिक दबाव कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गयी हैं। आज ब्रेंट क्रूड करीब 111 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करता दिखा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण भी कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आया है। इससे भारत पर भी दबाव आया है। भारत को काफी तेल आयात करना पड़ता है। ऐसे में कच्चा तेल महंगा होने से डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव बढ़ जाता है। रुपये की कमजोरी की दूसरी बड़ी वजह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी और वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता है। निवेशक सुरक्षित निवेश की तरफ जा रहे हैं, जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है। डॉलर मजबूत होने से भी भारतीय रुपये पर दबाव आया है।

भारत के अरबपतियों की संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर हुई, 26 नए अरबपति बने

मुकेश अंबानी भारत और एशिया के सबसे अमीर तो अडाणी दूसरे नबंर पर

मुंबई।

भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 83 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। हाल ही में 26 नए अरबपतियों के जुड़ने के बाद भारत अब अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा अरबपतियों वाला तीसरा देश बन गया है। देश में अरबपतियों की कुल संख्या बढ़कर 229 हो गई है।

फोर्ब्स की ताजा सूची के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी करीब 100 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ भारत और एशिया के सबसे अमीर इंसान बने हुए हैं। गौतम अडानी दूसरे नंबर पर हैं, जबकि उद्योगपति परिवार की प्रमुख सावित्री जिंदल देश की सबसे अमीर महिला के रूप में तीसरे नंबर पर हैं। इस सूची में स्टील कारोबारी लक्ष्मी मित्तल चौथे और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर पांचवें नंबर पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, जिससे वे साल के सबसे बड़े गेनर बनकर उभरे हैं। वहीं, भारतीय उद्योग जगत में पारंपरिक कारोबारियों के साथ नए दौर के टेक उद्यमियों की मौजूदगी भी तेजी से बढ़ रही है। मुंबई अब भी भारतीय अरबपतियों का सबसे बड़ा केंद्र है। वित्त, उद्योग, शेयर बाजार और स्टार्टअप निवेश का प्रमुख केंद्र होने के कारण मुंबई में सबसे ज्यादा अरबपति रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज वृद्धि, डिजिटल कारोबार का विस्तार और स्टार्टअप संस्कृति ने संपत्ति निर्माण की रफ्तार को नई ऊंचाई दी है।

इस बार की सूची में कई युवा और नए चेहरे भी शामिल हुए हैं। खासतौर पर एआई, फिनटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों ने तेजी से अपनी पहचान बनाई है। इनमें 31 साल के अरविंद श्रीनिवास जैसे युवा फाउंडर्स का नाम भी प्रमुखता से सामने आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में बढ़ती उद्यमिता, निवेशकों का विश्वास और तकनीक आधारित कारोबार आने वाले सालों में अरबपतियों की संख्या और संपत्ति दोनों को और बढ़ा सकते हैं। इससे भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने की उम्मीद है।

मेटा ने किया हजारों कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान, एआई का असर

कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना किया शुरू

नई दिल्ली।

मेटा प्लेटफॉर्म्स ने बुधवार को करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया। इसकी वजह एआई के कारण संगठन का पुनर्गठन है। इसकी जानकारी कई रिपोर्ट्स में दी गई। फेसबुक की पेरेंट कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना शुरू कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके करीब 10 फीसदी कर्मचारियों के प्रभावित होने और भूमिकाओं में बदलाव होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक इंटरनल मेमो में मेटा की पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत करीब 7,000 कर्मचारियों को एआई-केंद्रित नई भूमिकाओं में स्थानांतरित करने की योजना का जिक्र किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों को भेजे गए एक मेमो में मेटा की एचआर चीफ जेनेल गेल ने कहा कि कई टीमों को एआई-आधारित सिद्धांतों के आधार पर पुनर्गठित किया जा रहा है ताकि सरल संरचनाएं और छोटे समूह बनाए जा सकें जो ज्यादा जिम्मेदारी के साथ तेजी से काम किया जा सके। गेल ने कहा कि बदलावों पर काम करते हुए कई टीमों ने एआई-आधारित डिजाइन सिद्धांतों को अपनी नई संगठनात्मक संरचनाओं में शामिल किया।

रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी अमेरिकी कर्मचारियों को भी छंटनी के प्रभावी होने वाले दिन घर से काम करने के लिए कहा गया था, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका पालन मेटा ने पिछली छंटनी घोषणाओं के दौरान भी किया था।

यह पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब मेटा एआई बुनियादी ढांचे पर खर्च में काफी बढ़ोतरी कर रहा है। इसके अलावा कंपनी ने 2026 के लिए 125 अरब डॉलर से 145 अरब डॉलर के बीच पूंजीगत व्यय का अनुमान लगाया है, जो मुख्य रूप से एआई डेटा केंद्रों, कस्टम चिप्स और मॉडल प्रशिक्षण पर केंद्रित है। सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कर्मचारियों को बताया कि एकत्रित डेटा का उद्देश्य केवल एआई प्रणालियों को बेहतर बनाना है, न कि निगरानी करना।

मारुति सुजुकी ने लखनऊ में खोली स्मार्ट फैक्ट्री लैब

युवाओं को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण

लखनऊ।

मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत लखनऊ में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सुजुकी कंपनी ने सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में एक अत्याधुनिक स्मार्ट फैक्ट्री लैब की स्थापना की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य डिप्लोमा छात्रों को आधुनिक विनिर्माण तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। यह लैब अपने पहले वर्ष में करीब 400 छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है। यहां छात्रों को स्वचालन, उद्योग 4.0, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी), न्यूमेटिक्स, ऊर्जा मापन और गति नियंत्रण प्रणालियों सहित उन्नत औद्योगिक तकनीकों का सीधा अनुभव मिलेगा। यह पहल अकादमिक शिक्षा और उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं के बीच के अंतर को पाटने में सहायक होगी। कंपनी का मानना है कि इस अत्याधुनिक लैब के माध्यम से छात्रों में उद्योग के लिए आवश्यक सही मानसिकता विकसित होगी, उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी और तकनीकी दक्षता मजबूत होगी। इसका अंतिम लक्ष्य छात्रों को भविष्य के लिए तैयार पेशेवर बनाना है, जो देश के कार्यबल में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट मामलों के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा, स्मार्ट फैक्ट्री लैब के उन्नयन के साथ, हम सरकार के स्किल इंडिया मिशन के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार पेशेवर तैयार कर रहे हैं। ये लैब विनिर्माण क्षेत्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने, कौशल अंतर को कम करने और छात्रों में उद्योग-विशिष्ट उपकरणों के उपयोग में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण के अवसर प्रदान करेंगी। कंपनी ने भारत और जापान सरकार के सहयोग से चार जापान-भारत विनिर्माण संस्थान (जेआईएम) भी स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोटिव विनिर्माण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उद्योग-विशिष्ट व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 18 आईटीआई में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग लैब (एएमएल) भी स्थापित की गई हैं।

यह कदम युवाओं को उद्योग की मांगों के अनुरूप तैयार करने की मारुति की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सेंसेक्स 118 अंक चढ़कर 75,318 पर बंद

निफ्टी में भी 41अंक की तेजी रही; रुपए 96.89 के रिकॉर्ड लो पर

मुंबई। सेंसेक्स बुधवार को 118 अंक चढ़कर 75,318 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 41 अंकों की तेजी रही, ये 23,659 पर पहुंच गया। बुधवार के कारोबार में ऑटो, रियल्टी और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए 33 पैसे टूटकर 96.89 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। पिछले कई सत्रों से रुपए के मूल्य में लगातार गिरावट देखी जा रही है। 19 मई को सेंसेक्स 114 अंक की गिरावट के साथ 75,201 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 32 अंक की गिरावट रही, ये 23,618 पर बुद हुआ। आज के बैंकिंग, एफएमसीजी और मेटल शेयर्स में बिकवाली रही। वहीं आईटी, रियल्टी और मीडिया शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही।

सरकार ऊर्जा संकट के बीच अब इलेक्ट्रिक बस-ट्रकों को बढ़ावा देने की तैयारी में

1 अरब डॉलर की प्रोत्साहन योजना पर विचार कर रहा केंद्र

नई दिल्ली।

भारत सरकार ऊर्जा संकट के बीच प्राइवेट सेक्टर में इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों को बढ़ावा देने के लिए 1 अरब डॉलर यानी करीब 8,300 करोड़ रुपए से ज्यादा की प्रोत्साहन योजना पर विचार कर रही है। इस योजना का मकसद कॉमर्शियल परिवहन क्षेत्र में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नाम न छापने की शर्त पर मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि यह प्रोग्राम 10 सालों तक चलेगा और मुख्य रूप से भारत के प्राइवेट ओन्ड कॉमर्शियल फ्लीट को टारगेट करेगा। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा इंटर-सिटी बस ऑपरेटरों के लिए रखा जा सकता है। योजना को अंतिम रूप देने के लिए इस महीने प्रधानमंत्री कार्यालय और इंडस्ट्री से जुड़े पक्षों के साथ बैठकें हो सकती हैं। अंतिम बजट आवंटन, प्रोत्साहन पाने वाले वाहनों की श्रेणी और सब्सिडी ढांचे पर अभी काम चल रहा है और इसमें बदलाव संभव है। रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधाओं के बाद भारत सरकार पेट्रोल, डीजल आदि पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रही है।

इससे ऊर्जा सुरक्षा और आयातित महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं। भारत अपनी कीरब 90 फीसदी कच्चे तेल की जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है, जिससे वह वैश्विक भू-राजनीतिक संकट और कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बना रहता है। कमर्शियल ट्रांसपोर्ट का इलेक्ट्रिफिकेशन भारत में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगा। इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन के मुताबिक नई दिल्ली जैसे शहरों में वाहनों से होने वाला उत्सर्जन सालाना सूक्ष्म कण प्रदूषण का लगभग 40 फीसदी तक योगदान देता है। पिछले पांच सालों में इलेक्ट्रिक बसों को अपनाने की रफ्तार तेजी से बढ़ी है, जिसमें सरकारी परिवहन कंपनियों की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि भारत में अभी भी ज्यादातर नई बसें डीजल से चलती हैं। हालांकि डीजल पर निर्भरता केवल भारत की समस्या नहीं है, चीन, अमेरिका और यूरोप जैसे क्षेत्र कमर्शियल वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। चीन में पहले से ही लाखों इलेक्ट्रिक ट्रक और बसें चल रही हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप शहरी लॉजिस्टिक्स और पब्लिक ट्रांसपोर्ट फ्लीट को तेजी से इलेक्ट्रिक बना रहे हैं। अनुमानों के मुताबिक भारत में 20 लाख से ज्यादा बसें हैं, लेकिन इनमें से केवल 5 फीसदी बसों पर सरकार का नियंत्रण है। वहीं देश में करीब सभी ट्रक निजी क्षेत्र द्वारा संचालित किए जाते हैं और यही डीजल की सबसे बड़ी खपत करते हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारी छोटे कमर्शियल फ्लीट ऑपरेटरों को इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उपायों पर विचार कर रहे हैं। ये ऑपरेटर ऊंची शुरुआती लागत और सीमित वित्तपोषण के कारण कठिनाई का सामना कर रहे हैं। विचाराधीन प्रोत्साहनों में वाहन की पूरी अवधि में प्रति वाहन 15 लाख रुपए तक का ब्याज सब्सिडी लाभ शामिल हो सकता है, जिसे समय के साथ धीरे-धीरे कम किया जाएगा। सरकार प्राइवेट कंपनियों को इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन खरीदने के लिए वित्तपोषण उपलब्ध कराने के लिए आंशिक क्रेडिट गारंटी व्यवस्था पर भी विचार कर रही है।

कर्मचारियों पर कम खर्च और ब्याज में आई कमी का कंपनियों को मिला फायदा

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनियों का मुनाफा मार्जिन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कर्मचारियों पर कम खर्च और ब्याज के बोझ में आई कमी का कंपनियों को फायदा मिला। कम वेतन और पारिश्रमिक के साथ-साथ ब्याज लागत में हुई बचत ने कच्चे माल की बढ़ी लागत को काफी हद तक पाट दिया है। इससे वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनियों का कर बाद मुनाफा मार्जिन 11.3 फीसदी रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 60 आधार अंक ज्यादा है और कम से कम पिछली 21 तिमाहियों में सबसे ज्यादा मुनाफा मार्जिन है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के 10.6 फीसदी मुनाफा मार्जिन से चौथी तिमाही में 70 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनियों का मुनाफा मार्जिन पिछले पांच सालों में करीब एक तिहाई बढ़ा है। मार्च 2021 तिमाही में यह 8.6 फीसदी था। 837 कंपनियों का वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कुल शुद्ध लाभ 15.5 फीसदी बढ़ा है जबकि इस दौरान उनकी आय में 9.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इन कंपनियों का कुल समायोजित शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में करीब 3.24 लाख करोड़ रहा जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 2.81 लाख करोड़ रुपए था। दूसरी ओर इन कंपनियों की कुल आय वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में बढ़कर लगभग 28.65 लाख करोड़ रुपए रही जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 26.16 लाख करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 27.71 लाख करोड़ रुपए थी। रिपोर्ट के मुताबिक चौथी तिमाही में वेतन और पारिश्रमिक और ब्याज व्यय जैसे प्रमुख खर्च में वृद्धि धीमी रही जिससे कंपनियों को मुनाफा मार्जिन बढ़ाने में मदद मिली है। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में नमूने में शामिल कंपनियों की कुल वेतन वृद्धि 6.4 फीसदी रही जबकि बिक्री एवं मार्केटिंग खर्च में 3.6 फीसदी का इजाफा हुआ। हालांकि कंपनियों की लाभप्रदता को सबसे बड़ा फायदा कम ब्याज लागत का मिला। इस लाभ में बैंकों और गैर-बैंक ऋणदाताओं का दबदबा रहा और इनकी हिस्सेदारी नमूने में शामिल कंपनियों के कुल शुद्ध लाभ की करीब 43 फीसदी रही। बैंक, वित्त और बीमा कंपनियों को कम ब्याज दरों से सबसे ज्यादा लाभ हुआ और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में उनके कुल ब्याज खर्च में केवल 2.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

वायु सुरक्षा अधिकारी 'फ्यूल-कंट्रोल स्विच पैनल' के परीक्षण की करेंगे निगरानी

लंदन-बेंगलूरु उड़ान के पायलटों ने इसमें खराबी की बात कही थी

नई दिल्ली।

भारतीय वायु सुरक्षा अधिकारी सिएटल जाने की योजना बना रहे हैं। वहां वे बोइंग द्वारा किए जा रहे एक 'फ्यूल-कंट्रोल स्विच पैनल' के परीक्षण की निगरानी करेंगे। इस पैनल को फरवरी में एयर इंडिया के एक 787 विमान से हटा दिया गया था, जब लंदन-बेंगलूरु उड़ान के पायलटों ने इसमें खराबी की बात कही थी। यह जानकारी दस्तावेज से पता चली है। भारतीय अधिकारियों ने इस परीक्षण को 'संवेदनशील' बताया है। इस परीक्षण ने बोइंग ड्रीमलाइनर में लगे उन स्विचों पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है, जो विमान के इंजनों में जेट ईंधन का प्रवाह नियंत्रित करते हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब जांचकर्ता पिछले जून में गुजरात में हुए एयर इंडिया 787 विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक ये स्विच इस तरह से डिजाइन किए गए हैं कि अगर पायलट कोई विशेष एक्शन नहीं लेते हैं तो इन्हें हिलाया नहीं जा सकता, लेकिन इस हादसे की शुरुआती रिपोर्ट में यह सामने आने के बाद कि ये स्विच करीब एक ही समय पर बंद हो गए थे और जिससे इंजनों को ईंधन मिलना बंद हो गया था, ये स्विच अब जांच के दायरे में आ गए हैं। डीजीसीए ने पहले बताया था कि लंदन में फरवरी में हुई घटना के दौरान पायलटों ने इंजन चालू करते समय देखा कि पहले दो प्रयासों में जब हल्का दबाव डाला गया, तो फ्यूल स्विच 'रन' स्थिति में स्थिर नहीं रहे, लेकिन उड़ान भरने से पहले तीसरे प्रयास में वे स्थिर हो गए। एयर इंडिया ने कहा कि अतिरिक्त परीक्षण में एक नियंत्रित प्रयोगशाला परिवेश में जांच शामिल है, ताकि इसके प्रदर्शन की निश्चित रूप से पुष्टि हो सके।

निवेश के लिए खरीदा फिजिकल गोल्ड सबसे महंगा और घाटे वाला विकल्प

आज भी भारत के घरों में करीब पच्चीस हजार टन सोना पड़ा है

नई दिल्ली।

भारतीय समाज और सोने का रिश्ता सदियों पुराना है। त्योहारों की रौनक हो या शादियों का उल्लास, सोना हर मोड़ पर भारतीय परिवारों के सुख-दुख का साथी रहा है। एक अनुमान के मुताबिक आज भी भारत के घरों में करीब पच्चीस हजार टन सोना पड़ा है, जो काफी हद तक निष्क्रिय है, अलमारियों में बंद है और जिसकी देश भर में कोई एक तय कीमत भी नहीं है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने के बाजार की यह पूरी तस्वीर अब बदल रही है। साल 2024 से सरकार ने नए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) को जारी करना पूरी तरह बंद कर दिया था, जिसके बाद बजट 2026 के नए नियमों ने इसके टैक्स फायदों को भी सीमित कर दिया। दूसरी तरफ नवंबर 2025 में सेबी ने मोबाइल ऐप्स पर मिलने वाले अनरेगुलेटेड डिजिटल गोल्ड को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलते सिस्टम के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 'इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स' (ईजीआर) ने निवेश की दुनिया में कदम रखा। अब देश के आम निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि सोने में निवेश का सबसे व्यावहारिक, सुरक्षित और किफायती रास्ता कौन सा है। क्या हमें सुनार की दुकान से पारंपरिक सोना खरीदना चाहिए, सालों से चल रहे गोल्ड ईटीएफ में बने रहना चाहिए या फिर नए ईजीआर को अपनाना चाहिए। पारंपरिक रूप से भारत में सोने की खरीद हमेशा से आभूषणों या सिक्कों के रूप में की जाती रही है, जिसे हम फिजिकल गोल्ड कहते हैं। सुनार की दुकान पर जाकर अपनी आंखों के सामने सोने को देखना और उसे छूकर महसूस करना हमेशा से भारतीयों की पसंद रही है। हंसा रिसर्च ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट इस उपभोक्ता व्यवहार की गहराई को समझाते हुए कहती हैं कि भारत में गहनों और सोने का अपना एक सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है, क्योंकि यह लोगों को 'टैन्जिबल ओनरशिप' यानी संपत्ति को छूकर महसूस करने और खुद के पास सुरक्षित रखने की वास्तविक खुशी देता है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में इसकी मांग हमेशा बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि अगर आप इसे सिर्फ निवेश के नजरिए से देखें, तो फिजिकल गोल्ड सबसे महंगा और घाटे वाला विकल्प साबित होता है। सोना खरीदते ही सबसे पहले आपको 3फीसदी जीएसटी देना पड़ता है। इसके अलावा ज्वेलर्स 5फीसदी से लेकर 20फीसदी या उससे भी ज्यादा तक मेकिंग चार्ज वसूल लेते हैं, जिसका निवेश से कोई फायदा नहीं होता। फिर इसकी सुरक्षा की चिंता अलग रहती है। या तो घर में चोरी का डर बना रहता है, या बैंक लॉकर के लिए हर साल मोटा किराया देना पड़ता है। सबसे बड़ा झटका तब लगता है जब आप सोना बेचने जाते हैं। उस समय ज्वेलर्स पुराने मेकिंग चार्ज का पैसा तो वापस नहीं देते, ऊपर से शुद्धता जांचने के नाम पर सोने के वजन या कीमत में भी कटौती कर लेते हैं।

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

ललित गर्ग

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चचाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में ह्लजी-2ह्व यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रूवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर ह्लचाइना प्लस वनह्व रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस ह्लवन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचरह्व की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रूवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

संपादकीय

कोर्ट की सख्ती के मायने

इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निदेशों को नरम न करने का सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दशार्ता है। पिछले दिनों चंडीगढ़ से एक स्तब्धकारी घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया,जब एक अज्ञात व्यक्ति ने एक पिल्ले को धधकते तंदूर में फेंककर जिंदा जला दिया। ऐसे शर्मनाक कृत्य उस भयावह क्रूरता को उजागर करते हैं, जो सार्वजनिक चचाओं में उजागर नहीं होती। इस घटना ने इन जीवों की दयनीय स्थिति को ही उजागर किया। वहीं भूख से बिलबिलाते कुत्तों द्वारा कथित तौर पर अपने ही बच्चों को खाने के मामले भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार का मतलब नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी करना नहीं हो सकता। लेकिन इसके साथ ही जन सुरक्षा को पशु कल्याण की उपेक्षा का बहाना भी नहीं बनाया जा सकता है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है। निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है।

चिंतन-मनन

गतिशील रहें

एक यात्री जा रहा था। अंधेरी रात थी। उसे लम्बा रास्ता तय करना था। एक व्यक्ति ने उसे लालटेन देते हुए कहा, इसके प्रकाश में तुम अपना रास्ता देख पाओगे। मार्ग सुख से कटेगा। इसे ले जाओ। उस यात्री ने देखा कि लालटेन का प्रकाश तीन-चार फीट तक फैल रहा है। उसके मन में संदेह हुआ कि रास्ता बहुत लंबा है। प्रकाश केवल तीन-चार फीट तक ही पड़ता है। रास्ता पार कैसे कर पाऊंगा? वह उलझ गया और उलझता ही गया। वह बोला, तीन-चार फीट का प्रकाश मुझे दस मील की यात्रा कैसे करा पाएगा?

यह विधि को न समझने के कारण है। विधि को समझे बिना साधक उलझ जाते हैं। विधि को ठीक समझ लेते हैं तो तीन-चार फीट का प्रकाश दस मील की यात्रा करा सकता है। यह प्रकाश दस मील के पूरे पथ को प्रकाशित कर सकता है। आप चलते चलें, दस मील का रास्ता प्रकाशित हो जाएगा और यदि उसी बिन्दु पर खड़े रह गए तो दो फीट का रास्ता ही प्रकाशित होगा, शेष अंधकार ही अंधकार रहेगा। आवश्यकता है चलने की, सतत गतिशील रहने की। विधि को समझें और चलें। विधि को समझना ही पर्याप्त नहीं है, चलना भी पड़ेगा। आगे से आगे बढ़ना होगा। यदि नहीं चले, रूके रह गए तो प्रकाश जहां पड़ता है वहीं पड़ेगा, वह आगे नहीं बढ़ेगा। वह तभी बढ़ेगा, जब हम बढ़ेंगे। वह हमारे रूकने के साथ रूकेगा और बढ़ने के साथ बढ़ेगा। अभ्यास करते जाएं। आप अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। मंजिल स्वतः मिल जाएगी।

पश्चिम बंगाल में काली के पुजारियों का भत्ता बंद

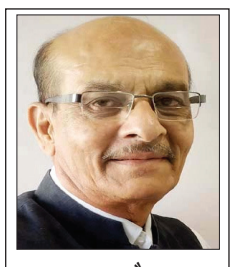

सनत जैन

सनातनी अब मांसाहारी और शाकाहारी में बंटे...

पश्चिम बंगाल की सरकार के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंत्रिमंडल की बैठक में पश्चिम बंगाल के इमाम और पुजारियों को जो भत्ता ममता सरकार द्वारा दिया जा रहा था, 1 जून 2026 से दोनों के भत्ते बंद करने का निर्णय किया है। इस निर्णय की पश्चिम बंगाल में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। टीएमसी के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी साल मार्च माह से धार्मिक नेताओं के भत्ते में 500 रुपए प्रतिमाह की वृद्धि की थी। पश्चिम बंगाल में मस्जिदों के इमाम को हर महीने 3000 रुपए तथा पुजारियों को 2000 रुपए की मदद दी जा रही थी। भाजपा की सरकार ने अब यह मानदेय बंद करने का निर्णय लिया है। इसका असर संपूर्ण पश्चिम बंगाल में हिन्दू-मुस्लिम के बीच होना तय है। पश्चिम बंगाल में काली की पूजा होती है। पश्चिम बंगाल में पूजा में बली और खाने-पीने में मांसाहार का बड़ा उपयोग होता है। बंगाल में हजारों की संख्या में पुजारियों को यह मानदेय मिल रहा था। पुजारियों को आशा थी, नई सरकार इमाम और मुअज्जीन का भत्ता बंद करेगी। हिंदू पुजारियों को 3000 रुपए महीने का मानदेय देने का निर्णय करेगी। सरकार ने दोनों समुदाओं के धार्मिक गुरुओं का भत्ता बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल से जो खबरें आ रही हैं, उसके अनुसार पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को दो अलग-अलग भागों में बांटा जा रहा है। हजारों वर्ष पूर्व हिंदुओं में वैष्णव और शेव शाक्त के बीच में विवाद होते रहे हैं। हिन्दू समुदाय तीन भागों में बटे हुए थे। शुभेंदु सरकार ने पश्चिम बंगाल में इसी विवाद को फिर से खड़ा कर दिया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल का चुनाव हिंदुओं के नाम पर लड़ा है। हिंदू पुजारियों को आशा थी, उनका मानदेय बढ़ाया जाएगा। सरकार ने बढ़ाने के स्थान पर बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी जय श्री राम के उद्घोष के साथ वहां पहुंची है। बड़ी संख्या में उत्तर भारत के लोग पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। सरकार के इस निर्णय से बंगाली पुजारियों में जबरदस्त नाराजी देखने को मिल रही है। उनका मानना है वह शाक्त भक्त हैं, मां काली की पूजा करते हैं। काली की तांत्रिक पूजा अलग तरह की होती है, जिसे वैष्णव और शैव स्वीकार नहीं करते हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सरकार बनने के बाद सरकार, पश्चिम बंगाल के पुजारियों के साथ हिन्दुओं में जो भेदभाव कर रही है। उससे यह धारणा बन रही है, पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी की सरकार हिंदुओं को हिंदुओं के बीच में बांटने का काम कर रही है। पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। प्रारंभ में ही यदि इस तरह के भेदभाव की भावना हिंदुओं के बीच में जागृत होती है, तो यह हिंदू एकता को लेकर भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान यह मामला कहीं ना कहीं सामने आया था। उत्तर भारत के जो नेता पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रचार में गए थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से मांस और मछली खाकर यह विश्वास दिलाया था, वह बंगाल की संस्कृति और बंगाल की धार्मिक परंपरा के साथ कोई अन्याय नहीं करेंगे।

सरकार बनने के बाद जिस तरह से कालीभक्त पुजारियों के मानदेय को सरकार ने बंद किया है। उसके बाद वहां पर कहा जा रहा है, वर्तमान सरकार काली भक्तों को पसंद नहीं करती है। पश्चिम बंगाल की धार्मिक संस्कृति में भगवान राम और अन्य हिंदू देवी देवता जो शैव और वैष्णव संप्रदाय से आते हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल में साक्त भक्तों में स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव हुए हैं। लाखों की संख्या में अर्ध सैनिक बल तैनात किया गया। लगभग एक करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए। पश्चिम बंगाल के बाहर से अधिकारियों को लाकर चुनाव कार्य में लगाया गया।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस : रक्तरंजित राहों पर शांति का संकल्प

सुनील कुमार महला

किसी कवि ने क्या खूब लिखा है-आतंकवाद से धरा दूषित है, इसे शुद्ध हो जाने दो। हाथ खोल दो वीरों के अब महायुद्ध हो जाने दो। भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए वास्तव में आतंकवाद आज पूरी मानवता के लिए एक नासूर बन चुका है।सच तो यह है कि यह ऐसा दंश है, जिसमें केवल जहर ही जहर भरा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता और असमानता जैसी समस्याएँ अपनी जगह हैं, किंतु आतंकवाद इन सबमें सबसे अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह सीधे मानव सभ्यता, शांति और राष्ट्रीय एकता पर हमला करता है। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इसका समूल नाश आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

पाठक जानते होंगे कि प्रतिवर्ष 21 मई को भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (एंटी टेररिज्म डे) मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के रूप में उनकी स्मृति में मनाया जाता है। वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरुमबुदुर में एक आत्मघाती आतंकी हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। वास्तव में,इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और उग्रवाद से दूर रखना तथा समाज में शांति, एकता और सद्भाव का संदेश देना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस लोगों को आतंकवाद और हिंसा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का दिन है।दरअसल, इस दिवस का उद्देश्य केवल आतंकवाद का विरोध करना भर नहीं है, बल्कि समाज में भाईचारा, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। यह दिन युवाओं को आतंकवाद और कट्टरता के खतरों से अवगत कराता है तथा हिंसा के स्थान पर संवाद, लोकतांत्रिक सोच और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही आतंकवाद से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और नागरिकों में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता अर्थात जीरो टॉलरेंस की भावना विकसित करने का संदेश भी देता है।इस दिन देशभर के सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा आतंकवाद विरोधी शपथ ली जाती है। इस प्रतिज्ञा में बिना किसी धर्म या संप्रदाय का नाम लिए मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने का संकल्प लिया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों और संस्थानों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सेमिनार, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में शहीद हुए जवानों और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

राजीव गांधी की हत्या भारतीय इतिहास की सबसे चर्चित आतंकी घटनाओं में से एक थी। यह हमला श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी एलटीटीई द्वारा किया गया था। एक महिला आत्मघाती हमलावर 'थानु' (धनु) ने फूलों का हार पहनाने के बहाने विस्फोट कर दिया, जिसमें राजीव गांधी की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद भारत की आंतरिक सुरक्षा और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए। विशेष सुरक्षा समूह यानी विशेष सुरक्षा समूह(एसपीजी) के नियमों को अत्यंत सख्त बनाया गया तथा पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों को भी सुरक्षा दायरे में लाया गया।

यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि एलटीटीई यानी कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम श्रीलंका का एक अलगाववादी गुरिल्ला संगठन था, जिसने श्रीलंका के उत्तर और पूर्वी भागों में तमिलों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र तमिल ईलम की मांग को लेकर लगभग तीन दशकों तक सशस्त्र संघर्ष किया। इसकी स्थापना वर्ष 1976 में वेलुपिल्लई प्रभाकरन द्वारा की गई थी। प्रभाकरन अंत तक इस संगठन का सर्वोच्च और तानाशाही कमांडर बना रहा। एलटीटीई का आत्मघाती दस्ता ब्लैक टाइगर्स कहलाता था, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक और अनुशासित आत्मघाती दस्तों में गिना जाता था।दरअसल, श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) को वर्ष 1948 में स्वतंत्रता मिलने के बाद वहाँ बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच जातीय तनाव बढ़ने लगा। तमिलों का आरोप था कि सरकारी नौकरियों, शिक्षा और नागरिकता के मामलों में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसी असंतोष ने धीरे-धीरे उग्रवाद का रूप ले लिया और एलटीटीई जैसे संगठन का जन्म हुआ। शुरूआत में श्रीलंका में तमिलों पर हो रहे अत्याचारों के कारण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, एलटीटीई के प्रति सहानुभूति थी। वर्ष 1987 में भारत-श्रीलंका समझौते के तहत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय शांति सेना श्रीलंका भेजी, लेकिन एलटीटीई ने हथियार डालने से इनकार कर दिया और भारतीय सेना से ही संघर्ष शुरू कर दिया। इसके बाद संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए। अंततः 21 मई 1991 को एलटीटीई ने आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी, जिसके बाद भारत सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एलटीटीई को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया और उसकी फंडिंग कमजोर पड़ती गई। अंततः वर्ष 2006 से 2009 तक चले चौथे ईलम युद्ध में श्रीलंकाई सेना ने एलटीटीई को पूरी तरह पराजित कर दिया तथा 18 मई 2009 को प्रभाकरन की मृत्यु के साथ ही संगठन का अंत हो गया।

वास्तव में, अपने राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग ही आतंकवाद कहलाता है। आतंकवाद की सबसे खतरनाक बात यह है कि अंततः यह उन लोगों को भी नष्ट कर देता है जो इसका समर्थन या अभ्यास करते हैं। आतंकवाद राष्ट्रीय सद्भाव, शांति और सामाजिक एकता को गहरी क्षति पहुँचाता है। सच तो यह है कि आतंकवाद का कोई धर्म, राष्ट्रीयता या मानवीय उद्देश्य नहीं होता। यह मानवता के विरुद्ध हिंसा और अमानवीयता की पराकाष्ठा है।महात्मा गांधी ने कहा था-मैं मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ। गांधीजी ने सदैव अहिंसा, शांति और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कभी भी हिंसा और आतंकवाद को उचित नहीं माना। वास्तव में आतंकवाद स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंसा कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार हरिओम पंवार की पंक्तियाँ भी इस संदर्भ में अत्यंत सार्थक प्रतीत होती हैं-बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता।हत्यारों के लिए अहिंसा का प्रस्ताव नहीं होता। कोई विषधर कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है, और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है। आज आतंकवाद केवल भारत की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की गंभीर समस्या बन चुका है। विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में आतंकवाद तेजी से फैल रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेषकर यूनाइटेड नेशंस में बार-बार यह चिंता व्यक्त की है, कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि जिन देशों में आतंकवाद से निपटने की क्षमता का अभाव है, उनकी सहायता की जानी चाहिए। भारत सदैव पंचशील, शांति, संयम और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों में विश्वास करता आया है तथा धर्म, जाति, संस्कृति और आस्था से परे हर प्रकार के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता रहा है। हाल फिलहाल,यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस साल यानी कि वर्ष 2026 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रहार नामक भारत की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति जारी की गई है। इसका उद्देश्य आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर हमलों, ड्रोन खतरों तथा संगठित आतंकी नेटवर्क से समन्वित तरीके से निपटना है। इतना ही नहीं, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नार्वे में 19 मई 2026 मंगलवार को तीसरे भारत-नार्डिक समिट में हिस्सा लिया है, जहां नार्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के नेता जुटे। अच्छी बात यह रही कि इस समिट के दौरान सभी नेताओं ने हर प्रकार के आतंकवाद और कट्टरपंथ की कड़ी निंदा करते हुए सीमापार आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जरूरत बताई है। इतना ही नहीं,इस समिट के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले की भी कड़े शब्दों में निन्दा की गई है।

बहरहाल, आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज में शांति, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जाए। आतंकवाद से लड़ना केवल सरकारों या सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें मानव जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए हर प्रकार की विघटनकारी शक्तियों के विरुद्ध सजग रहना होगा।

अंत में किसी कवि की इन प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ बात समाप्त करना उचित होगा-हर घर में दीप जलाना होगा, आतंकवाद के अँधेरे को मिटाना होगा।'अ' से अमरुद, 'च' से चरखा छोड़, 'अ' से अमन, 'च' से चैन पढ़ाना होगा। मेरी धरती, मेरा देश छोड़, हमारी धरती, हमारा देश सिखाना होगा। हर एक देश के नागरिक को अब, देश का पहरेदार बनाना होगा। धरती माँ की छाती से 'आतंकवाद' शब्द को मिटाना होगा। वास्तव में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस हमें यह संदेश देता है कि हिंसा कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। शांति, संवाद, शिक्षा और मानवीय मूल्यों के माध्यम से ही आतंकवाद जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। यह दिवस प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और मानवता की रक्षा के लिए सजग रहने की प्रेरणा देता है।

संक्षिप्त समाचार

ओपनएआई के खिलाफ एलन मस्क की बड़ी हार, कोर्ट ने खारिज किया मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क को अमेरिकी फेडरल कोर्ट से एक बहुत बड़ा झटका लगा है। कैलिफोर्निया के ऑकलैंड की एक संघीय अदालत ने मस्क द्वारा एआई कंपनी ओपनएआई और उसके शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ दायर किए गए बड़े मुकदमे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। मस्क ने अदालत में आरोप लगाया था कि चैटजीपीटी बनाने वाली इस कंपनी ने मानवता की भलाई के लिए काम करने के अपने मूल उद्देश्य को धोखा दिया है और अब यह केवल पैसा कमाने वाली कंपनी बन गई है। नौ सदस्यों वाली जूरी ने तीन सप्ताह तक चले इस लंबे ट्रायल के बाद अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया। जूरी ने दो घंटे से भी कम समय तक विचार करने के बाद अदालत को बताया कि मस्क ने यह मुकदमा दायर करने में बहुत ज्यादा देर कर दी है और उन्होंने कानूनी समय सीमा (स्टैच्यूटरी डेडलाइन) को पार कर लिया है। जज यवोन गोंजालेज रोजर्स ने सोमवार को जूरी के इस फैसले को अदालत के अंतिम फैसले के रूप में स्वीकार कर लिया और मस्क के दावों को खारिज कर दिया। हालांकि, मस्क के वकील स्टीवन मोलो ने स्पष्ट किया है कि यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने इस हार की तुलना अमेरिकी इतिहास की पुरानी जंगों से की और कहा कि वे इस फैसले के खिलाफ अदालत में अपील जरूर करेंगे।

गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी अदालत ने हटाए सभी आरोप, मामला स्थायी रूप से किया बंद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ सभी आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से हटा दिया है। इसके साथ ही न्यूयॉर्क में चल रहा बहुचर्चित रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोपों का मामला पूरी तरह से बंद हो गया है। इस फैसले के बाद अदाणी समूह से जुड़ी कई अमेरिकी नियामक और कानूनी जांचें बंद हो गई हैं। पिछले सप्ताह अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने भारत में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के संबंध में निवेशकों को किए गए खुलासों से जुड़े गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ आरोपों का निपटारा किया। अदालत में दायर दस्तावेजों से पता चला कि गौतम अदाणी ने 60 लाख अमेरिकी डॉलर और सागर अदाणी ने 120 लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई, बिना किसी भी तरह की गलती स्वीकार किए या इनकार किए।

23 वर्षीय तुषार कुमार ने रचा इतिहास, ब्रिटेन में सबसे युवा भारतीय मूल के मेयर बने; मिली बोरेहामवुड की कमान

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के 23 वर्षीय तुषार कुमार ने ब्रिटेन में इतिहास रच दिया है। उन्हें आधिकारिक तौर पर एल्सट्री और बोरेहामवुड का मेयर नियुक्त किया गया है। वह ब्रिटेन के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के व्यक्ति बन गए हैं। 13 मई को बोरेहामवुड के फेयरवे हॉल में आयोजित एक समारोह में उनकी नियुक्ति की पुष्टि हुई। तुषार कुमार ने लंदन के किंग्स कॉलेज से राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की है। मेयर की जिम्मेदारी संभालने से पहले वह डिप्टी मेयर के रूप में काम कर रहे थे। वह लंबे समय से बोरेहामवुड में स्थानीय नागरिक और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। इस बड़ी उपलब्धि पर तुषार कुमार ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे एक बड़ा सम्मान बताया। तुषार ने कहा कि किंग्स कॉलेज में राजनीति विज्ञान पढ़ने से लेकर अपने पसंदीदा शहर का मेयर बनने तक का यह सफर उनके लिए किसी सपने जैसा है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर में मिले समर्थन के लिए सभी का आभार जताया। इसी दौरान तुषार ने निवर्तमान मेयर डैन ओजारो को उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि डिप्टी मेयर रहते हुए उन्हें डैन से बहुत कुछ सीखने को मिला। डैन ने पिछले एक साल में शहर की सेवा में जो योगदान दिया, तुषार ने उसकी भी सराहना की। आगामी नागरिक वर्ष के लिए लिंडा स्मिथ को नया डिप्टी मेयर नियुक्त किया गया है। मेयर के रूप में तुषार कुमार का मुख्य लक्ष्य समुदाय के बीच अपनी मौजूदगी बढ़ाना है। वह स्थानीय चैरिटी संस्थाओं और संगठनों की मदद करना चाहते हैं। इसके साथ ही वह चाहते हैं कि अधिक से अधिक युवा सार्वजनिक सेवा और सामुदायिक जीवन में हिस्सा लें। तुषार ने संकल्प लिया कि वह समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को सुलझाने और युवाओं को प्रेरित करने का काम करेंगे।

अमेरिका की सैन डिएगो मस्जिद में गोलीबारी, पांच की मौत : इनमें एक गार्ड और दो संदिग्ध

सैन डिएगो, एजेंसी। अमेरिका के सैन डिएगो स्थित मस्जिद में सोमवार को गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक सिक्योरिटी गार्ड और दो संदिग्ध शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों संदिग्ध किशोर थे। एक की उम्र 17 साल और दूसरे की 19 साल थी। दोनों के शव मस्जिद के पास एक वाहन में मिले। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि उन्होंने खुद को गोली मारी।

इस मामले की जांच हेट क्राइम के एंगल से की जा रही है। हालांकि, हमले के पीछे की वजह पर फिलहाल ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। यह हमला इस्लामिक सेंटर ऑफ सैन डिएगो में हुआ। यह सैन डिएगो काउंटी की सबसे बड़ी मस्जिद है। परिसर में एक स्कूल भी है, जहां बच्चों को अरबी भाषा, इस्लामिक स्टडीज और कुरान की शिक्षा दी जाती है।

मस्जिद के बाहर मृत मिले तीन लोग : पुलिस : सैन डिएगो के पुलिस प्रमुख स्कॉट वाहल ने बताया कि मस्जिद में सक्रिय हमलावर की पहली सूचना सुबह 11:43 बजे मिली थी। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी चार मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस को इस्लामिक सेंटर के बाहर तीन मृत व्यक्ति मिले। एफबीआई ने बताया कि तीनों पीड़ित वयस्क पुरुष थे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति परिसर में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत था। इसी दौरान पुलिस को पास में ही गोलीबारी की सूचना

मिली। वाहल ने बताया कि अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, जो कुछ ही ब्लॉक दूर था, जहां उन्हें एक माली मिला जिस पर गोली चलाई गई थी, लेकिन उसे गोली नहीं लगी थी।

गोलीबारी की जांच जारी : इसके बाद पुलिस ने दो संदिग्धों का पता लगाया, जो एक वाहन में मृत पाए गए। एफबीआई के अनुसार, दोनों किशोर थे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि उनकी मौत खुद को गोली मारने से हुई है। गोलीबारी की घटना से जुड़े हालात और इसके पीछे का मकसद अभी भी जांच के दायरे में है।

एफबीआई स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद कर रही है। वाहल ने कहा कि चूंकि तीनों पीड़ित एक स्थानीय मस्जिद में थे, इसलिए जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि यह घृणा अपराध नहीं है, हम इसे घृणा अपराध मान रहे हैं। गैर-मुस्लिमों का दौरा चल रहा था मस्जिद के इमाम ताहा हस्साने ने बताया कि सोमवार को कुछ गैर-मुस्लिम लोग इस्लाम को समझने के लिए मस्जिद के दौरे पर आए थे। यह सेंटर अलग-अलग समुदायों के बीच संवाद और मेलजोल बढ़ाने के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी शिक्षक और छात्र सुरक्षित हैं। फिलहाल कोई खतरा नहीं है, लेकिन लोगों से मस्जिद से दूर रहने को कहा गया है। एहतियात के तौर पर सेंटर को पूरे दिन के लिए बंद कर दिया गया। मस्जिद की वेबसाइट के मुताबिक, यहां सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए धार्मिक गतिविधियां नहीं होतीं, बल्कि सामाजिक कामों में भी दूसरे समुदायों के साथ मिलकर काम किया जाता है। यहां रोज पांच वक्त की नमाज होती है।

गवर्नर बोले- कैलिफोर्निया मुस्लिम समुदाय के साथ है : कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मुस्लिम समुदाय से कहा कि कैलिफोर्निया आपके साथ खड़ा है। जहां परिवार और बच्चे जुटते हैं, जहां लोग शांति से इबादत करते हैं, वहां ऐसा हमला बेहद भयावह है। कैलिफोर्निया में नफरत की कोई जगह नहीं है।' उन्होंने बताया कि कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल और गवर्नर ऑफिस ऑफ इमरजेंसी सर्विसेज की टीमें मौके पर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर रही हैं।

शूटिंग के बाद खुद को मारा : जानकारी के मुताबिक पुलिस को जैसे ही एक्टिव शूटर की खबर मिली, वे 4 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंच गए। लेकिन तब तक मस्जिद के बाहर तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। वहीं मस्जिद में तबाही मचाने के बाद हमलावर वहां से भाग निकले। रास्ते में उन्होंने एक और शख्स पर गोली चलाई और फिर दोनों शूटरों ने अपनी कार में खुद को गोली मार ली। पुलिस चीफ ने बताया कि पुलिस की तरफ से कोई गोली नहीं चलाई गई थी, यह पूरी तरह आत्मघाती हमला था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 17 वर्षीय शूटर की मां ने हमले से ठीक दो घंटे पहले पुलिस को फोन किया था। मां ने घबराते हुए पुलिस को बताया था कि उनका बेटा 'सुसाइडल' है और घर से हथियार लेकर भागा है। इसके बाद जिस स्कूल में वह पढ़ता था, वहां पुलिस तैनात की गई। हालांकि तब तक शूटर मस्जिद की तरफ निकल चुके थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले पर प्रतिक्रिया दी है। वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे एक डरावनी स्थिति बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह एक बेहद भयानक स्थिति है। मुझे इस पर शुरुआती अपडेट्स मिले हैं, लेकिन हम इस पूरे मामले को बहुत गंभीरता से देखने वाले हैं।

'इस बार खाड़ी देशों की अपील पर रुके': ट्रंप ने टाला ईरान पर हमला, कहा- समझौता करो वरना हमले के लिए तैयार रहो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर होने वाले एक बड़े सैन्य हमले को फिलहाल के लिए टाल दिया है। यह हमला मंगलवार के लिए तय किया गया था, लेकिन आखिरी वक्त में खाड़ी देशों के सहयोगी नेताओं की अपील के बाद इसे रोक दिया गया है।

सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी दोनों पक्षों के बीच गंभीर बातचीत चल रही है, इसलिए उन्होंने मंगलवार को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले को रोक दिया है। इससे पहले उन्होंने ईरान को खुली चेतावनी दी थी कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो कमजोर पड़ चुके युद्धविराम के बाद फिर से भीषण लड़ाई शुरू हो जाएगी।

ट्रंप ने अमेरिकी सेना को क्या सख्त निर्देश दिए थे : इस योजनाबद्ध हमले के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं दी गई, लेकिन राष्ट्रपति ने साफ कहा कि उन्होंने अपनी सेना को पूरी तरह तैयार रहने को कहा है। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने सैन्य अधिकारियों को निर्देश दिया था कि अगर ईरान के साथ कोई स्वीकार करने लायक समझौता नहीं होता है, तो पल भर के नोटिस पर ईरान पर पूरी ताकत के साथ एक बड़ा हमला करने के लिए तैयार रहें। यह बयान दिखाता है कि अमेरिका पूरी तरह से हमले के मूड में था। ईरान पर हमले का प्लान

अचानक क्यों रोका गया? इससे पहले यह किसी को नहीं पता था कि 19 मई (मंगलवार) को ईरान पर हमले की कोई योजना है। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उन्होंने यह हमला मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) के अपने सहयोगी देशों की खास गुजारिश पर रोका है। इन सहयोगी देशों में कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बड़े नेता शामिल हैं। इन्हीं देशों के कहने पर फिलहाल हमले का इरादा टाल दिया गया है।

ट्रंप ने सप्ताहांत पर ईरान को क्या खुली चेतावनी दी थी : हमला टालने से ठीक पहले सप्ताहांत (वीकेंड) पर अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को बहुत ही कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि ईरान के लिए अब समय बहुत तेजी से खत्म हो रहा है। उन्होंने साफ कहा था कि ईरान को जल्दी से जल्दी कोई कदम उठाना चाहिए, वरना उनका नामोनिशान मिट जाएगा और वहां कुछ भी नहीं बचेगा। वे हफ्तों से धमकी दे रहे हैं कि अप्रैल के मध्य में हुआ युद्धविराम कभी भी खत्म हो सकता है।

मीडिया पर भड़के ट्रंप: ईरान युद्ध कवरेज को लेकर जताई नाराजगी, कहा-पागलपन भरी रिपोर्टिंग से देश को हुआ नुकसान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर मीडिया आउटलेट्स पर हमला बोला है। उन्होंने ईरान के साथ जारी संघर्ष से जुड़ी रिपोर्टिंग को लेकर मुख्यधारा के मीडिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्रंप ने सीधे तौर पर कहा है कि कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थान ईरान युद्ध को लेकर पूरी तरह से गलत, पक्षपातपूर्ण और भ्रामक तरीके से खबरें प्रसारित कर रहे हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मान लेते हैं कि ईरान पूरी तरह आत्मसमर्पण कर देता है। वह मान लेता है कि उसकी नौसेना खत्म हो चुकी है और समुद्र की तलहटी में डूब गई है। उसकी वायुसेना का नामोनिशान मिट चुका है। ईरान की पूरी सेना तेहरान से बाहर आ जाती है। वे अपने हथियार डाल देते हैं और हाथ ऊपर उठा लेते हैं। हर एक सैनिक सफेद झंडा लहराते हुए जोर-जोर से चिल्लाता है कि 'मैं सरेंडर करता हूं।' ईरान का बचा हुआ पूरा नेतृत्व आत्मसमर्पण के जरूरी दस्तावेजों पर दस्तखत कर देता है। वे महान और शक्तिशाली अमेरिका के सामने अपनी घुटने टेकने वाली हार स्वीकार कर लेते हैं।

ट्रंप ने आगे लिखा कि इसके बावजूद यह फेक न्यूज मीडिया देश को सच नहीं दिखाएगा। 'द फेलिंग न्यूयॉर्क टाइम्स', 'द चाइना स्ट्रीट जर्नल' और 'सीएनएन' जैसी संस्थाएं कुछ और ही खबर चलाएंगी। ये सब मिलकर अपने अखबारों और चैनलों पर यही बड़ी हेडलाइन लगाएंगे कि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर जीत हासिल की है। ये मीडिया संस्थान दिखाएंगे कि यह मुकाबला दूर-दूर तक बराबरी का नहीं था। ट्रंप ने कहा कि फेक मीडिया पूरी तरह अपना रास्ता भूल चुके हैं और सचमुच बिल्कुल पागल हो गए हैं। राष्ट्रपति ने अपने बयान में एक और बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि मीडिया की इन भ्रामक रिपोर्ट्स से दुश्मन देशों, विशेषकर ईरान को 'गलत संदेश' मिलता है।

केन्या में ईंधन कीमतों के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन, चार लोगों की मौत; दर्जनों घायल

नैरोबी , एजेंसी। केन्या की राजधानी नैरोबी में रिकॉर्ड ईंधन कीमतों के विरोध में राष्ट्रव्यापी सार्वजनिक परिवहन हड़ताल के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इन झड़पों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। आंतरिक मंत्री किपचूंबा मुरकोमेन ने बताया कि चार लोगों की मौत हुई है और 30 से अधिक घायल हुए हैं। हालांकि, उन्होंने मौतों के कारणों का खुलासा नहीं किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नैरोबी में पुलिस ने गोलीबारी की। मंत्री ने यह भी कहा कि 348 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें हिंसक अवैध विरोध प्रदर्शनों में उनकी संलिप्तता के लिए आरोपित किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों पर टायर जलाए और कम से कम दो

वाहनों में आग लगा दी। इस कारण कई उपनगरों में यात्रियों को परेशानी हुई और शहर का केंद्र सुनसान रहा। शुक्रवार को केन्या में ईंधन की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। डीजल की कीमतों में 23.5% और गैसोलीन में 8% की वृद्धि हुई। सरकार ने पिछली मूल्य वृद्धि का कारण ईरान युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति पर इसके प्रभाव को बताया था, लेकिन उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए करों में कटौती की थी। राष्ट्रपति विलियम रूटो, जो देश से बाहर हैं, ने नई मूल्य वृद्धि या विरोध प्रदर्शनों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। केन्या नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कहा कि बढ़ी हुई कीमतों से सभी वस्तुओं और सेवाओं पर असर पड़ेगा। चैंबर ने यह भी नोट किया कि अप्रैल से मई तक केन्या में मूल्य वृद्धि वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक थी, जो 'घरेलू लागत निर्माण की निरंतर भूमिका' की ओर इशारा करती है। भ्रष्टाचार के आरोपों में अक्टूबर 2024 में महाभियोग के बाद विपक्ष में शामिल हुए पूर्व उप-राष्ट्रपति रिगाथी गैचागुआ ने कीमतों में तेज वृद्धि के लिए भ्रष्ट व्यापारियों को जिम्मेदार ठहराया, जो अपने लाभ मार्जिन को बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने केन्या की ईंधन कीमतों की तुलना पड़ोसी युगांडा जैसे देशों से की, जहां कीमतें कम हैं और जो आयात के लिए केन्याई बंदरगाहों पर निर्भर हैं।

348 लोगों को किया गया गिरफ्तार : गृह मंत्री किपचुम्बा मुरकोमेन ने यह भी बताया कि 348 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन पर 'हिंसक और गैर-कानूनी' विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने का आरोप लगाया जाएगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन चार लोगों की मौत कैसे हुई, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नैरोबी में पुलिस ने गोलियां चलाई थीं।

'मोजतबा खामेनेई को चोटें आई थीं मगर...' अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अपने नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के युद्ध में घायल होने की पुष्टि कर दी है। सीनियर ईरानी अधिकारी ने बताया कि युद्ध की शुरुआत में हुए हमलों के दौरान खामेनेई को मामूली चोटें आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि कोई गंभीर बात नहीं हुई थी और मोजतबा खामेनेई अब सुरक्षित हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब पिछले कई हफ्तों से उनकी सेहत को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। कोई कह रहा था कि मोजतबा खामेनेई का चेहरा जल गया है तो किसी का कहना था कि उन्हें बेहद गंभीर चोटें आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी के अंत में शुरू हुए ईरान-इजरायल और अमेरिका के

बीच संघर्ष के शुरुआती हमलों में ईरान के कई शीर्ष सैन्य और राजनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इन्हीं हमलों में ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जिसके बाद मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता चुना गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि हमले में मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हुए थे और उन्हें पैर व चेहरे पर चोटें आई थीं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने इन दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई अफवाह बताया है।

मोजतबा खामेनेई को लेकर तरह-तरह की अटकलें : बीते दिनों सोशल मीडिया और कई विदेशी मीडिया संस्थानों में यह चर्चा भी तेज थी कि मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से सामने क्यों नहीं आ रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में यहां तक दावा किया गया कि उनकी हालत बेहद गंभीर है और वह इलाज करा रहे हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने लगातार यह कहा कि सुरक्षा कारणों से उनकी सार्वजनिक मौजूदगी सीमित रखी गई है। हाल में एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट की वजह से उन्हें हल्की चोट लगी थी, लेकिन अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और सरकारी कामकाज पर नजर बनाए हुए हैं।

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच मोजतबा खामेनेई की स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी बनी हुई है। युद्ध के बाद से ईरान की सत्ता संरचना और सैन्य रणनीति में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। विश्लेषकों का मानना है कि मोजतबा खामेनेई की सेहत और उनकी सार्वजनिक मौजूदगी आने वाले समय में ईरान की राजनीति और क्षेत्रीय समीकरणों पर असर डाल सकती है। फिलहाल ईरानी प्रशासन ने यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि उनके सर्वोच्च नेता सुरक्षित हैं और देश की कमान संभाल रहे हैं।

शांति की उम्मीदें खत्म: यूक्रेन पर रूसी ड्रोन-मिसाइलों की चौतरफा मार, ट्रंप की सारी कोशिशें नाकाम

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूसी सेना ने यूक्रेन के आठ राज्यों को निशाना बनाकर रातभर भीषण ड्रोन और मिसाइल हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को बताया कि इस ताजा हवाई हमले में रूस ने 524 विनाशकारी ड्रोन और 22 बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइलें दागीं। इस भारी गोलाबारी में 24 से अधिक नागरिक घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मध्य यूक्रेन का निप्रो शहर और उसके आसपास का इलाका इस हमले से सबसे ज्यादा दहला है। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों से संघर्षविराम की अपील की थी। ट्रंप ने जेलेंस्की और पुतिन से युद्ध रोकने को कहा था, लेकिन इसका कोई असर नहीं दिखा। अमेरिकी प्रयासों के बावजूद शांति समझौते के कोई संकेत नहीं हैं। पिछले सप्ताह भी रूस ने कीव में एक बहुमंजिला इमारत को मलबे में तब्दील कर दिया था, जहां 24 लोगों की मौत हो गई थी।

यूक्रेन ने रूस के आर्थिक ठिकानों को बनाया निशाना : युद्ध के चार साल से अधिक समय में यूक्रेन ने अपनी लंबी दूरी की मारक क्षमता को काफी मजबूत किया है। यूक्रेन अब रूस के तेल ठिकानों और अंदरूनी हिस्सों को निशाना बना रहा है। रविवार को यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। इसमें मॉस्को के पास तीन लोगों सहित कुल चार लोग मारे गए। रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने 24 घंटों में 1,000 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए या जाम किए, जिनमें से 80 मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे।

इसी बीच, यूक्रेन के रक्षा मंत्री मायखाइलो फेडोरोव ने एक बड़ा एलान किया है। यूक्रेन ने अपना पहला स्वदेशी ग्लाइड बम विकसित कर लिया है। इस बम में 250 किलोग्राम का वॉरहेड लगा है। यह अग्रिम मोर्चे से दर्जनों किलोमीटर पीछे बने बंकरों और कमांड पोस्ट को नष्ट करने में सक्षम है। यूक्रेनी पायलट इस समय युद्ध की वास्तविक स्थितियों में इसका प्रशिक्षण ले रहे हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की का मानना है कि उनकी लंबी दूरी की मारक क्षमता ने युद्ध की पूरी तस्वीर बदल दी है। दुनिया का नजरिया भी अब बदल रहा है। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उन्होंने यूक्रेन के हथियार कारखानों, ऊर्जा केंद्रों और बंदरगाहों पर सटीक मिसाइल हमले किए हैं और उनके सभी लक्ष्य पूरे हुए हैं। इन लगातार हमलों से यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली पर भारी दबाव है। इस तनाव के बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह बीजिंग में चीनी नेता शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। लेकिन इस दौरे से ठीक पहले, यूक्रेन की नौसेना ने दावा किया है कि ओडेसा के पास ब्लैक सी में एक रूसी ड्रोन ने चीन के स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज को निशाना बनाया है।

इस्लामपुरा होगा कृष्ण नगर, मुस्तफाबाद बनेगा धर्मपुरा, पाकिस्तान में बदलेंगे सड़कों के नाम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर की कई सड़कों और गलियों के आजादी से पहले के नाम को बहाल करने की योजना को मंजूरी दे दी है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इसका उद्देश्य शहर की विभाजन-पूर्व विरासत को पुनर्जीवित करना है। पिछले कुछ दशकों में लाहौर की कई ऐतिहासिक सड़कों और गलियों के नाम बदल दिए गए। इसके तहत ब्रिटिशकालीन और हिंदू धर्म से जुड़े नामों को बदलकर इस्लामी, पाकिस्तानी या स्थानीय हस्तियों से जुड़े नये नाम रखे गए।

कैबिनेट बैठक में दी गई मंजूरी : पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री मरियम नवाज की अध्यक्षता में हुई पंजाब कैबिनेट की बैठक में लाहौर और उसके आसपास के इलाकों की विभिन्न सड़कों और गलियों के मूल और ऐतिहासिक नामों को बहाल करने की योजना को मंजूरी दी गई थी।' उन्होंने कहा कि यह निर्णय इस ऐतिहासिक शहर की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए लिया गया है।

नवाज शरीफ कर रहे हैं अगुवाई : उन्होंने बताया कि इस पहल का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ कर रहे हैं, जो लाहौर विरासत क्षेत्र पुनरुद्धार परियोजना के प्रमुख भी हैं। उनके प्रस्ताव को पिछले सप्ताह कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी।

इन ऐतिहासिक स्थानों का नाम बदला गया था : लाहौर की ऐतिहासिक गलियों और सड़कों का नाम पिछली सरकारों ने बदल दिया गया था, जिनमें क्वींस रोड, जेल रोड, डेविस रोड, लॉरेंस रोड, एम्प्रेस रोड, कृष्ण नगर, संत नगर, धरमपुरा, ब्रैंडरेथ रोड, राम गली, टेम्पबेल स्ट्रीट, लक्ष्मी चौक, जैन मंदिर रोड, कुम्हारपुरा, मोहन लाल बाजार, सुंदर दास रोड, भगवान पुरा, शांति नगर और आउटफॉल रोड शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पहल के

तहत इस्लामपुरा का नाम कृष्ण नगर, बाबरी मस्जिद चौक को जैन मंदिर चौक, मुस्तफाबाद को धर्मपुरा बनाया गया है। शरीफ ने मिंटो पार्क (ग्रेटर इकबाल पार्क) में तीन क्रिकेट मैदानों और एक पारंपरिक 'अखाड़ा' (कुश्ती अखाड़ा) के जीर्णोद्धार का भी प्रस्ताव रखा है, जिसे व्यापक रूप से नुकसान की भरपाई की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। उनके भाई प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को 2015 में पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शहरी विकास कार्यक्रम के तहत तीन ऐतिहासिक क्रिकेट मैदानों, क्रिकेट क्लबों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों और एक कुश्ती अखाड़े को ध्वस्त करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

क्यों ऐतिहासिक है मिंटो पार्क : पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक जैसे कई क्रिकेटरों ने मिंटो पार्क के इन क्रिकेट क्लबों में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। विभाजन से पहले भारतीय क्रिकेटर लाला अमरनाथ भी इन क्लबों में प्रशिक्षण लेने जाते थे। जब अमरनाथ 1978 में भारतीय क्रिकेट टीम के साथ लाहौर गए, तो वह मिंटो पार्क गए और 'क्रिसेंट क्रिकेट क्लब' के खिलाड़ियों के साथ समय बिताया। वह देश के विभाजन तक इसी क्लब से खेलते थे। मिंटो पार्क में ध्वस्त हो चुके कुश्ती के अखाड़े में कभी गूंगा पहलवान, इमाम बख्श और गामा पहलवान जैसे दिग्गज पहलवानों के मुकाबले होते थे। विभाजन से पहले हिंदू मिंटो पार्क में दशहरा का त्योहार मनाते थे।

नींद और थकावट आने पर ध्यान दें

- गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट दूर हो जाएगी
- जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान जरूर दें

पर्याप्त नींद लेना सेहत के लिए जरूरी है। पर्याप्त न सो पाने या रात भर पार्टी में व्यस्त रहने पर शायद आपको थकावट और नींद आने पर कुछ उपायों की आवश्यकता पड़े। जब आपके शरीर को आराम करने की सख्त जरूरत हो तो अपने आप को जगाए रखना गलत बात है। लेकिन कई बार हमें बहुत आवश्यक कार्य करने होते हैं तो हमें जागना ही पड़ता है चाहे जो भी हो। नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए सुझाए गए इन उपाय करने पर नींद से उभरा जा सकता है।

पानी ज्यादा पीएं : अगर आपके शरीर में पानी की कमी होगी तो आप ज्यादा थकान महसूस करेंगे। वैसे भी हर दिन पर्याप्त पानी पीना चाहिए लेकिन नींद आने और थकान लगने पर जागते रहने के लिए थोड़ा ज्यादा पानी पीना चाहिए। गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट में ज्यादा चौकन्ने रहेंगे।

सूर्य का प्रकाश : सूर्य का प्रकाश तुरंत और प्रभावशाली रूप से मूड को ठीक करता है। यह विटामिन-डी के उत्पादन को प्रेरित करता है और मौसम के कारण होने वाले मूड में बदलाव से बचाता है। जब आपको नींद आ रही हो तो सूर्यप्रकाश जागते रहने में सहायक है। अपने पदरे को खोलें और सूर्य के प्रकाश को अंदर आने दें।

गहरी-गहरी सांसें लें : सांस लेने की यह विधा जागते रहने में सहायक है। अपनी नाक से सांसों को अंदर-बाहर छोड़ें तथा अपने पेट को डायफ्राम की तरफ खींचें। बेहतर परिणाम के लिए इसे शीघ्रता से करने का प्रयास करें। इसे आप भोजनावकाश में भी कर सकते हैं।

हर 30 मिनट में क्रियाशील हो जाएं : पूरा दिन कंप्यूटर या टीवी के सामने रहने से आप और भी थकान और नींद महसूस करेंगे। जागते रहने के लिए आपके शरीर को क्रियाशील रहने की आवश्यकता होती है। दिन भर कहीं ज्यादा तरोताजा रहने के लिए हर तीस मिनट पर उठकर अपने पैरों को खींचें।

थोड़ी झपकी ले लें : नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए झपकी लेना सबके लिए नहीं है, लेकिन यह कारगर है। चाहे यह केवल 10 से 15 मिनट की ही हो लेकिन यह चमत्कारी होता है। हलांकि कुछ लोगों को झपकी के बाद और नींद आती है। झपकी के बाद नींद का अहसास दूर होने में 35 मिनट तक का समय लग सकता है।

ताजी हवा : जब आपको नींद आ रही हो तो जागते रहने के लिए ताजी हवा की गहरी सांस की शायद कहीं ज्यादा फायदेमंद होगी। अगर आप काम पर हैं तो खिड़कियों को खोलें या फिर ब्रेक में या भोजनावकाश में बाहर निकलें। अगर आप कार में हैं तो खिड़कियों को खोल कर अंदर की हवा को तरोताजा करें।

थोड़ा टहलें : बैठे रहने से नींद नहीं जाती है। जब आपको नींद आए तो आपके चाहे कितने ही काम पड़े हों थोड़ा टहल कर आएं। यह नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने में बहुत कारगर है। अगर आप काम पर हैं और बहुत दूर जाना मुमकिन न हो तो कुछ पेय बनाएं या फिर अपने सहकर्मी के पास तक जाएं।

सही भोजन चुनें : जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। नाश्ते को न छोड़े और दोपहर के भोजन में वसा युक्त भोजन न लें। दिन भर प्रोटीन से भरपूर कुछ हल्का-फुल्का अवश्य लेते रहें और कॉफी तथा अन्य पेय पदार्थों से परहेज करें।

दिल को बल देता है पीपल

पीपल में काफी तकत होती है। ये ऑक्सीजन के साथ-साथ किडनी व दिल के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। पीपल के 15 पत्ते लें जो कोमल गुलाबी कोंपलें न हों, बल्कि पत्ते हरे, कोमल व भली प्रकार विकसित हों। प्रत्येक का ऊपर व नीचे का कुछ भाग कैंची से काटकर अलग कर दें। पत्ते का बीच का भाग पानी से साफ कर लें। इन्हें एक गिलास पानी में धीमी आंच पर पकने दें। जब पानी उबलकर एक तिहाई रह जाए तब ठंडा होने पर साफ कपड़े से छान लें और उसे ठंडे स्थान पर रख दें, दवा तैयार। इस काढ़े की तीन खुराकें बनाकर प्रत्येक तीन घंटे बाद प्रातः लें। हार्ट अटैक के बाद कुछ समय हो जाने के पश्चात लगातार पंद्रह दिन तक इसे लेने से हृदय पुनः स्वस्थ हो जाता है और फिर दिल का दौरा पड़ने की संभावना नहीं रहती। दिल के रोगी इस नुस्खे का एक बार प्रयोग अवश्य करें।

प्रयोगकाल में तली चीजें, चावल आदि न लें

मांस, मछली, अंडे, शराब, धूम्रपान का प्रयोग बंद कर दें

नमक, चिकनाई का प्रयोग बंद कर दें

1. दिल को ताकत देते हैं ये पत्ते : पीपल के पत्ते में दिल को बल और शांति देने की अद्भुत क्षमता है।

2. किसी समय लेना चाहिए : इस पीपल के काढ़े की तीन खुराकें सवेरे आठ बजे, ग्यारह बजे व दो बजे ली जा सकती हैं।

3. नाश्ता करने के बाद लें खुराक : पीपल खुराक लेने से पहले पेट एक दम खाली नहीं होना चाहिए, बल्कि सुपाच्य व हल्का नाश्ता करने के बाद ही लें।

4. ये चीजें न लें : प्रयोगकाल में तली चीजें, चावल आदि न लें। मांस, मछली, अंडे, शराब, धूम्रपान का प्रयोग बंद कर दें। नमक, चिकनाई का प्रयोग बंद कर दें।

5. कौन सी चीजें लें : अनार, पपीता, आंवला, बथुआ, लहसुन, मैथी दाना, सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ आदि लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेंष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मनः स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)

पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा भे)

अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

हंसी के फव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए!'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार!'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार!'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

काकुरो पहेली - 4060

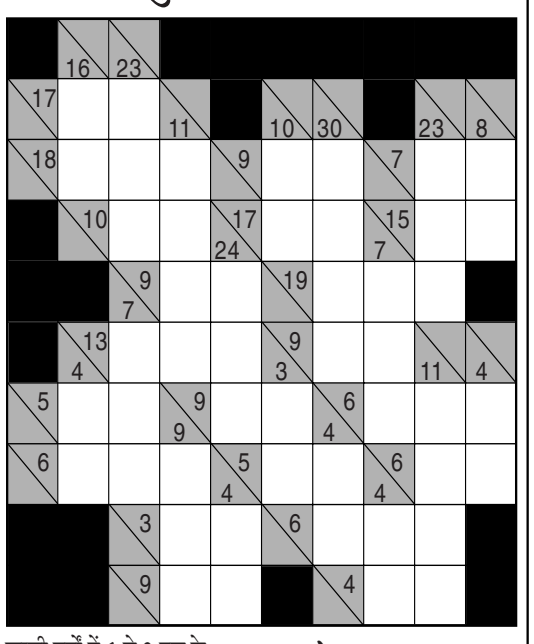

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

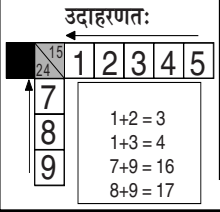

काकुरो - 4060 का हल

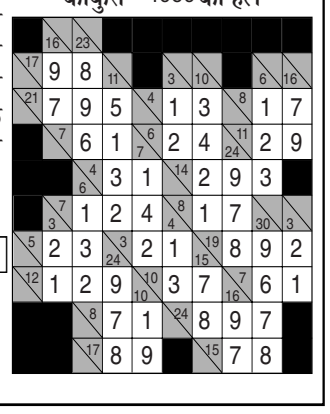

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

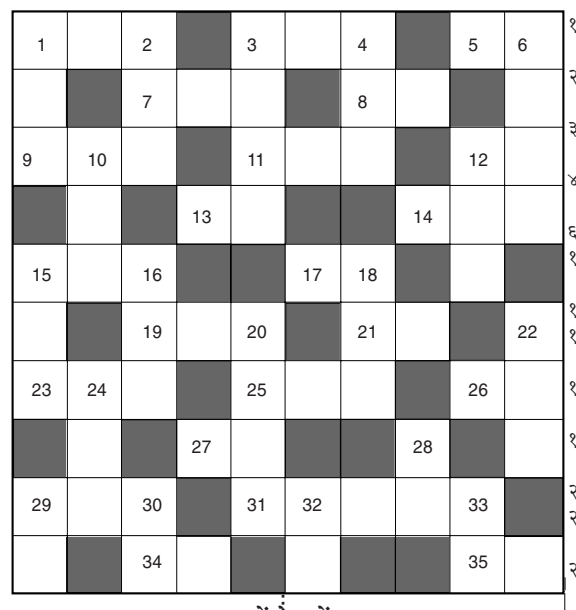

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक ?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक ?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका ?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

ब्लै	क	मे	ल		सौ	दा	ग	र	
	ज		की	म	त		द		माँ
आं		सू	र		न	फ	र	त	
दो	रा	हा		खे		की		नु	
ल		ग	ज	ल		रा	जा	जा	नी
न			मी		सं		ल		य
	गॅ	वा	र		जो	र		अं	त
को		रि		आ	ग		जो	श	
ह	व	स		द		खु	शी		लै
रा			ज	मी	न		ला	ड	ला

सूडोकु -4060

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -696 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	4058		4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली -4060

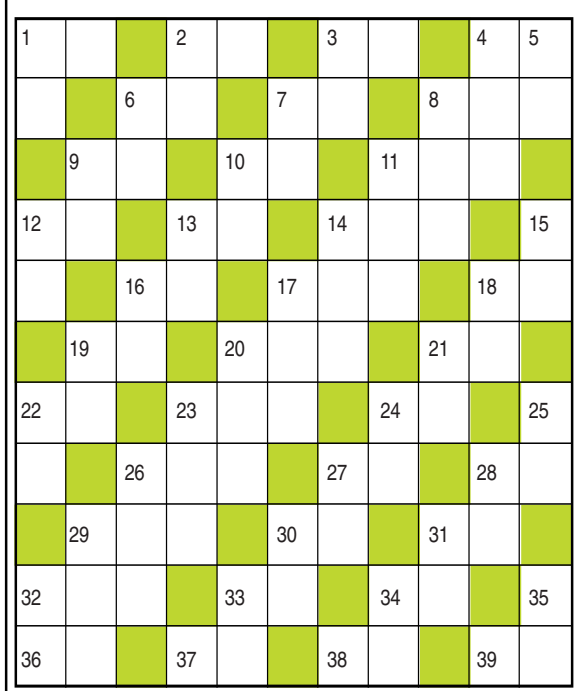

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.खिाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -4060 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	क्ष	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		या	र		र	च	ना
स	दा		च	खु		न	भ		रा	ल

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन, रातभर चला रेस्क्यू, श्रद्धालु सुरक्षित

एजेंसी

केदारनाथ। केदारनाथ मंदिर यात्रा मार्ग पर रात हुई तेज बारिश के बाद सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग के तीन स्थानों पर भूस्खलन होने से यात्रा प्रभावित हो गई। हालांकि जिला प्रशासन, एनडीआरएफ एसडीआरएफ और पुलिस की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया और हजारों श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। प्रशासन के अनुसार 19 मई तक 6.94 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। रात में भारी बारिश के कारण मार्ग पर मलबा आने से आवागमन बाधित हो गया था। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्थिति की निगरानी शुरू कर अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। राहत टीमों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच करीब 30 मिनट में पैदल मार्ग को आंशिक रूप से सुचारु कर दिया। इसके बाद रातभर अभियान चलाकर यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी और राहत कार्य जारी रखा। बाद में जेसीबी से मलबा हटाकर मार्ग को दोबारा खोल दिया गया। प्रशासन ने कहा है कि यात्रा फिलहाल नियंत्रित ढंग से संचालित की जा रही है और मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बंद होने की कगार पर है गरगा का राष्ट्रीय ध्वज उत्पादन केंद्र

धारवाड़। एक समय स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि, खादी आंदोलन का प्रमुख केंद्र और राष्ट्रीय ध्वज निर्माण की पहचान रखने वाला कर्नाटक का धारवाड़ जिले का गरगा गांव आज गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। देश के आधिकारिक तिरंगे के लिए हाथकरघा कपड़ा तैयार करने वाला एकमात्र बीआईएस प्रमाणित केंद्र होने के बावजूद गरगा क्षेत्रीय सेवा संघ बिक्री में गिरावट, मजदूरों की कमी और बदलते बाजार के कारण अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। धारवाड़ मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित गरगा गांव ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और खादी परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र सीमा से सटे इस गांव की पहचान कभी सामाजिक झगड़ों और नशे की प्रवृत्ति के लिए भी थी, लेकिन शिक्षा, जागरूकता और औद्योगिक विकास के कारण गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। देश में आधिकारिक तिरंगे के लिए हाथ से बुने कपड़े के उत्पादन की अनुमति प्राप्त कुछ चुनिंदा केंद्रों में गरगा भी शामिल था। महाराष्ट्र के लातूर जिले के समीप स्थित उदगीर खादी केंद्र ने उत्पादन बंद किए जाने के बाद अब गरगा ही देश का एकमात्र बीआईएस प्रमाणित राष्ट्रीय ध्वज उत्पादन केंद्र रह गया है। धारवाड़ तालुक क्षेत्रीय सेवा संघ के अध्यक्ष बसवप्रभु होस्केरी ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज निर्माण में गरगा की भूमिका ऐतिहासिक रही है, लेकिन आज पूरा खादी क्षेत्र संकट से गुजर रहा है।

दिल्ली मंडल के गाजियाबाद इलेक्ट्रिक लोको शेड में 300वें लोको पर 'कवच' सिस्टम स्थापित

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के अंतर्गत गाजियाबाद स्थित इलेक्ट्रिक लोको शेड ने रेल सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 300वें लोकोमोटिव पर स्वदेशी 'कवच' प्रणाली की स्थापना का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे में सबसे तेज गति से कवच इंस्टॉलेशन पूरा करने वाले लोको शेड के रूप में दर्ज की गई है। विद्युत लोको शेड, गाजियाबाद ने 16 मई को 300वें कवच युक्त लोको को सफलतापूर्वक तैयार किया। साथ ही शेड ने कवच प्रणाली के इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। शेड ने क्रमशः 100वां, 200वां और 300वां कवच लोको भी रिकॉर्ड समय में तैयार किया। इसके अलावा गाजियाबाद इलेक्ट्रिक लोको शेड ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एक ही दिन में लोको संख्या 30623 (डब्ल्यूएपी-7) में कवच इंस्टॉलेशन का कार्य 10 सितंबर 2024 को सफलतापूर्वक पूरा किया था, जो भारतीय रेल में तेज कार्य निष्पादन का उदाहरण माना जा रहा है। कवच प्रणाली के प्रसार और तकनीकी जानकारी साझा करने के उद्देश्य से शेड ने एक दिवसीय सात प्रशिक्षण सत्रों का भी आयोजन किया। इन सत्रों में भारतीय रेलवे के 71 लोको शेडों से कुल 309 अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

एनएचआरसी का अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने इस माह (मई) के लिए ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कर दिया है। एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणियन ने बताया कि दो सप्ताह का यह कार्यक्रम 29 मई 2026 को समाप्त होगा। विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमियों से 100 विश्वविद्यालय स्तरीय छात्रों को 1,417 आवेदकों में से चुना गया है। भारतीय धर्मग्रंथों में सबसे बड़ा धर्म माने जाने वाले 'दया' या सहानुभूति के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को समाज और मानवाधिकारों के मुद्दों के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण, निष्पक्ष और संवेदनशील बनाना है। एनएचआरसी के महासचिव भरत लाल ने दैनिक जीवन में संवेदनशीलता और करुणा की आवश्यकता पर जोर देते हुए, प्रशिक्षुओं से जरूरतमंदों की सहायता करने का आग्रह किया। उन्होंने दो सप्ताह के इस कार्यक्रम के उद्देश्य को रेखांकित किया, जिसका लक्ष्य प्रशिक्षुओं के चरित्र निर्माण और उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है।

हिमाचल प्रदेश की नाथपा झाकड़ी परियोजना में बांध सुरक्षा पर तकनीकी चर्चा, स्कूली बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली और किया पौधरोपण

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की नाथपा झाकड़ी जलविद्युत परियोजना में बांध सुरक्षा और आपदा तैयारी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र और सामुदायिक भागीदारी पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में स्कूली बच्चों ने जागरूकता रैली निकाली और पौधरोपण किया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्थानीय लोगों को बांध सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में एनडीएसए के सदस्य (प्रशासन एवं वित्त) सौरभ अग्रवाल ने कहा कि आपदा जोखिम को कम करने और आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करने में जागरूक और तैयार समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किन्नौर के उपायुक्त अमित कुमार शर्मा

और नाथपा झाकड़ी जलविद्युत परियोजना के परियोजना प्रमुख राजीव कपूर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक भागीदारी, संस्थागत समन्वय और आपदा तैयारी की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम के दौरान एनडीएसए के उपनिदेशक मोहम्मद जीशान ने बांध सुरक्षा अधिनियम-2021 के प्रावधानों पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम बांध सुरक्षा प्रशासन और आपदा तैयारी तंत्र को मजबूत बनाने में सहायक हैं। कार्यक्रम में भारत मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, गुजरात राज्य बांध सुरक्षा संगठन, उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड, जिला प्रशासन और नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन के अधिकारियों ने भाग लिया। डाउनस्ट्रीम क्षेत्र के आठ गांवों के प्रतिनिधि और स्थानीय निवासी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, निर्णय सहयोग प्रणाली, उपग्रह एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित प्रबंधन, आपातकालीन प्रतिक्रिया तैयारी और मौसम पूर्वानुमान तंत्र जैसे विषयों पर तकनीकी प्रस्तुतियां भी दी गईं।

ग्रेट निकोबार परियोजना पर सवाल उठाने वालों को सरकार बता रही चीन समर्थक: जयराम रमेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आज आरोप लगाया कि वह ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर पर्यावरणीय चिंताओं को उठाने वालों को चीन समर्थक बताकर मुद्दे को भटकाने का प्रयास कर रही है। पार्टी में संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सरकार का रवैया विरोधियों को बदनाम करने जैसा है। वर्ष 2020 में लद्दाख में हुई घटनाओं के बाद सरकार के रुख को लेकर कई चिंताएं सामने आई थीं। भारत और चीन के बीच बातचीत के दौरान कुछ क्षेत्रों में पारंपरिक गश्त और अधिकारों से जुड़े प्रावधानों में बदलाव हुए हैं। उन्होंने व्यापार घाटे और रणनीतिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को चीन की आर्थिक और रणनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा, लेकिन ग्रेट निकोबार परियोजना मुख्य रूप से एक व्यावसायिक परियोजना है। इसमें प्रस्तावित ट्रांसशिपमेंट पोर्ट का सैन्य ढांचे से कोई संबंध नहीं है। जयराम रमेश ने दावा किया कि अंडमान-निकोबार कमांड के कुछ क्षेत्रों में सैन्य ढांचे के विस्तार से जुड़े सुझावों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना के पीछे बड़े कॉरपोरेट हित जुड़े हो सकते हैं, जिससे पर्यावरण और स्थानीय आबादी पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका है। यह परियोजना पारिस्थितिकी और मानवीय दृष्टि से बड़े जोखिम पैदा कर सकती है।

शुभेंदु अधिकारी के निजी सहयोगी की हत्या के मामले में पांचवां आरोपित गिरफ्तार, वाराणसी से पकड़ा गया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने वाराणसी से एक और आरोपित को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह चंद्रनाथ रथ की हत्या से जुड़े मामले में पांचवीं गिरफ्तारी है।

अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित की पहचान विनय राय उर्फ पपम राय के रूप में हुई है, जिसे मंगलवार रात को हिरासत में लिया गया। वह मूल रूप से गाजीपुर जिले के जमानी क्षेत्र का निवासी है, लेकिन पिछले कई वर्षों से वाराणसी में रहकर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहा था। सीबीआई ने आरोपित को वाराणसी की स्थानीय अदालत में पेश किया, जहां से दो दिन की ट्रांजिट रिमांड हासिल कर उसे आगे की पूछताछ के लिए कोलकाता लाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया इनपुट और साक्ष्यों के आधार पर आरोपित को रिजर्व पुलिस लाइंस क्षेत्र से हिरासत में लिया गया। एजेंसी ने गिरफ्तारी से जुड़ी सभी कानूनी

प्रक्रियाएं पूरी कीं, जिसमें कैंटोनमेंट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराना और मेडिकल जांच शामिल है। इसके बाद आरोपित को अदालत में पेश किया। यह मामला पश्चिम बंगाल पुलिस से सीबीआई को सौंपा गया है। केंद्रीय एजेंसी ने हत्या और आपराधिक साजिश सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया है। इससे पहले आरोपितों मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य (बक्सर, बिहार) तथा राज सिंह (बलिया, उत्तर प्रदेश), को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसियों का मानना है कि ये सभी कथित तौर पर सुपारी किलर हैं। ही सीबीआई ने एक अन्य आरोपित राज कुमार सिंह को मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया है। उसके परिवार ने दावा किया है कि उन्हें उसके किसी भी आपराधिक गतिविधि या सह-आरोपितों से संबंध की जानकारी नहीं है।

फोर्ट विलियम में तैनात कर्नल रिश्वतखोरी मामले में गिरफ्तार, सीबीआई कर रही बड़े नेटवर्क की जांच

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के फोर्ट विलियम स्थित सेना मुख्यालय में तैनात कर्नल को कथित रिश्वतखोरी और टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया है। आरोपित अधिकारी की पहचान कर्नल हेमांशु बाली के रूप में हुई है, जो सेना की पूर्वी कमान के अंतर्गत आर्मी ऑर्डनेंस कोर में कार्यरत थे। सीबीआई के अनुसार, कर्नल बाली पर एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए टेंडर प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने, बिल पास कराने और निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री की आपूर्ति को मंजूरी देने के गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसी ने इस मामले में कानपुर स्थित एक निजी कंपनी के मालिक मयंक अग्रवाल और उनके पुत्र अक्षत अग्रवाल के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की है। सीबीआई का दावा है कि मार्च और अप्रैल के दौरान कर्नल बाली और कंपनी के प्रतिनिधियों के बीच कई बार संपर्क हुआ था।सूत्रों के मुताबिक, कोलकाता के पार्क स्ट्रीट इलाके में अक्षत अग्रवाल और कर्नल

बाली की मुलाकात हुई थी, जिसके बाद कंपनी को 24 अप्रैल को एक बड़ा टेंडर हासिल हुआ। आरोप है कि इस टेंडर के बदले 50 लाख की रिश्वत ली गई। जांच में यह भी सामने आया है कि रिश्वत की रकम हवाला के जरिए दिल्ली भेजे जाने की योजना बनाई गई थी। सीबीआई अब बैंक लेनदेन, कॉल रिकॉर्ड और हवाला नेटवर्क से जुड़े संभावित संपर्कों की गहन जांच कर रही है। एजेंसी को संदेह है कि इस पूरे मामले में सेना के अन्य अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। इसी संभावना को देखते हुए सीबीआई पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है। फिलहाल, आरोपित कर्नल को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और आने वाले दिनों में कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

राजस्थान को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में विश्व स्तर पर मिला प्रथम सम्मान

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान ने तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा वर्ष 2026 के 'वर्ल्ड नो टोबैको डे अवॉर्ड' के तहत राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्व स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया है। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में राजस्थान को यह प्रतिष्ठित सम्मान डब्ल्यूएचओ द्वारा वर्ष 2025-26 में तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर दिया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान राज्य सरकार की जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता, प्रभावी नीतियों तथा तम्बाकू मुक्त राजस्थान के संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन विशेषकर युवाओं को तम्बाकू के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। यह सम्मान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन,

चिकित्सा कर्मियों एवं सामाजिक संगठनों के सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राजस्थान ने तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में देशभर में एक मॉडल स्थापित किया है। राज्य में तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श सेवाओं का व्यापक विस्तार किया गया है, जिसका लाखों लोगों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भविष्य में भी जनजागरूकता और प्रभावी कानून प्रवर्तन के माध्यम से तम्बाकू नियंत्रण अभियान को और मजबूत करेगी। राज्य में ब्लॉक स्तर तक 500 से अधिक तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों को जियो-टैग कर आमजन की सुविधा के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया गया है ताकि जरूरतमंद व्यक्ति निकटतम केंद्र तक आसानी से पहुंच सके। साथ ही, 'सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003' तथा 'इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम-2019' के तहत प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तम्बाकू निषेध से जुड़े 60 हजार से अधिक संदेश अपडेट्स, शेयरिंग कर व्यापक स्तर पर अभियान चलाए गए। राज्य के 83 हजार से अधिक विद्यालयों में 'तम्बाकू मुक्त विद्यालय' संबंधी निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराई गई तथा लगभग 2 लाख 55 हजार जनजागरूकता गतिविधियां जैसे नुक्कड़ नाटक, प्रतियोगिताएं एवं रैलियां आदि का आयोजन किया गया। तम्बाकू मुक्त ग्राम अभियान को भी प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है तथा इसे आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूएचओ द्वारा विश्वभर के देशों को 6 रीजन्स यथा अफ्रीकन रीजन, रीजन आफ अमेरिकाज, ईस्टर्न मेडिटेरेनियन रीजन, यूरोपियन रीजन, साउथ एशिया रीजन एवं वेस्टर्न पेसिफिक रीजन में विभाजित कर यह अवार्ड दिया जाता है। डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी 'वर्ल्ड नो टोबैको डे 2026 अवॉर्ड' सूची में राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

सीबीआई ने डीडीए के सतर्कता अधिकारी और कर्मचारी को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के सहायक सतर्कता अधिकारी दीपक यादव और बहु-कार्य कर्मचारी (एमटीएस) तरुण को 50 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों पर एक सतर्कता मामले में अनुकूल जवाब भेजने के बदले रिश्वत मांगने और लेने का आरोप है।

सीबीआई के अनुसार, यह मामला 18 मई को डीडीए के पूर्व उपनिदेशक की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि डीडीए के सहायक सतर्कता अधिकारी दीपक यादव ने शिकायतकर्ता के खिलाफ चल रहे सतर्कता मामले में उसके मूल विभाग को अनुकूल जवाब भेजने के बदले पांच लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। जांच एजेंसी ने बताया कि बातचीत के बाद आरोपित तीन लाख रुपये लेने पर सहमत हो गया। इसके बाद सीबीआई ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और

18 मई को दीपक यादव को डीडीए के बहु-कार्य कर्मचारी तरुण के माध्यम से 50 हजार रुपये रिश्वत की पहली किस्त लेते समय रंगे हाथों पकड़ लिया। यह राशि कुल तय तीन लाख रुपये का हिस्सा थी। सीबीआई ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

भीषण गर्मी की चपेट में मध्य प्रदेश, नौगांव में 47 डिग्री पहुंचा तापमान, लू से दो लोगों की मौत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश इन दिनों भीषण गर्मी और तेज लू की चपेट में है और इसका असर अब जनजीवन पर भी दिखाई देने लगा है। प्रदेश में तेज गर्मी और लू जैसे हालात के बीच दो लोगों की मौत हो गई। दोनों को हीट स्ट्रोक यानी लू लगने की आशंका जताई गई है।राजधानी भोपाल और इंदौर समेत प्रदेश के कई जिलों में गर्म हवाएं चलीं। दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बाजार और सड़कें सूनी नजर आईं। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान छतरपुर जिले के नौगांव में 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक रहा। इसके चलते नौगांव में तीव्र लू चली। वहीं दतिया, गुना, राजगढ़, खजुराहो, दमोह, सागर, ग्वालियर, रायसेन, श्योपुर, रीवा और रतलाम सहित कई जिलों में लू चली।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिन प्रदेश में भीषण गर्मी और तापमान में 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। कई शहरों में लू जैसे हालात बने हुए हैं और फिलहाल राहत के संकेत नहीं हैं। सतना जिले के मझगवां बाजार में खरीदारी करने पहुंचे 50 वर्षीय देवराज सिंह गोंड की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। घटना के समय इलाके में तापमान 45 डिग्री के पार था। डॉक्टरों

ने पोस्टमार्टम नहीं होने के कारण मौत की वजह की पुष्टि नहीं की है, हालांकि लू लगने की आशंका जताई जा रही है।इसी तरह टीकमगढ़ में ओरछा से आ रही एक यात्री बस में महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक शुरुआती तौर पर मामला हीट स्ट्रोक यानी लू से जुड़ा लग रहा है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ होगी। प्रदेश में तापमान लगातार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है। छतरपुर के नौगांव में पारा रिकॉर्ड 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो खजुराहो से भी ज्यादा रहा। खजुराहो में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में 22 शहर ऐसे रहे, जहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार नौगांव और खजुराहो के बाद दतिया तीसरा सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 45.8 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़ में 45.6 डिग्री, दमोह में 45.5 डिग्री, शाजापुर, टीकमगढ़, गुना और सागर में 45.2 डिग्री, सतना में 45.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। प्रदेश के बड़े शहरों में ग्वालियर में सीजन में पहली बार तापमान 45 डिग्री तक पहुंचा। जबलपुर में 44.6 डिग्री, भोपाल में 44.2 डिग्री, उज्जैन में 43.8 डिग्री और इंदौर में 43.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया मौसम विभाग ने दतिया, भिंड, रीवा, सतना, पन्ना, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी समेत कई जिलों में तीव्र ऊष्ण लहर की चेतावनी जारी करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, शाजापुर, मंदसौर और अन्य जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

देश नक्सलवाद से मुक्त हुआ, उसी तरह आपराधिक मुकदमे को अंजाम तक पहुंचाने का लक्ष्य पूरा करना है : अमित शाह

एजेंसी

जगदलपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली की तीनों नवीन न्याय संहिता पर बहुत अच्छा अमल हुआ है। गंभीर अपराधों में शासन को गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब भी इसमें बहुत सारे मुद्दे ऐसे हैं जिनके क्रियान्वयन पर हमें बल देना होगा। गृह मंत्री ने कहा कि जिस तरह से हमने देश को नक्सलवाद से मुक्त किया है, उसी तरह से 3 साल में हर आपराधिक मुकदमे को सुप्रीम कोर्ट तक अंजाम देने का लक्ष्य हमें 2029 से पहले पूरा करना है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित इन सदस्य राज्यों और केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यह बैठक केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत अंतर-राज्य परिषद सचिवालय द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार की मेज़बानी में आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह बहुत हर्ष का विषय है कि यह बैठक बस्तर में आयोजित की जा रही है और इससे पहले ही आज पूरा बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि आज भारत के नक्सल मुक्त होने का संपूर्ण श्रेय हमारे सुरक्षाबलों के जवानों के परिश्रम और बहादुरी को जाता है। हमारी एजेंसियों ने बहुत सटीकता के साथ इनपुट एकत्र किए, सभी राज्यों के पुलिसबलों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफएस) के साथ मिलकर हर इनपुट पर सटीक कार्रवाई करने से संबंधित समयबद्ध निर्णय किए। इसके साथ ही सभी राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार के सभी विभागों ने नक्सलमुक्त हुए क्षेत्रों में विकास को पहुंचाने का काम किया। अमित शाह ने कहा कि हमारी लड़ाई समाप्त नहीं हुई है क्योंकि नक्सल प्रभावित क्षेत्र लगभग पांच दशक से विकास की दौड़ में पिछड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इन क्षेत्रों को विकास के मामले में देश के बाकी क्षेत्रों के समकक्ष नहीं ले आते, तब तक हमारी लड़ाई समाप्त नहीं होगी। केन्द्रीय गृह मंत्री ने पूरे देश के नक्सल मुक्त होने के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में जो भी चीजें चाहिए थीं, उन्होंने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के साथ समन्वय कर उन्हें प्राप्त किया और जहां नेतृत्व की जरूरत थी, वहां मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने नेतृत्व भी प्रदान किया और इसी का परिणाम है कि आज बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। अमित शाह ने कहा कि राज्यों के बीच के और राज्यों और केन्द्र के बीच के सभी विवादित मुद्दे समाप्त कर हम आज एक अच्छे वातावरण में यह बैठक कर रहे हैं। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लगभग सात राज्यों को जोड़ता है और इस दृष्टि से पूरे मध्य क्षेत्र का बहुत महत्व है। गृह मंत्री ने कहा कि आज यह पूरा क्षेत्र ना केवल नक्सल मुक्त हुआ है, बल्कि विवादों से भी मुक्त हुआ है, जो हम सबके लिए बहुत हर्ष का विषय है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन -2 पर हमें अभी से फोकस करना चाहिए और हर घर में नल से जल पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, पोषण और समाज कल्याण बहुत संवेदनशील मुद्दे हैं।

मप्र में 41 हजार दवा दुकानें बंद, ई-फार्मेसी के विरोध में सड़कों पर उतरे दवा विक्रेता

एजेंसी

भोपाल। ऑनलाइन दवा बिक्री (ई-फार्मेसी) के विरोध में बुधवार को मध्य प्रदेश के दवा व्यापारियों ने देशव्यापी आह्वान पर प्रदेशव्यापी तालाबंदी की। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के बैनर तले आयोजित इस एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के कारण प्रदेश की करीब 41 हजार दवा दुकानों के शटर गिरे रहे। हड़ताल के चलते अकेले राजधानी भोपाल में 3 हजार से अधिक मेडिकल स्टोर्स सुबह से ही बंद रहे। हालांकि, आम जनता को गंभीर संकट से बचाने के लिए अस्पतालों के अंदर संचालित मेडिकल स्टोर्स को इस बंद से मुक्त रखा गया है, लेकिन इसके बावजूद आम मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भोपाल के थोक दवा बाजार में सुबह से ही केमिस्टों का जुटना शुरू हो गया था। यहां से सभी व्यापारी नारेबाजी करते हुए कलेक्टोरेट पहुंचे और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। एआईओसीडी के महासचिव राजीव सिंघल ने इस संबंध में चिंता जताते हुए कहा कि यह मामला सीधे जनता की सेहत से जुड़ा है। वर्तमान में ऑनलाइन मिलने वाली दवाओं की गुणवत्ता और उनकी निगरानी के लिए कोई पुख्ता सिस्टम नहीं है। खंडवा में भी मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष गोवर्धन गोलानी के नेतृत्व में व्यापारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्रग एक्ट में कहीं भी दवाओं की ऑनलाइन बिक्री का प्रावधान नहीं है। कोरोना काल में इसे अस्थायी तौर पर छूट दी गई थी, लेकिन अब इसका दुरुपयोग बढ़ रहा है। बिना डॉक्टरों के पर्चे (प्रिस्क्रिप्शन) के गर्भपात और नशीली दवाएं ऑनलाइन आसानी से मंगवाई जा रही हैं, जो युवाओं के लिए बेहद खतरनाक है। उधर, शाजापुर में जिला अध्यक्ष विकास सिंदल की अगुवाई में प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन कंपनियों की भारी छूट (डिस्काउंट पॉलिसी) पर रोक लगाने की मांग की गई। मैहर जिले में भी दवा विक्रेता संघ ने प्रदर्शन कर कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर अश्मिता पटेल को ज्ञापन सौंपा गया। मैहर के अमरपाटन और रामनगर को मिलाकर करीब 567 मेडिकल स्टोर हैं, जबकि मैहर शहर में 80 मेडिकल स्टोर हैं, जो आज पूरी तरह बंद रहे। दवा दुकानें बंद होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी उन मरीजों को हुई जो नियमित और गंभीर बीमारियों की दवाइयों के लिए पूरी तरह रिटेल स्टोर्स पर निर्भर हैं।

सूर्यवंशी की नज़रें अब क्रिस गेल के छक्कों के रिकॉर्ड पर

जयपुर। युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अब तक 53 छक्के लगाए हैं, जो किसी भी बल्लेबाज़ द्वारा किसी भी टी 20 टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज़्यादा हैं। सबसे ज़्यादा 59 छक्के क्रिस गेल ने आईपीएल 2012 में लगाए थे। सूर्यवंशी की नज़रें अब गेल के रिकॉर्ड पर होंगी।सूर्यवंशी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मंगलवार को 10 छक्कों की मदद से 93 रन बनाये। सूर्यवंशी ने तीन बार आईपीएल की एक पारी में 10 या उससे ज़्यादा छक्के लगाए हैं। वह अब सिर्फ़ गेल से पीछे हैं, जिन्होंने ऐसा चार बार किया था। सूर्यवंशी ने 2026 में दो बार एक पारी में 10 या उससे ज़्यादा छक्के लगाए हैं। आईपीएल के एक सीज़न में एक से अधिक बार ऐसा करने वाले एकमात्र दूसरे बल्लेबाज़ फ़िन ऐलन हैं, जिन्होंने 2026 में ही ऐसा किया है।राजस्थान रॉयल्स ने इस आईपीएल में पहले छह ओवरों में 60 छक्के लगाए हैं, जो किसी भी टीम द्वारा इस चरण में आईपीएल के एक सीज़न में सबसे ज़्यादा लगाए गए छक्के हैं। उन्होंने 2024 में सनराइज़र्स हैदराबाद के 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा। इनमें से अकेले सूर्यवंशी ने 37 छक्के लगाए हैं। किसी और बल्लेबाज़ ने किसी एक सीज़न के पहले छह ओवरों में 30 छक्के भी नहीं लगाए हैं। ठुराजस्थान रॉयल्स लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ 221 रनों का लक्ष्य हासिल किया। आईपीएल में राजस्थान द्वारा 220 से ज़्यादा का लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज़ करने का यह चौथा मौका था, जो किसी भी टीम द्वारा सबसे ज़्यादा है। इससे पहले पंजाब किंग्स और एसआरएच ने तीन-तीन बार ऐसा किया था।

एक बार फिर शार्दुल ठाकुर के अनुभव के साथ उतरेंगे ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स

ठाणे (महाराष्ट्र)। एक जून से मुंबई में आयोजित हो रही टी20 मुंबई लीग 2026 के आगामी संस्करण के लिए ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने इस बार भी भारत के अनुभवी गेंदबाज शार्दुल ठाकुर पर भरोसा जताया है। पिछली बार टीम मामूली अंतर से फाइनल में पहुंचने से चूक गई थी, लेकिन इस बार टीम का संयोजन पहले से अधिक मजबूत नजर आ रहा है। ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स की टीम में आदित्य विनोद गिरी, अमर्त्य राजे, अनुज विनोद गिरी, अथर्व अंकोलकर, अयान मोहित जैन, एकनाथ दिनेश केरकर, कार्तिक मिथिलेश मिश्रा, मनन भाट, ओंकार तुकाराम तरमले, रोहन राजेंद्र घाग, साईराज पाटिल, शार्दुल ठाकुर, शशिकांत एकनाथ कदम, शाश्वत योगेश जगताप, शॉन मोतीराम रोड्रिग्स, शिवांश लक्ष्मन सिंह, सिद्धांत मनोज सिंह, सुमेइर सम्राट जावेरी, विनय सुरेश कुंवर और धनय पारेख शामिल हैं।टीम की घोषणा पर ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स के मालिक विक्की रूपचंदानी ने कहा, ÷हम इस सीजन के लिए तैयार की गई टीम से काफी संतुष्ट हैं। हमारी टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ऐसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो बड़े मंच पर खुद को साबित करने के लिए उत्साहित हैं। पिछले संस्करण में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद इस बार हमारा लक्ष्य एक कदम आगे बढ़ते हुए खिताब जीतने का है। हमें विश्वास है कि खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर एक नया इतिहास रचेंगे।÷ ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स अपने अभियान की शुरुआत 1 जून को बांद्रा ब्लास्टर्स के खिलाफ उद्घाटन मुकाबले से करेगी। पुरुष प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें शीर्ष चार टीमें 11 जून को होने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जबकि फाइनल मुकाबला 13 जून को खेला जाएगा।

यंग फेंड्स क्रिकेट क्लब ने ब्राइट क्रिकेट क्लब को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली। यंग फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने ब्राइट क्रिकेट क्लब को 51वें अखिल भारतीय गोस्वामी गणेश दत्त स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में बुधवार को 6 विकेट से हरा दिया। टॉस जीतने के बाद, यंग फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने पहले गेंदबाज़ी करने का फ़ैसला किया। ब्राइट क्रिकेट क्लब ने 39.1 ओवर में 10 विकेट खोकर 240 रन बनाए, जिसमें वंश मेहरा 100(84) और रुशाल 74(52) का अहम योगदान रहा। वहीं, यंग फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब के गेंदबाज़ों में पार्थ कुमार बाली ने 28 रन देकर 2 विकेट, निखिल कश्यप ने 34 रन देकर 2 विकेट, दीप ठाकुर ने 46 रन देकर 2 विकेट और कमल नागर ने 67 रन देकर 2 विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करते हुए, यंग फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने 26 ओवर में 4 विकेट खोकर 241 रन बनाए। इसमें पार्थ कुमार बाली 81(56), जतिन कादयान 64(52) और अनीश गौतम 40(27) की शानदार पारियों की मदद से टीम ने यह मैच 6 विकेट से जीत लिया और क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बना ली। ब्राइट क्रिकेट क्लब की बॉलिंग के दौरान, रुशाल ने 19 रन देकर 2 विकेट लिए, मयंक ने 39 रन देकर 1 विकेट और यशजीत ने 45 रन देकर 1 विकेट लिया।ब्राइट क्रिकेट क्लब 39.1 ओवर में 10 विकेट पर 240 रन (वंश मेहरा 100(84) और रुशाल 74(52) यंग फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब 26 ओवर में 4 विकेट पर 241 रन (पार्थ कुमार बाली 81(56),जतिन कादयान 64(52) और अनीश गौतम 40(27))कीमती प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार ङ्क पार्थ कुमार बाली (यंग फ्रेंड्स) ङ्क 81(56) रन और 28 रन देकर 2 विकेट को दिया गया। यह पुरस्कार पवन कात्याल (उपाध्यक्ष, जीजीडीएमएस) और राकेश कौशल (प्रबंधक, ब्राइट क्रिकेट क्लब) द्वारा दिया गया। स्पोर्ट सन फाइटर ऑफ़ द मैच वंश मेहरा (ब्राइट)100(84) रन। को मिला। गुरूवार को डैज़ स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब बनाम मद्रास क्रिकेट क्लब का मुकाबला होगा।

हम लॉर्ड्स में अपना पहला विश्वकप जीतना चाहते हैं- जेमिमा रोड्रिग्स

नई दिल्ली, 20 मई (वेब वार्ता)। भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा कि हम लॉर्ड्स में होने वाला आगामी टी-20 विश्वकप 2026 का फाइनल जीतना चाहते है।

'करो या मरो' के मुकाबले में केकेआर ने चुनी गेंदबाजी, एमआई की टीम में कप्तान पांड्या की वापसी

मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला

कोलकाता, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 65वें मुकाबले में कोलकाता राइडर्स राइडर्स (केकआर) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया है। बुधवार को ईडन गार्डन्स में केकेआर 'करो या मरो' के इस मुकाबले को जीतकर प्लेऑफ की रेस में बने रहना चाहेगी, जबकि एमआई पहले ही इस दौड़ से बाहर है।

मुंबई इंडियंस के खेमे में नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या की वापसी हुई है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने प्लेइंग इलेवन में कोई भी बदलाव नहीं किया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स 12 में से 5 मुकाबले जीतकर प्वाइंट्स टेबल में 8वें स्थान पर मौजूद है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 12 में से 8 मैच गंवाए हैं। यह टीम फिलहाल 9वें पायदान पर है।

टॉस जीतने के बाद केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, ÷हम पहले गेंदबाजी करना चाहते हैं। हमें अगले दोनों मैच जीतने हैं। हम वर्तमान पर ध्यान केंद्रित रखना चाहते हैं। टूर्नामेंट के पहले हाफ में कुछ ऐसे पल आए थे, जिनका अगर हमने सही फायदा उठाया होता, तो आज हालात कुछ और होते। सच कहूं तो, विकेट को समझना थोड़ा मुश्किल है। हमें पूरे 40 ओवर तक अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। हम उसी टीम के साथ मैदान में उतर रहे हैं।

वहीं, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा, ÷हम भी टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी ही करते। यह एक ऐसी पिच है जो काफी समय से कवर्स के नीचे थी। हम देखना चाहते थे कि यह कैसा बर्ताव करती है। हमें अभी भी पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरना है, अच्छा क्रिकेट खेलना है और खेल का आनंद लेना है। मैं वापस (प्लेइंग इलेवन में) आ गया हूं।

कोलकाता नाइट राइडर्स की प्लेइंग इलेवन- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती और सौरभ दुबे।

मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन- रयान रिकेल्टन, रोहित शर्मा (विकेटकीपर), नमन धीर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह और रघु शर्मा।

अंडर-19: जुलाई में श्रीलंका का दौरा करेगी भारतीय टीम, खेले जाएंगे 3 वनडे और 2 चार-दिवसीय मैच

कोलंबो, (एजेंसी)। भारतीय पुरुष अंडर-19 टीम जुलाई 2026 में श्रीलंका का दौरा करेगी। इस दौरे में 3 वनडे मैच और 2 चार-दिवसीय मुकाबलों की द्विपक्षीय सीरीज खेली जाएगी। यह ऐलान श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बुधवार को किया है।

भारतीय अंडर-19 पुरुष टीम 30 जून को श्रीलंका पहुंचेगी। दौरे की शुरुआत 4 जुलाई को 50-ओवर के मैच से होगी, जो हंबनटोटा के महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (एमआरआईसीएस) में खेला जाएगा। इसके बाद, दूसरा और तीसरा मुकाबला भी इसी स्टेडियम में क्रमशः 6 जुलाई और 9 जुलाई को आयोजित होगा।

इसके बाद चार-दिवसीय सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला 13 से 16 जुलाई तक गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा चार-दिवसीय मैच 20 से 23 जुलाई तक कोलंबो के आर. प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा।

उम्मीद है कि यह सीरीज दोनों देशों के अगली पीढ़ी के क्रिकेटर्स को काफी अनुभव देगी। खासकर तब, जब भारत इस साल जिम्बाब्वे और नामीबिया में हुए पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप का विजेता बनकर आ रहा है।इसके बाद, भारत की अंडर-19 पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगी। दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को

खेली जाएगी। इसके बाद, टीम का ध्यान लंबे फॉर्मेट पर चला जाएगा, जिसमें दो चार-दिवसीय मैच खेले जाएंगे। ये मुकाबले 27 सितंबर को राजकोट में और 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में शुरू होंगे।15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली इस सीरीज के लिए उम्र के लिहाज से योग्य होंगे। इस युवा बल्लेबाज ने पहली बार साल 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की अंडर-19 सीरीज के दौरान सुर्खियां बटोरी थीं। तब उन्होंने महज 13 साल की उम्र में यूथ टेस्ट मैच में 62 गेंदों पर 104 रनों की तूफानी पारी खेली थी। फिलहाल वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) टीम का हिस्सा हैं। आईपीएल 2026 का फाइनल 31 मई को खेला जाना है, जिसके बाद सूर्यवंशी 9 से 21 जून तक श्रीलंका में होने वाली 50-ओवर की ट्राई-सीरीज में भारत-ए के लिए खेलेंगे। वैभव भारत को मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जिताने में अहमद योगदान दे चुके हैं।

बीसीसीआई के घरेलू सीज़न 2026-27 में 1,788 मैच खेले जाएँगे

मुंबई,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भारतीय घरेलू सीज़न 2026-27 का शेड्यूल घोषित करते हुए खुशी हो रही है। इस सीजन के दौरान, पुरुषों और महिलाओं के क्रिकेट में अलग-अलग आयु वर्गों और फ़ॉर्मेट में कुल 1,788 मैच खेले जाएँगे। इस सीजन में पुरुषों के क्रिकेट में सीनियर, अंडर23, अंडर19 और अंडर16 श्रेणियों में टूर्नामेंट होंगे, साथ ही महिलाओं की सीनियर, अंडर23, अंडर19 और अंडर15 प्रतियोगिताओं का भी एक विस्तृत कैलेंडर होगा। घरेलू सीज़न की शुरुआत 23 अगस्त को प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफ़ी से होगी। यह एक और विस्तृत और बेहद प्रतिस्पर्धी कैलेंडर की शुरुआत का प्रतीक है, जो भारत में घरेलू क्रिकेट के मानकों को लगातार ऊँचा उठा रहा है। 2026-27 का घरेलू सीज़न एक मज़बूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढाँचा बनाने के प्रति बीसीसीआई की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि सभी फ़ॉर्मेट और श्रेणियों में संतुलित प्रगति हो। इस सीज़न का रेड-बॉल (लाल गेंद) वाला हिस्सा दलीप ट्रॉफ़ी से शुरू होगा, जिसमें छह ज़ोनल टीमें हिस्सा लेंगी। इसके बाद एक अक्टूबर से ईरानी कप खेला जाएगा। रणजी ट्रॉफ़ी और कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफ़ी दो चरणों वाले फ़ॉर्मेट में ही खेली जाती रहेंगी। इससे खिलाड़ियों को आराम करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा, और साथ ही घरेलू ढाँचे में मल्टी-डे क्रिकेट (कई दिनों तक चलने वाले मैच) को प्राथमिकता देना भी जारी रहेगा। रणजी ट्रॉफ़ी के एलीट ग्रुप में चार समूहों में 32 टीमें होंगी, जबकि प्लेट ग्रुप में छह टीमें शामिल होंगी।आने वाले सीज़न में कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफ़ी के विजेताओं और 'रेस्ट ऑफ़ इंडिया' के बीच होने वाले मैच की वापसी होगी। यह मैच 1 से 4 अक्टूबर 2026 के बीच खेला जाएगा। यह मैच घरेलू कैलेंडर में इसलिए वापस लाया गया है, ताकि अंडर23 आयु वर्ग के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बेहतर और प्रतिस्पर्धी मंच मिल सके।

रणजी ट्रॉफी 11 अक्टूबर से, दलीप ट्रॉफी के साथ 23 अगस्त से शुरू होगा घरेलू सत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी एक बार फिर दो चरण में खेला जाएगी जिसमें पहले चरण की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी जबकि 2026-27 घरेलू सत्र 23 अगस्त को दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह घोषणा की।

आगामी सत्र के दौरान बीसीसीआई आयु वर्ग और सीनियर क्रिकेट में कुल 1788 मुकाबलों का आयोजन करेगा जिसमें पुरुषों के लिए अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर जबकि महिलाओं के लिए अंडर-15, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर के मुकाबले शामिल हैं।

अंडर-23 वर्ग का सीमित ओवरों का टूर्नामेंट और विजी ट्रॉफी के लिए अंतर क्षेत्रीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता टी20 प्रारूप में खेली जाएगी।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''2026-27 का घरेलू सत्र बीसीसीआई की एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढांचा बनाने

की प्रतिबद्धता को दिखाता है। साथ ही यह सभी प्रारूप और वर्ग में संतुलित प्रगति भी सुनिश्चित करता है।''

क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी करने वाली दलीप ट्रॉफी 23 अगस्त से 10 सितंबर के बीच खेली जाएगी। यह पूरा टूर्नामेंट बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा।

रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के बीच ईरानी कप मुकाबला एक से पांच अक्टूबर तक श्रीनगर में खेला जाएगा।

बीसीसीआई के घरेलू कैलेंडर की सबसे बड़ी प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से पांच नवंबर के बीच होगा जिसमें चार दौर खेले जाएंगे।

दूसरा चरण 17 जनवरी से तीन मार्च 2027 के बीच होगा जो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट) और विजय हजारे ट्रॉफी (50 ओवर का राष्ट्रीय टूर्नामेंट) के खत्म होने के बाद खेला जाएगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 14 नवंबर से छह दिसंबर के बीच खेली जाएगी। लीग चरण के मुकाबले मुंबई, मोहाली, विजाग और कोलकाता में होंगे जबकि नॉकआउट चरण नागपुर में होगा।सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से आईपीएल की विभिन्न फ्रेंचाइजी को नीलामी से पहले अपनी सूची तैयार करने का मौका मिलेगा। नीलामी दिसंबर में होगी।विजय हजारे ट्रॉफी 14 दिसंबर 2026 से आठ जनवरी 2027 तक होगी।बीसीसीआई की कार्यक्रम तैयार करने वाली टीम ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर-16) नवंबर से जनवरी के बीच कराने का फैसला किया है जिससे स्कूली क्रिकेटरों को अपनी सालाना या बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी करने में भी आसानी होगी जो आम तौर पर फरवरी और मार्च में होती हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आपा खो बैठे थे सलमान आगा, आईसीसी ने लगाई फटकार

दुबई, (एजेंसी)। पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान आगा को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान आईसीसी की आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन करने के लिए आईसीसी ने आधिकारिक तौर पर फटकारा है।यह घटना मंगलवार को पाकिस्तान की दूसरी पार के 82वें ओवर में हुई, जब सलमान आउट होने के बाद पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने अपने बल्ले को एक विज्ञापन बोर्ड पर मार बैठे।आईसीसी के अनुसार, सलमान ने 'खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी की आचार संहिता' के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन किया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरणों या कपड़ों, मैदान के उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग का दुरुपयोग करने से संबंधित है।आधिकारिक फटकार के अलावा, सलमान आगा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है। यह 24 महीनों के भीतर में उनका दूसरा अपराध था, जिससे उनके कुल डिमेरिट प्वाइंट्स की संख्या बढ़कर 2 हो गई है। इसी साल 13 मार्च को ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ एक वनडे मैच के दौरान सलमान को अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया था।यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और अलाउद्दीन पालेकर, थर्ड अंपायर कुमार धर्मसेना और फोर्थ अंपायर मसूदुर रहमान मुकुल ने लगाया था। सलमान ने अपना अपराध स्वीकारते हुए आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो की प्रस्तावित सजा को मान लिया। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।उल्लेखनीय है कि आचार संहिता के तहत लेवल-1 के उल्लंघनों के लिए न्यूनतम सजा के तौर पर आधिकारिक फटकार और अधिकतम सजा के तौर पर खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना, साथ ही एक या दो डिमेरिट प्वाइंट्स दिए जाते हैं।पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 78 रन से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले पाकिस्तान ने सीरीज का पहला मैच 104 रन से गंवा दिया था। इस हार के साथ पाकिस्तान डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में 8वें स्थान पर खिसक गया है। मौजूदा चक्र में उसने चार मुकाबलों में से केवल एक ही जीता है।

हॉकी कोच बलदेव सिंह को सम्मानित किया जाएगा पद्मश्री से

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हॉकी कोच बलदेव सिंह को 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा जाएगा।अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।सिंह (75 वर्ष) ने एनएच 44 पर बसे छोटे से शहर शाहाबाद मारकंडा को बेहतरीन हॉकी प्रतिभा पैदा करने का एक बड़ा केंद्र बना दिया। वह 1982 में हरियाणा खेल विभाग में कोच के तौर पर शाहाबाद मारकंडा आए थे और उन्होंने वहां चार साल तक सेवा दी।अधिकारियों ने बताया कि 1993 में वह इस शहर में वापस लौटे और उन्होंने इस हॉकी नर्सरी को सबसे ज्यादा हॉकी प्रतिभा पैदा करने वाले केंद्र में से एक बना दिया।भैणी साहिब की नामधारी हॉकी टीम से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने वाले और अस्सी के दशक की शुरुआत में बेंगलुरु के राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) से हॉकी कोचिंग में डिप्लोमा हासिल करने वाले सिंह ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए इस खेल में 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और आठ भारतीय कप्तानों को तराशा।जैसे-जैसे यह अकादमी इस खेल के लिए एक प्रमुख केंद्र बनती गई, सिंह ने हॉकी की प्रतिस्पर्धी व्यवस्था में कई अहम भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 1993 में जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता के तौर पर काम किया। फिर वह 1996 में मद्रास में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के सहायक कोच रहे और बाद में सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच बने। अधिकारियों ने बताया कि 2001 से 2004 तक उन्होंने भारतीय पुरुषटीम के कोच के तौर पर काम किया और 2004 के एशिया कप में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई।चार दशकों से भी ज्यादा समय से सिंह सुर्खियों से दूर रहकर काम करते रहे, उन्होंने भारतीय हॉकी की संस्थागत नींव को मजबूत करने में योगदान दिया।सिंह ने फतेहगढ़ साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब विश्व विश्वविद्यालय और अमृतसर के खालसा कॉलेज में हॉकी कोच के तौर पर सेवा दी। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा 2020 तोक्यो, 2024 पेरिस और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के लिए एक 'रोडमैप' तैयार करने हेतु गठित ओलंपिक कार्य बल के मुख्य सदस्य के तौर पर भी काम किया है।

आयरलैंड ने महिला टी-20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की

डबलिन, (एजेंसी)। आयरलैंड ने इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। गैबी लुईस कमान की कप्तानी वाली 15 सदस्यों वाली इस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्हें इस बड़े टूर्नामेंट के लिए पहली बार बुलाया गया है, जिनमें एवा कैनिंग, क्रिस्टीना कूल्टर रेली, अलाना डेलज़ेल, एमी मैगुइरे और लारा मैकब्राइड शामिल हैं। यह गैबी का पहला टी-20 विश्वकप है। लुईस आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालिफायर में सात मैचों में 276 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रही थीं।टीम में लीह पॉल, एमी हंटर और ओर्ला प्रेंडरगैस्ट जैसी खिलाड़ी भी शामिल है। टीम में आयरलैंड की सबसे अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान लॉरा डेलानी भी हैं। गेंदबाजी ईकाई में अर्लीन केली भी हैं, जो इस साल की शुरुआत में टी-20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालिफायर में दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज थीं।

पलक तिवारी ने अपनी मां श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी लगातार अपने करियर को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच बातचीत में उन्होंने अपनी मां और टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां ने उनके करियर में कभी भी दखल नहीं दिया। उन्होंने जो भी अब तक फैसले लिए हैं, खुद और दिल से लिए हैं। पलक तिवारी ने कहा, 'मेरी और मेरी मां की जिंदगी पूरी तरह अलग दौर और अनुभवों से गुजरी है, जिसके चलते हम दोनों के सोचने का तरीका अलग है। कहानियों को समझने का नजरिया भी अलग है। एक कलाकार के तौर पर हर व्यक्ति का अपना एक अलग सफर होता है, और उसी सफर के अनुभव उसके फैसलों को प्रभावित करते हैं। मेरी मां ने जिस समय और माहौल में काम किया, वह आज के समय से बहुत अलग था, इसलिए हम दोनों के दृष्टिकोण भी अलग हैं।'

पलक ने कहा, ''मेरी मां कभी भी मेरे करियर में दखल नहीं देतीं। वह सिर्फ मार्गदर्शन करती हैं, लेकिन किसी भी तरह का दबाव नहीं डालतीं। उन्होंने हमेशा से मुझे स्वतंत्र रूप से सोचने और फैसले लेने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि कलाकार को अपने फैसले खुद लेने चाहिए, क्योंकि वही उसके करियर को सही दिशा देते हैं।'' इंटरव्यू के दौरान पलक ने बताया, ''मां हमेशा मुझसे यही पूछती हैं कि जो प्रोजेक्ट मैं चुन रही हूं, क्या वह सच में मेरे दिल को पसंद है या नहीं। वह मुझे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए मजबूर नहीं करतीं, बल्कि यह समझने की कोशिश करती हैं कि क्या वह काम पलक के लिए सही है या नहीं।'' पलक ने आगे कहा, ''मां ने हमेशा मुझे यह सलाह दी है कि मैं अपने दिल की आवाज को सुनूं। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी चीज यही है कि वह अपने काम से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। अगर कहानी या किरदार अंदर से महसूस नहीं होता, तो उसे करना सिर्फ एक काम बनकर रह जाता है, जबकि अभिनय का असली मजा तभी आता है, जब वह दिल से जुड़ा हो।''

मीरा नायर की 'अमरी' में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

पिता के रोल में जयदीप अहलावत

डॉक्यूमेंट्री फिल्मों से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत करने वाली मीरा नायर अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। इस फिल्म का नाम है 'अमरी'। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और जयदीप अहलावत के अलावा भी कई कलाकाल महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'अमरी' स्टार कास्ट

मीरा नायर की नई फिल्म 'अमरी' में मुख्य भूमिका में अंजलि शिवरामन अमृता शेर-गिल का किरदार निभाएंगी। एमिली वॉटसन उनकी मां मैरी-एंटोनेट का रोल करेंगी। जयदीप अहलावत उनके पिता उमराव सिंह शेर-गिल के किरदार में नजर आएंगे। क्रिस्टियन साकवारी विक्टर ईगन के रूप में नजर आएंगी। अंजना वासन इंदिरा शेर-गिल के रूप में और जिम सरभ कार्ल खंडालावाला के रूप में नजर आएंगे। इन सभी के अलावा प्रियंका चोपड़ा मैडम अजूरी के रोल में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं। मीरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी नई फिल्म 'अमरी' का पहला लुक जारी किया है।

'अमरी' को लेकर मीरा नायर की राय

अमृता शेर-गिल की कला ने मीरा नायर को बहुत प्रभावित किया है। मीरा ने कहा, ''अमरी' अमृता शेर-गिल की कला से प्रेरित है। उन्होंने यूरोप में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर भारत की आत्मा को अपनी पेंटिंग में उतारा। उनके रंगों की हिम्मत और आम लोगों को चित्रित करने का तरीका मुझे हमेशा प्रभावित करता रहा है।'

अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स

2027 में अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स की बड़ी प्रदर्शनियां दुनिया भर में लगाई जाएंगी। ये पेरिस से शुरू होकर लॉस एंजिल्स, दोहा होते हुए नई दिल्ली में खत्म होंगी। दिल्ली में उनकी स्थायी प्रदर्शनी भी लगाने की योजना है।

आज भी समाज में लोगों को उनके सरनेम से जज किया जाता है

अभिनेत्री महवश अपनी आगामी वेब सीरीज 'सतरंगी: बदले का खेल' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उत्तर भारत की लोक कला 'लौंडा नाच' और जाति-आधारित भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दों को भी उठाया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि स्क्रिप्ट सुनते ही उन्होंने इसके लिए तुरंत हामी भर दी थी। उन्होंने कहा, 'जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश देने का माध्यम भी है। उत्तर प्रदेश में पली-बढ़ी होने के नाते मैंने अपने आस-पास ऐसी सच्चाइयों को देखा और सुना था। उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बहुत ही सार्थक मौका था। मेरे किरदार में भी कई इमोशनल परतें हैं और एक एक्टर के लिए, ऐसी जटिलता हमेशा रोमांचक होती है।' सीरीज के ट्रेलर से साफ पता चलता है कि इसकी कहानी बदले की नहीं, बल्कि पहचान और आत्म-सम्मान की लड़ाई भी है। अभिनेत्री ने बताया कि आज भी समाज में काफी लोगों को उनके टाइटल से जज किया जाता है। जाति आधारित हिंसा आज भी हमारे आसपास देखने को मिलती है। हम सीरीज के माध्यम से बस यह दिखाना चाहते थे कि इंसान का जिन बातों पर बस नहीं होता, उनकी वजह से लोगों को किन मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। यह यकीनन पहचान और इंसाफ की लड़ाई है और मुझे उम्मीद है कि आखिर में समाज यह लड़ाई जीत जाएगा। महवश ने सीरीज में एक ऐसे प्रभावशाली और बाहुबली परिवार की ग्रामीण लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने ही परिवार द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और जाति व्यवस्था के खिलाफ खड़ी होती है। अपने ग्रामीण किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए यह मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे यह मुश्किल नहीं लगा, क्योंकि मैंने दोनों तरह की जिंदगी जी है। अगर 'प्यार पैसा प्रॉफिट' ने मेरे मुंबई वाले पहलू को दिखाया, तो 'सतरंगी' मेरे अलीगढ़ के जड़ों को दिखाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि यहां तक आना के लिए उन्होंने अनगिनत ऑडिशन दिए और कई रिजेक्शन झेले हैं। उन्होंने कहा, 'इस मुकाम तक पहुंचना ही अपने आप में मुश्किल था, क्योंकि आपको मौके मिलने से पहले अनगिनत ऑडिशन और रिजेक्शन का सामना करना पड़ता है। आप रिजेक्शन से सीखते हैं और धीरे-धीरे अपनी कला को समझते हैं। डिजिटल कंटेंट के लिए एक्टिंग करना और जज्बाती तौर पर गहरे किरदार निभाना, ये दो अलग-अलग दुनियाएं नहीं हैं। अगर आपको सच में एक्टिंग करनी आती है, तो यह बदलाव अपने आप ही हो जाता है।'

'गोलमाल 5' को लेकर तुषार कपूर ने दी बड़ी अपडेट

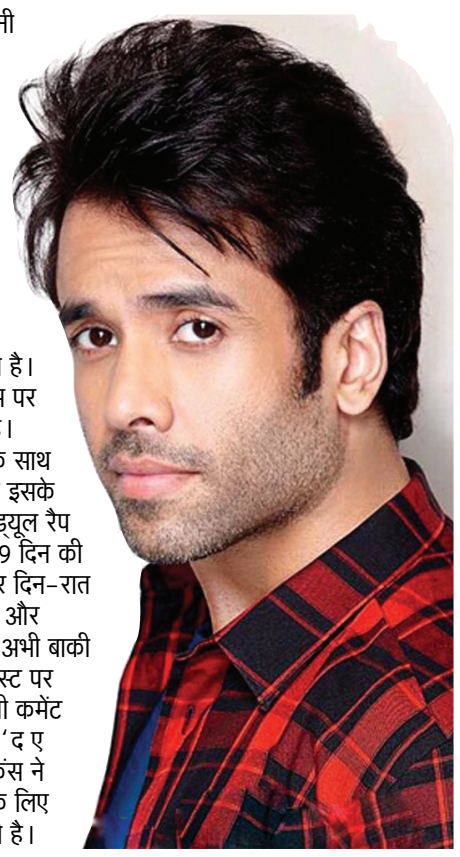

एक्टर तुषार कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट दी है। तुषार कपूर ने अपनी टीम के साथ एक सेल्फी शेयर की। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। तुषार कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की है। इसमें वह अपनी टीम के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा है 'शेड्यूल रैप सेल्फी। गोलमाल 5, 79 दिन की कड़ी मेहनत, जुनून और दिन-रात शूटिंग, नींद की झपकी और छुट्टियां। लेकिन पिक्चर अभी बाकी है।' तुषार कपूर की पोस्ट पर अभिनेता आफताब ने भी कमेंट किया है। उन्होंने लिखा 'द ए टीम'। पोस्ट पर कई फैंस ने कमेंट करके सीक्वल के लिए अपनी बेसब्री जाहिर की है।

कान फिल्म फेस्टिवल में रिलीज हुआ वामिका गब्बी की 'डीसी' का ट्रेलर

वामिका गब्बी मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की सबसे व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले महीने 'भूत बंगला' की सफलता के बाद कल ही उनकी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज हुई है। अब उनकी आगामी फिल्म 'डीसी' रिलीज को तैयार है। फिल्म का ट्रेलर 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में जारी किया गया है। 'डीसी' से निर्देशक से एक्टर बने लोकेश कनगराज अपना एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं। 3 मिनट 13 सेकंड के इस ट्रेलर में लोकेश कनगराज को देवदास और वामिका को चंद्रा के रूप में दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि चंद्रा के माता-पिता ने कोलकाता में उसे कई साल पहले अवैध रूप से देह व्यापार में बेच दिया था। अब उसके पास रहने की कोई जगह नहीं है। जल्द ही पता चलता है कि देवदास एक पुलिस वाले और डॉक्टर चंद्रा की हत्या के आरोप में वॉन्टेड है। इसके बाद ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, खूनखराबा, बम धमाके और गोलीबारी देखने को मिलती है। ट्रेलर में लोकेश के साथ-साथ वामिका भी कई मौकों पर एक्शन करती नजर आती हैं। ट्रेलर का अंत एक रोमांटिक अंदाज में होता है, जहां वामिका और लोकेश सूर्यास्त के समय एक पहाड़ी पर खड़े नजर आते हैं।

ट्रेलर देखकर उत्साहित हुए फैंस

ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गया। हालांकि, अधिकांश यूजर्स ट्रेलर में सबसे ज्यादा प्रभावित अनिरुद्ध के म्यूजिक से हुए हैं। जबकि कई यूजर्स ने ट्रेलर में वामिका और लोकेश की भी जमकर तारीफ की है।

अपनी पहचान बनानी थी, दादा के नाम का सहारा नहीं लिया

दिवंगत म्यूजिक कंपोजर ओपी नय्यर की पोती निहारिका रायजादा साल 2010 में मिस यूके और फिर मिस इंडिया वर्ल्डवाइड रहीं। उनकी परवरिश लक्समबर्ग में हुई। उन्होंने मेडिकल साइंटिस्ट की पढ़ाई की है, पर 2013 से फिल्मी दुनिया में कदम रखे। उनकी पहली फिल्म बंगाली थी, जिसका नाम 'दामोदल' था। हालांकि, चर्चा उन्हें 'बेबी' और 'मसान' जैसी फिल्मों से मिली। साल 2025 में निहारिका फिल्म 'अद्रिका' में नजर आईं और इस साल 'मर्सी' में नजर आईं, जो अप्रैल में रिलीज हुई।

हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा

निहारिका रायजादा अब तक 'मसान', 'बेबी', 'टोटल धमाल' और 'सूर्यवंशी' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इन फिल्मों में बड़े सितारों के साथ काम करते हुए उन्होंने क्या सीखा? इसके जवाब में वह कहती हैं, 'मैंने हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा है। मसलन ओमपुरी जी इमोशनल आदमी थे, यहां तक कि इमोशंस से ही एक्टिंग करते थे, तो उनसे मैंने वह सीखा। रणवीर सिंह से मैंने सीखा कि इंसान को एक्टर बनने के लिए पैशनेट होना चाहिए। अक्षय (कुमार) सर सबसे बात करते हैं, बहुत बिंदास इंसान हैं और बहुत अनुशासित भी हैं। वह न स्मोकिंग करते हैं और ना ही शराब पीते हैं। तो अनुशासन और शरीर को कैसे मेंटेन करना है, यह मैंने उनसे सीखा। अजय देवगन सर से बिजनेस करना, सिनेमा हॉल्स का बिजनेस चलाना, प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनना जैसी चीजें मैंने समझीं।'

आदिल जी कमाल के हैं

निहारिका इन दिनों फिल्म 'मर्सी' में अपने रोल को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज कलाकार आदिल हुसैन नजर आ रहे हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव पर वह कहती हैं, 'आदिल जी से मैंने सीखा कि इतनी फिल्में करने के बाद भी आप विनम्र और साधारण कैसे बने रहें। उन्होंने 'इंग्लिश-विंग्लिश' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। लेकिन उन्हें देखकर पता लगता है कि इंसान जितना ज्यादा ऊपर पहुचंता है न, वह उतना ज्यादा सिंपल होता जाता है। वह फिलोसॉफर है, कई किताबें पढ़ चुके हैं। वह सेट पर अक्सर इम्प्रोवाइज करते थे और जिसे हम नैचुरल एक्टिंग कहते है, वह आदिल सर करते हैं। सच कहूं तो वह कमाल के हैं।'

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज़म की बात होती है। लेकिन निहारिका को अभी तक वैसे मौके नहीं मिल पाए। आखिर क्यों उन्होंने अपने दादाजी के नाम का इस्तेमाल नहीं किया? इसके जवाब में निहारिका कहती हैं, 'क्योंकि किसी ने मुझे उसका इस्तेमाल करने नहीं दिया। हालांकि फिर भी मैंने बहुत अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और मुझे अपने डायरेक्टर्स पर गर्व है। मैं तो इसे भी खुशकिस्मती मानती हूं कि मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, वरना बहुत लोग फिल्मों में काम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें वह नसीब नहीं होता। हालांकि फिल्मी फैमिली से होने का फायदा कहीं न कहीं मिलता ही है। लेकिन उसका जो पोटेंशियल है, वह मेरे भी फायदे में नहीं आया।' वह आगे बताती हैं, 'मेरी शुरुआत दरअसल खुद की वजह से हुई थी क्योंकि मैं मिस इंडिया रह चुकी थी। मैंने ऑडिशन दिया और मुझे मौका मिल गया। लेकिन 'टोटल धमाल' मुझे जरूर फैमिली बैकग्राउंड की वजह से मिली थी। शुरू में मैं किसी को बताती ही नहीं थी कि मैं फिल्मी फैमिली से हूं क्योंकि मुझे अपनी पहचान खुद बनानी थी। मैं चाहती हूं कि मैं अपने परिचय से पहचानी जाऊं न कि अपने परिवार के जरिए।'

इच्छामृत्यु पर फैसला सावधानी और समझदारी से हो

निहारिका फिल्म 'मर्सी' में नजर आ रही हैं तो वहीं कुछ समय पहले ही हरीश राणा की इच्छामृत्यु का केस काफी चर्चा में रहा। इस बारे में निहारिका क्या सोचती हैं? वह कहती हैं, 'मैं इच्छामृत्यु को गलत नहीं मानती। लेकिन यह जरूर मानती हूं कि एक व्यक्ति की हालत इतनी खराब है कि कोई और विकल्प नहीं है। तो जिस तरह हरीश राणा का खाना वगैरह विड्रॉल किया गया, तो उस तरह सम्मान के साथ हमारा न्यायालय फैसला ले सकता है। लेकिन यह फैसला सभी पहलुओं को देखते हुए बेहद सावधानी और समझदारी से अथॉरिटीज़ द्वारा लिया जाना चाहिए।'

रहस्यमयी कमरुनाग झील

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है।

हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है।

धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे।

इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।